राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पक

पटना, सोमवार, 02 दिसम्बर, 2024 /Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

स्थिरता विश्वास विकास

नकली पहचान/ पार्सल स्कैम से **सावधान रहें!**

आरबीआई/बैंकों/सरकारी एजेंसियों/कूरियर कंपनियों के अधिकारियों के नाम से आने वाले ऐसे **साइबर अपराधियों** के ऑडियो/वीडियो कॉल से सावधान रहें, जो कानूनी कार्रवाई करने की **धमकी देते हैं** या **तुरंत पैसे की मांग** करते हैं या आपके बैंक खाते या डेबिट/क्रेडिट कार्ड को **फ्रीज़** या **ब्लॉक** करने का डर दिखाते हैं।

क्या न करें

- **घबराएं नहीं –** धोखेबाज़ आपको फंसा सकते हैं
- कोई भी निजी/वित्तीय जानकारी **साझा न करें**
- भुगतान करने के लिए अज्ञात लिंक पर **क्लिक न करें**

क्या करें

- हमेशा कॉल करने वाले/फ़ंड अनुरोध की **वास्तविकता की पुष्टि** करें
- cybercrime.gov.in पर **तुरंत रिपोर्ट करें** या 1930 पर सहायता के लिए कॉल करें

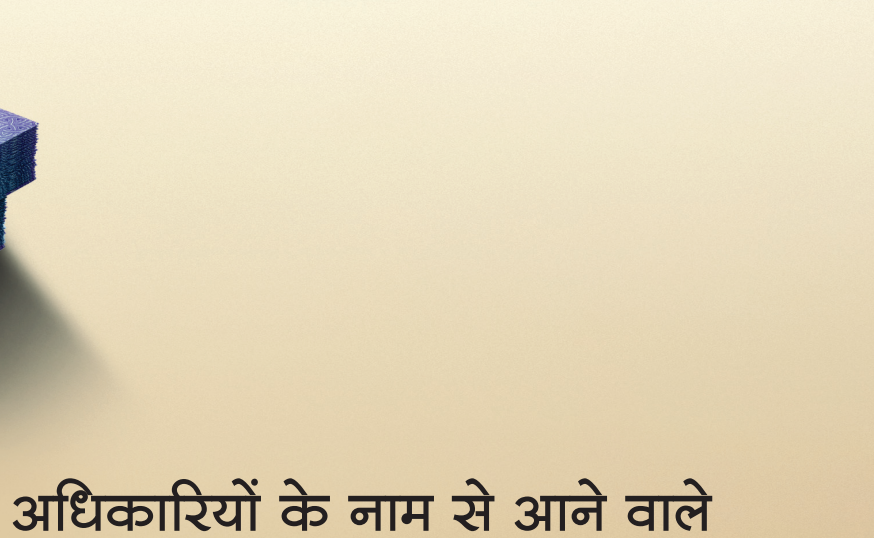

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/fraud** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ऑटो की टक्कर में महिला की मौत

मसौढ़ी। भगवानगंज थाना क्षेत्र के देवरिया भगवानगंज पथ पर भोजा टोला गांव के समीप ट्रैक्टर व टेंपू की तरह हुई,टक्टर टेंपू सवार महिला की मौत हो गई.मृतका की पहचान दुल्हिन बजार थाना क्षेत्र के कोरिया गांव निवासी मनीष कुमार के 42वर्षीय पत्नी कविता देवी के रूप में की गई.घटना उस समय घटी जब महिला देवरिया मोड़ से एक टेंपू पर सवार होकर इंदो गांव में अपने बेटा से मिलने जा रही थी,उसी समय भोजा टोला गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर से जोरदार टक्टर हो गई,जिससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई.जहां इलाज के उपरांत उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची भगवानगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वही ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाई है।

मेडिकल प्रैक्टिशनर के घर से लाखों की चोरी

मसौढ़ी !थाना क्षेत्र के नदौल गांव में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की संपति चोरी कर ली गई है।घटना के संदर्भ में गृहस्वामी घर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के बलईठा गांव निवासी उदय कुमार नदौल में घर बनाकर रहते थे।पेशे से वो मेडिकल प्रैक्टिशनर थे, उनकी तबीयत खराब थी तो घर के परिजन लोग इलाज के लिए उनको अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के उपरांत शुक्रवार की उनकी उनकी मौत हो गई थी,घर के सभी लोग दाहसंस्कार के बाद अपने पैतृक गांव बलईथा चले गए थे। रविवार को घर के लोग सुबह नदौल अपने घर पहुंचे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ है। पेटी बक्सा का भी ताला तोड़ दिया था सारे सामान इधर उधर बिखरे पड़े थे,जिसमें ढाई लाख के जेवरात आभूषण सहित चार लाख रुपए नकद राशि गायब थे,उसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बिहार बटालियन ने स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया

दानापुर। नगर के अंतर्गत रविवार को बिहार रेजिमेंट केंद्र में द्वितीय बिहार बटालियन का स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बटालियन के वीर सैनिकों को याद करने और सम्मानित करने के लिए बिहार रेजिमेंट केंद्र के वीर स्मृति स्थल पर एक विशेष श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां बिहार रेजिमेंट सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर कमलदीप जसपाल ने अमर जवान पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए विनम्र भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात द्वितीय बटालियन के पूर्व सैनिक,ऑफिसर, जेसीओ एवं जवान से मिलकर उनकी कुशलता जाना। इस मौके पर द्वितीय बिहार बटालियन से सेवानृवित बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ प्रदेश मीडीया प्रभारी उपेन्द्र सिंह ने कहा कि हम लोग सौभाग्यशाली जो द्वितीय बिहार बटालियन बिहार में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। बताया गया कि बिहार रेजिमेंट की द्वितीय बटालियन की स्थापना 1 दिसंबर 1942 को लेफ्टिनेंट कर्नल जीएल ट्रेवर और सूबेदार मेजर हरनंदन सिंह के कुशल नेतृत्व में आगरा छावनी में की गई। बटालियन की सरंचना राजपूत, अहीर, ब्राह्मण, मुस्लिम और आदिवासी वर्ग के आधार पर की गई थी। इस मौके पर बिहार रेजीमेंट केंद्र, लेफ्टीनेंट कर्नल यूपी सिंह, लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक कुमार सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल जावेद हुसैन फरीदी लेफ्टीनेंट कर्नल चेतन कुमार, मेजर वाई एस राणावत सुबेदार सेवानिवृत्त उपेन्द्र कुमार सिंह, बैजनाथ यादव, जे सी पाल, सुबेदार शैलेन्द्र पांडे, हवलदार अनूरूध कुमार एवं अन्य दर्जनो जवान शामिल हुए।

हाइवा ने कार को मारी टक्कर

पटना सिटी (प्राकि)। राष्ट्रीय उच्च पथ 30 के फैजाबाद के पास एक कर को हाईवे ने देखा मार दिया। मिली जानकारी के अनुसार कर पटना से नालंदा की ओर जा रही थी जिस पर दो लोग सवार थे इसी दौरान हाइवा जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 27 जीए 7237 लिखा था, ने गुजर रहे कर को ओवरटेक करने के दौरान धक्का मार दिया कर दो तीन बार चक्कर काटता हुआ अंतत क्षतिग्रस्त होकर रुक गया कर। कार पर रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर एफजे 3024 लिखा था सूचना मिलने के साथ ही मौके पर बाईपास थाना की पुलिस भी पहुंची हुई थी। हाईवे और उसके चालक को पुलिस ने रोक रखा था।

भारत-नेपाल निर्यात: वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल से नेपाल को निर्यात आरंभ

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सीमा शुल्क, आयुक्तालय पटना के अंतर्गत नेपाल सीमा पर सटे वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल (एल० सी० एस०) से 27 नवंबर 2024 को विभिन्न प्रकार के रेडीमेड कपड़ों का निर्यात शुरू हुआ। यह निर्यात क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 2023 में वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल कार्यालय (एल०सी० एस०) की शुरूआत की गयी थी लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण निर्यात और आयात प्रक्रिया बाधित थी। इस मुद्दे पर 18/11/2024 को केन्द्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, एवं डॉ यशोवर्धन पाठक आयुक्त सीमा शुल्क, पटना एवं अन्यसम्बंधित विभागों के अधिकारीयों के बीच बैठक हुई जिसमें वाल्मीकिनगर सीमा स्थल से आयात - निर्यात में आने वाले बाधाओं को दूर कर आयात - निर्यात जल्द प्रारंभ हो इसको लेकर चर्चा हुई। इसके बाद 19/11/2024 को आयुक्त सीमा शुक्ल पटना की उपस्थिति में वाल्मीकिनगर सीमा शुक्ल चौकी के अधिकारीयों एवं विभिन्न व्यापारी प्रतिनिधियों के बीचबैठक हुई । बैठक के बाद आयत- निर्यात जल्द से जल्द प्रारंभ हो इसको लेकर आयुक्त ने दिशानिर्देश जारी किये जिसके परिणामस्वरूप वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल से निर्यात प्रारंभ हुआ। अभी विभिन्न प्रकारके रेडीमेड गारमेंट का निर्यात मेसर्स अलिअंस कॉन्ट्रैक्ट्स एंड इंजिनीयर्सचनपटिया के द्वारा निर्यात सम्बंधित सभी मापदंडों को पूरा करने के बाद किया गया। इस सीमा चौकी से निर्यात शुरू होने से यहाँ के विभिन्नव्यापारिक गतिविधियों को बहुत शुलभता एवं बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इससेपहले व्यापारियों को निर्यात के लिए अन्य सीमा शुल्क स्टेशनों का सहारा लेना पड़ता था, जिसके कारण समय और लागत दोनों बढ़ जाते थे। अब वाल्मीकिनगर से निर्यात की शुरूआत के बाद व्यापारियों को कम समय और लागत में सुविधा मिलेगी, जो स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा। निर्यात की प्रक्रिया शुरू होने से वाल्मीकिनगर क्षेत्र के व्यापारियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री और आयुक्त सीमा शुल्क के प्रयासों की सराहना की है। हालांकि नेपाल की तरफ से प्लांट क्वारंटीन और एफएसएसएआई लैब की अनुपलब्धता के कारण कृषि और कृषि प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात अभी संभव नहीं हो पा रहा है। इन वस्तुओं के निर्यात के लिए भारतीय सीमा में प्लांट क्वारंटीन और एफएसएसएआई लैब की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में इन वस्तुओं का आयात-निर्यात भी सुगम हो सके। आयुक्त महोदय के द्वारा बताया गया कि इन वस्तुओं के अतिरिक्त अन्य वस्तुएं, यथा झ लोहा, सीमेंट, कपड़े, कॉस्मेटिक्स, एलेक्ट्रिकल्स इत्यादि सामग्रियों को सुगमता पूर्वक, नेपाल आयात-निर्यात किया जा सकता है।

नशा मुक्त बिहार मैराथन में सशस्त्र सीमा बल का रहा उल्लेखनीय योगदान

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। पटना में रविवार को आयोजित ह्वनशा मुक्त बिहारह्व मैराथन में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के 45 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग (बिहार सरकार) द्वारा आयोजित मैराथन का उद्देश्य नशामुक्त समाज की दिशा में जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर महानिरीक्षक नैय्यर हसनैन खान, सशस्त्र सीमा बल, सीमांत मुख्यालय पटना ने बिहार की जनता से अपील की कि वे नशे की लत को छोड़कर एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नशा मुक्त समाज न केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाता है, बल्कि एक मजबूत राष्ट्र की नींव भी रखता है। मैराथन में डीआईजी एच. जितेन सिंह की नेतृत्वकारी भूमिका उल्लेखनीय रही। उनकी अगुवाई में एसएसबी के 45 बलकर्मियों और कई महिला सदस्यों ने भी इस आयोजन में भाग लेकर अपने समर्पण और अनुशासन का परिचय दिया। एसएसबी के इस योगदान ने आयोजन में एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। नशा मुक्त बिहार के इस अभियान में एसएसबी का सहयोग समाज को सकारात्मक संदेश देने और बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगा।

मैथिली और सम्पूर्ण मिथिला के विकास के लिए करेंगे हर संभव प्रयास : संजय झा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : मिथिला संस्कृति विकास समिति राजीव नगर पटना द्वारा दो दिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व समारोह 2024 रविवार (01-122024) को समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ. विद्यापति स्मृति पर्व समारोह 2024 का उद्घाटन शनिवार को जदयू कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा ने किया. समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने मैथिली और सम्पूर्ण मिथिला के विकास के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता बताई. श्री झा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिथिला के विकास के लिए कृत संकल्पित है. उन्होंने कहा कि मिथिला के विकास के लिए वे हर संभव प्रयास करते रहेंगे। समारोह को मुख्य अतिथि विधायक मीना कामत, विशिष्ट अतिथि विधायक संजीव चौरसिया, डॉक्टर बी. झा ने भी संबोधित किया. मौके पर मिथिला विकास समिति के अध्यक्ष संजीव झा ने संविधान को मैथिली में प्रकाशित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। समारोह के दुसरे दिन चेतना समिति की अध्यक्षा निशा मदन झा, पूर्व अध्यक्ष विवेकानंद झा, उमेश मिश्र, विवेकानंद ठाकुर, संस्था के महासचिव रामनरेश झा, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार चौधरी, संतोष कुमार चौधरी, संजय कुमार चौधरी सहित कई गणमान्य लोगों ने समारोह को संबोधित किया और वक्ताओं ने मिथिला के विकास पर जोर दिया।

रोटरी सम्राट के अंग प्रत्यारोपण शिविर का 52 दिव्यांगों ने उठाया लाभ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी सम्राट और महावीर सेवा सदन (कोलकाता) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम पैर अंग शिविर का समापन रविवार को हुआ। शिविर में 52 लाभार्थियों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किया गया। इसे रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी सम्राट द्वारा आयोजित किया गया था। अध्यक्ष देवराज बल्लभ ने कहा, हमें इस जीवन-परिवर्तनकारी पहल को हमारे शहर में लाने के लिए महावीर सेवा सदन कोलकाता के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। हमारा मानना है कि हर किसी को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए और हम ऐसी पहलों के लिए अपना समर्थन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सचिव देवेश नवाडिया ने बताया कि शिविर में 52 लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किया गया। महावीर सेवा सदन के डॉ सुमन प्रभाकर ने कहा, शिविर को सफल बनाने में उनके सहयोग के लिए रोटरी सिटी सम्राट के आभारी हैं। हम शहर में ऐसी और पहल लाने के लिए अपनी साझेदारी जारी रखने के लिए तत्पर हैं। शिविर के समापन में विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद विनोद कुमार और मुख्य अतिथि उपमहापौर श्रीमती रश्मि चंद्रवंशी ने अपनी उपस्थिति के साथ इस नेक कार्य की प्रशंसा की। साथ ही हरसंभव सहायता प्रदान करने का वादा किया। अब यह कैम्प प्रति वर्ष आयोजित किया जाएगा। शिविर में 150 लोगों ने भाग लिया, जिनमें क्लब के सदस्यगण हर वक्त मरीज की देखभाल करने के लिए तत्पर थे। कार्यक्रम के चेयरमैन संजय कुमार सिन्हा ने धन्यवाद दिया। लाभार्थियों ने उन्हें कृत्रिम अंग के माध्यम से जीवन में सामान्य गतिशीलता का उपहार प्रदान करने के लिए आयोजकों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच संचालन दिनेश भदानी और धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक पैट्रिक ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव कुमार, मनोज कुमार, डॉ सुशील पोद्दार, भोला केसरी, राजेंद्र प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, राजेश केसरी, त्रिभुवन कुमार, ओमप्रकाश पप्पू, जेपी जायसवाल, सचिन कुमार, एमई हक, प्रमोद कुमार, रामकुमार, राजेश कुमार, कविता अरोड़ा, रुचिता नवाडिया , नूपुर भदानी, संजय कुमार बबलू आदि सक्रिय रहे।

व्यापार मंडल ने मच्छरहट्टा मंडी में विवाद निपटारा समिति का किया गठन

पटना सिटी, प्रत :किरण संवाददाता

मंडियों में आए दिन दुकानदारों में वित्तीय लेन-देन तथा मार्केट के मालिकों के द्वारा किराया, बिजली आदि को लेकर दुकानदारों के साथ विवाद होते रहता है। नौबत थाना और न्यायालय तक पहुंच जाती है। इससे सदैव दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी रहती है। अधिक परेशानी व मारपीट की घटना भी हो जाती है। पटना सिटी व्यापार मंडल ने ऐसे विवादों के निबटारे के लिए विवाद निपटारा समिति नाम से एक उप समिति का गठन किया है। इसमें विवादों से संबंधित दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी सद्भाव तथा हस्तक्षेप कर मामला सुलझाया जाता है। इसी प्रकार की एक घटना फुटपाथी दुकानदार प्रेम कुमार गुप्ता ने प्लास्टिक झोला के थोक विक्रेता योगेंद्र प्रसाद के खिलाफ वित्तीय लेन-देन में हेराफेरी की शिकायत व्यापार मंडल से की। व्यापार मंडल ने बैठक में दोनों पक्षों को आमंत्रित कर सार्थक पहल किया, जिससे छोटे दुकानदार ने राहत की सांस ली। उप समिति में अध्यक्ष प्रदीप सिंह यादव, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार, महासचिव अवधेश कुमार सिन्हा, शारदानंद प्रसाद एवं कन्हाई पटेल शामिल हैं।

सात तक परीक्षा परिणाम जारी हो, वर्ना 9 से परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में तालाबंदी

बिहार पारा मेडिकल के सत्र 21-23 के द्वितीय वर्ष की परीक्षा जल्द हो

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पारा मेडिकल/पारा डेंटल परीक्षा समिति के परीक्षा नियंत्रक डॉ वीरेश्वर प्रसाद ने सत्र 2021-23 के द्वितीय वर्ष के परीक्षा की संभावित तिथि जारी की थी। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक जारी की गई थी। वहीं परीक्षा की संभावित तिथि 25 नवंबर, 24 था। लेकिन तिथि बीतने के बाद भी अबतक परीक्षा की तिथि जारी नहीं की गई है। इस कारण से छात्र परेशान हैं। बिहार पारा मेडिकल का सत्र काफी देरी से चल रहा है। हजारों छात्र परीक्षा नहीं होने से परेशान हैं, तो वहीं हजारों छात्र परीक्षा परिणाम नहीं आने के कारण परेशान हैं। छात्रों को 2025 में आने वाली नियुक्तियों में शामिल न होने का भी डर सता रहा है। पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने जल्द परीक्षा परिणाम जारी करने सहित लंबित परीक्षा को लेकर सत्र नियमित करने को पारा मेडिकल/पारा डेंटल परीक्षा समिति, पटना के परीक्षा नियंत्रक को पत्र लिखकर चार महीने पहले ली गयी परीक्षा का परिणाम जल्द जारी करने का अनुरोध किया है। परीक्षा नियंत्रक को लिखे गए पत्र में पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने कहा कि राज्य में पारा मेडिकल का सत्र देरी से चल रहा है। छात्रों को आवासीय सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं, जिस कारण से उन्हें आर्थिक रूप से भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने घोषणा किए है कि स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार पदों पर नियमित नियुक्ति की जानी है। ऐसे में सत्र 20-22, 2021-23 एवं 22-24 के अंतिम वर्ष के छात्रों को आने वाली नियुक्ति छूट जाने का डर सता रहा है।

बिहार के लगभग 35 सरकारी पारा मेडिकल कॉलेज सहित 73 निजी पारा मेडिकल कॉलेज के लगभग 50 हजार से अधिक छात्र सत्र 2021-23 में पढ़ाई कर रहे हैं, जो द्वितीय वर्ष की परीक्षा होने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं लगभग 50 हजार छात्र परीक्षा होने का इंतजार कर रहे है। परीक्षा नियंत्रक सत्र नियमित करने के लिए जल्द परीक्षा का आयोजन करें, जिससे राज्य के पारा मेडिकल छात्रों का भविष्य बेहतर हो सके। यदि सात दिसंबर तक परीक्षा परिणाम जारी नहीं होता है, तो नौ दिसम्बर से एनएमसी स्थित स्वास्थ्य विभाग के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में अनिश्चितकालीन तालाबंदी शुरू की जाएगी। इसकी जिम्मेदारी परीक्षा नियंत्रक और सरकार की होगी।

कुशवाहा पंचित बैठका देवी स्थान बड़ी नगला में शौचालय का उद्घाटन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नगर निगम के वार्ड नंबर 70 अंतर्गत कुशवाहा पंचित बैठका देवी स्थान बड़ी नगला के पांच सीट के शौचालय का उद्घाटन किया गया। स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सह वार्ड पार्षद विनोद कुमार के द्वारा पार्षद मद योजना के अंतर्गत इसका उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में सुभाष मेहता, भरत मेहता, सुजीत मेहता, प्रमोद चौधरी, विक्की मेहता, संतोष मेहता, दशरथ मेहता, रामजी मेहता, कैलाश मेहता, जितेंद्र कुमार, सुनील कुमार, संतोष पांडेय, पवन कुमार ज्ञानी आदि शामिल हुए। पार्षद विनोद कुमार ने कहा कि क्षेत्र में विकास के लिए शौचालय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शौचालय का निर्माण करवाया गया है। जनता से अपील करता हूं कि इसे साफ सुथरा एवं मेंटेनेंस का ध्यान रखें, ताकि शौचालय साफ-सुथरा बना रहे। फिलहाल में लगातार इस वार्ड के चतुर्थी के विकास के लिए प्रयासरत है जो आप सबों के समक्ष दिख भी रहा है।

राजेन्द्र प्रसाद को सिर्फ जाति में नहीं बांधा जा सकता, वो सबके हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : बिहार विधान परिषद सभागार में भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की जयंती के 2 दिन पूर्व संध्या पर उनकी जीवनी पर बने गीत का लोकार्पण किया गया। गीत को स्वर अंतराष्ट्रीय लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव ने दिया है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री एवं बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल तथा वहां मौजूद गणमान्य अतिथियों ने गीत का लोकार्पण किया। इस अवसर पर डॉ. जायसवाल ने कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सिर्फ जाति में नहीं बांधा जा सकता वो सर्व समाज के हैं। ऐसे महापुरुषों को इस गीत के माध्यम से याद किया गया एक बेहतरीन कार्य है। ऐसे कार्यों की मैं सराहना करता हूँ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार विधान परिषद के उप-मुख्य सचेतक और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संजय मयूख ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया तथा राजेन्द्र बाबू के सादा जीवन उच्य विचारों को लोगों को अपने जीवन मे उतारने के लिए आवाहन किया। वहीं विधान पार्षद वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल शर्मा ने कहा कि राजेन्द्र बाबू के ऊपर बहुत बारीकियों से शोध होना चाहिए। आज यह जयंती के पूर्व संध्या पर जो कार्यक्रम यहां आयोजित हुई है, इसे समाज के अन्य वर्गों के लोगों भी करना चाहिए। इस अवसर पर मगध विश्विद्यालय के कुलपति श्री शशि प्रताप शाही ने कहा कि आज के समय में सबसे बड़ी जरूरत है देश रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के नाम पर एक शोध संस्थान खोलने की।

राष्ट्रवाद की विचारधारा के साथ-साथ क्षेत्रीय संस्कृति से आने वाले पीढ़ी को अवगत कराने का काम है। उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद देना चाहता हूं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जिन्होंने इस देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। इसके उपरांत देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के परपौत्र ए. पी.सिन्हा जी ने कहा कि जिनके बारे में आज यह आयोजन किया गया है वह सादगी के प्रतिमूर्ति थे। उनके गोद में खेलकर बढ़ना और उनके आदर्शों पर चलना ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। मैं लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव और कार्यक्रम संचालक सुमीत श्रीवास्तव का जिन्होंने इस आयोजन को अंजाम दिया। वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक श्री मनीष वर्मा ने कहा की मैं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के श्री चरणों मे श्रद्धा-सुमन निवेदित करता हूँ, तथा उनके विचारों को अपने जीवनशैली में कैसे उतारा जाए इसपर विचार करने के लिए इस सभागार में बैठे प्रबुद्धजनों से आग्रह करता हूँ। कार्यक्रम का संचालन शिवाक्ष यूथ क्लब के अध्यक्ष सुमीत श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन सुमीत श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्लब के सचिव अमन अमित, संयुक्त सचिव प्रसून गौरव, उपाध्यक्ष बिरजू झा, तनुज वर्मा, समाजसेवी मनोज सण्डवार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बिहार राज्य बाल अधिकार संरकधन आयोग के सदस्य राकेश सिंह, भाजपा नेता बिनोद शर्मा, जनार्दन जोगी, शिवशंकर सिंह चौहान, जद(यू) प्रवक्ता मनोज लाल दास मनु, समाजसेवी पवन राठौर, श्री चित्रगुप्त पूजा समिति के अध्यक्ष राजीव मोहन, भोला जी, प्रदीप सिन्हा, डॉ. शंकरनाथ, योगेंद्र शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलभूषण, प्रदेश मंत्री विशाल सिंह, पूर्व पटना नगर निगम महापौर प्रत्याशी कुसुमलता वर्मा, समाजसेवी सुजीत वर्मा, अरविंद सिन्हा आदि लोग मौजूद रहे।

दो चार पहिया वाहन से डेढ़ लाख की विदेशी शराब बरामद

मालसलामी थाना की पुलिस ने ऑटो से महुआ शराब के साथ दो को पकड़ा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने दो चार पहिया वाहन से विदेशी शराब जब्त किया है। वहीं मालसलामी थाना की पुलिस ने पियाजो ऑटो से देसी महुआ शराब जब्त करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि सूचना मिली कि राजीव नगर रोड नंबर 25 में दो चार पहिया वाहन से शराब आने वाला है। सूचना के बाद उत्पाद निरीक्षक अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसमें एएसआई भरत झा, सिंटू कुमारी और स्मृति कुमारी को शामिल किया गया। टीम राजीव नगर रोड नंबर 25 पहुंची, तो वहां दो वाहन खड़ा था। सेंट्रो कार, जिस पर पंजीयन संख्या बीआर 1वी 8424 और बोलेरो बीआर 28ई 1677, लिखा था, की जांच की गई। हालांकि दोनों गाड़ी वहां खड़ी थी। दोनों वाहन की तलाशी लेने के दौरान 152 बोतल यानी कुल 114 लीटर विदेशी शराब को जब्त किया गया।

साथ ही दोनों वाहन को जब्त कर लिया गया। दोनों वाहन का चालक वहां पर मौजूद नहीं था, इसलिए किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। सहायक आयुक्त ने बताया कि गाड़ी का उपयोग दुकान की तरह किया जा रहा था, ताकि किसी को पता नहीं चले कि इस पर माल ढोया जा रहा है। दूसरी ओर मालसलामी थाना की पुलिस ने पियाजो ऑटो, जिस पर पंजीयन संख्या बीआर01पीपी 4504, लिखा था, को रुकवाया। पुलिस का वाहन जांच अभियान चल रहा था। इस दौरान उक्त वाहन पर चालक के साथ एक और व्यक्ति उस ऑटो पर सवार था। उस वाहन से 150 लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए दोनों इसी थाना क्षेत्र के बुंदेल टोली का रहने वाला सुनील कुमार पिता भोला राय और वैशाली जिला के राघोपुर थाना क्षेत्र के सुकुमारपुर और वर्तमान में नुरुद्दीनगंज के रहने वाले शिवनाथ कुमार पिता स्वर्गीय नन्हक राय को गिरफ्तार किया गया है इस संबंध में कांड संख्या 549/24 दर्ज करते हुए गिरफ्तार दोनों को कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया गया है।

ऑटो गैंग का शिकार हुई महिला, जेवर व नगद ले फरार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

ऑटो पर यात्री वेश में सवार बदमाशों ने एक महिला से जेवर एवं 20 हजार नगद लेकर फरार हो गया। इस संबंध में पीड़ित महिला ने चौक थाना मे मामला दर्ज कराया है। बख्तियापुर की रहने वाली महिला उर्मिला देवी ने बताया कि वह पटना साहिब स्टेशन पर ट्रेन से उतर कर हाजीगंज स्थित कैलाश भवन आने के लिए ऑटो का इतंजार कर रही थी। इसी दौरान एक सीएनजी ऑटो चालक आकर बोला कि माता जी कहां जाना है। जाने का स्थान बताने पर ऑटो चालक ने ऑटो पर बैठा लिया। ऑटो के पीछे सीट पर बीच में वह बैठ गई। फिर अगल-बगल दो लड़के भी सवार हो गए। चालक ऑटो लेकर चौकशिकारपुर की जाने लगा। जब उसे टोकने लगी, तो पूरब दरवाजा सब्जी बाजार के पास ऑटो रोक दिया और उसे जबरन ऑटो से उतार दिया। इस दौरान सोने का जिउतिया, कान का टॉप्स एवं नगद लेकर फरार हो गया। चौक थाना की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। विदित हो कि क्षेत्र में ऑटो गिरोह का गैंग सक्रिय है, जो लगातार इस प्रकार की घटना को अंजाम दे रहा है। इससे पहले नालंदा के व्यापारी के साथ इसी प्रकार लूटपाट की घटना बाइपास थाना क्षेत्र में हो चुकी है।

राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर प

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को पानीपत आएंगे ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 227 | पटना, सोमवार, 02 दिसम्बर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 25.0°C

न्यूनतम तापमान 21.0°C

बाजार

सोना 75,920

चांदी 91,900

सेंसेक्स 83,584

निफ्टी 25,698

पटना मैराथन ने रचा इतिहास, नशामुक्त बिहार के लिए दौड़े कदम

मंत्री रत्नेश सदा, साइना नेहवाल ने मैराथन को दिखाई हरी झंडी दिखाई

पटना। बिहार को नशा मुक्त बनाने और नशे के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने के लिए रविवार को यहां पटना मैराथन 2024 में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और बिहार के मद्यनिषेध एवं उत्पाद मंत्री रत्नेश सदा ने राज्य की राजधानी पटना के गांधी मैदान में मैराथन को हरी झंडी दिखाई। पटना मैराथन 2024 का विषय नशा मुक्त बिहार के लिए दौड़ है। राज्य सरकार के मद्यनिषेध एवं आबकारी विभाग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। मैराथन में बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्रों, युवा एथलीटों, अधिकारियों और यहां तक कि वरिष्ठ नागरिकों ने भी भाग लिया। यह मैराथन चार श्रेणी में आयोजित की गई जिसमें फुल मैराथन 42.2 किलोमीटर, हाफ मैराथन 21.1 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर दौड़ शामिल हैं। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, बिहार को नशा मुक्त बनाने, नशे के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने और एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और बच्चे इस आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, अप्रैल 2016 में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शराब की बिक्री, खरीद, सेवन और उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसे लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला। इस अवसर पर साइना नेहवाल ने कहा, इस तरह के आयोजन हमें बीमारियों से दूर रहने और स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। इस तरह के मैराथन नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें बड़ी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं, जो स्वास्थ्य और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और चिंता को दर्शाता है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने कहा, इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी बिहार को नशामुक्त राज्य बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लोग शराबबंदी और नशामुक्ति के समर्थन में आए हैं। इस मैराथन के माध्यम से पूरे देश में एक स्पष्ट संदेश गया है और हमारे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शराबबंदी और नशामुक्ति पर पहल की गई है। पटना मैराथन गांधी मैदान से शुरू होकर शिवपुरी फुट ओवर ब्रिज तक पहुंची।

दौड़ के रूटों में वाहनों के परिचालन पर थी रोक :

वहीं, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को देखते हुए दौड़ के रूटों में वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई थी। कार्यक्रम समाप्ति तक रूटों को डायवर्ट किया गया था। धावकों ने गांधी मैदान के गेट नंबर एक से दौड़ना शुरू किया और गोलघर, गंगा पथ, व अटल पथ होते हुए शिवपुरी फुट ओवर ब्रिज तक गए। फिर वहां से यू टर्न लेते हुए वापस गांधी मैदान पहुंचे।

हेल्थ अच्छा तो सब कुछ अच्छा होगा : सायना

बहुत खुशी हो रही है कि बिहार को नशा मुक्त बनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। युवाओं से अपील है कि फिट रहे, क्योंकि हेल्थ अच्छा रहेगा तो सबकुछ अच्छा होगा। बिहार को इसके लिए धन्यवाद है कि उन्होंने इस मैराथन के लिए मुझे बुलाया।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा के बीच स्थित मुलुगु जिले में हुई एक मुठभेड़ में ग्रेहाउंड फोर्स के जवानों ने सात नक्सलियों को ढेर कर दिया। यह मुठभेड़ रविवार सुबह करीब 5 बजे हुई। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के बाद नक्सलियों के शवों के साथ-साथ कई हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एके-47 राइफल भी शामिल हैं। यह मुठभेड़ तेलंगाना के मुलुगु जिले के जंगलों में हुई, जहां सुरक्षाबलों ने घेराबंदी करके नक्सलियों को निशाना बनाया। यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़ और तेलंगाना पुलिस के संयुक्त प्रयासों के तहत चलाया जा रहा था। जवानों ने मुठभेड़ स्थल से सात नक्सलियों के शवों के साथ-साथ अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए हैं। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के शवों की पहचान कर ली गई है। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के शवों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण हथियार और गोला बारूद भी बरामद किए। इन हथियारों में एके-47 राइफल, जी-3 राइफल, इंसास राइफल जैसे हथियार शामिल हैं। इस सफल ऑपरेशन से सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम किया गया है।

कार और ट्रक की भीषण भिड़ंत से पांच दोस्तो की मौत

सरगुज। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के उदयपुर इलाके के ग्राम गुमगा में स्कोडा कार और ट्रक की भीषण भिड़ंत से पांच दोस्तो की मौत हो गयी कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की हालत बेहद नाजुक थी जिसकी मेडिकल कालेज ले जाते वक्त रास्ते मे मौत हो गयी स्कोडा सवारों की पहचान रायपुर निवासियों के रुप में हुई है। हादसे का शिकार हुए स्कोडा कार सवार युवकों में तीन के नाम दिनेश साहू, संजीव और राहुल बताए गए हैं। जबकि दो अन्य की पहचान नहीं हो पाई है। खबरें हैं कि, स्कोडा सवार रायपुर के चंगोराभाठा के निवासी हैं। हादसा इस कदर भीषण था कि, कार सामने से पूरी तरह तबाह हो गई। कार के अंदर बुरी तरह फँस चुके युवकों को तब ही निकाला जा सका जब कार को कटर से काटा गया। घटना ग्राम गुमगा राष्ट्रीय राजमार्ग -130 पर हुयी है। सुबह 5 बजे अदानी गेस्ट हाउस के पास, उदयपुर के नजदीक रायपुर से अंबिकापुर जा रही तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई, जिससे यह गंभीर दुर्घटना घटी। सभी मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटना स्थल पर उदयपुर पुलिस टीम मौजूद है और जांच की जा रही है।

सीएम नीतीश ने भारतीय महिला हॉकी टीम को किया सम्मानित

आयोजन को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान देनेवाले भी सम्मानित

हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बापू टावर के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में बिहार विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024 की विजेता भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षक, सपोर्ट स्टाफ सहित इस आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देनेवालों को सम्मानित किया। विजेता भारतीय टीम की सभी खिलाड़ियों और मुख्य प्रशिक्षक को 10-10 लाख तथा टीम के सर्पोटिंग स्टाफ को 5 लाख रुपए की सम्मान राशि मुख्यमंत्री ने प्रदान की। साथ ही इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और सहयोगियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। भारतीय टीम द्वारा चैंपियनशिप जीतने पर मुख्यमंत्री ने टीम की खिलाड़ियों सहित पूरी टीम को सम्मान राशि के साथ सम्मानित करने की उसी दिन तत्काल घोषणा की थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के के सदस्यों को 10-10 लाख

हॉकी टीम को सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेन्द्र सिंह, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान नवनीत कौर, खिलाड़ी शर्मिला देवी, बिचू देवी खारिबाम, प्रिया सिरोही, सविता, संगीता कुमारी, मुमताज खान, उदिता, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, लालरेम्सियामी, बलजीत कौर, ज्योति, सुशीला चानू पुखरामबम, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, प्रीति दुबे, मनीषा चौहान, इशिका चौधरी, ब्यूटी डुंगडुंग तथा दीपिका को 10-10 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। साथ ही सर्पोटिंग स्टाफ में बिलावा सुरेश अंकिता, एड्रियन डिसूजा, आर्थर लुकास, डेव स्मोलेनार्स, राखी विनय दरने, प्रिया सिरोही, एडिसन एलियास, फ्रांसिस पुष्पावती तथा अमुथा प्रकाश पेरुमल को भी 5 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। कार्यक्रम में नालंदा विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर अभय कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, बिहार पुलिस अकादमी, नालंदा जिला प्रशासन, गया जिला प्रशासन की टीम को भी इस आयोजन में उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग करने हेतु मुख्यमंत्री ने प्रशास्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

चीन को हराकर भारत की महिला टीम बनी चैंपियन

ज्ञातव्य है कि राजगीर में 11 से 20 नवंबर तक बिहार में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता बिहार विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का सफल आयोजन हुआ था। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया तथा भारत सहित छह देशों की टीमें शामिल हुईं थीं। फाइनल में चीन को हराकर भारत की महिला टीम चैंपियन बनी है। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव डॉ बी राजेन्दर ने शॉल भेंटकर स्वागत किया, जबकि हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा निर्मित, बिहार विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के सफल आयोजन से संबंधित वृत्तचित्र दिखाई गई।

ये रहें मौजूद :

कार्यक्रम में खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचि सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, सामान्य प्रशासन तथ खेल विभाग के प्रधान सचिव डॉ बी राजेंदर, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, पटना प्रमण्डल के आयुक्त मयंक बरबड़े, पटना के जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, खेल विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच हरेन्द्र सिंह, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलिमा टेटे, उप कप्तान नवनीत कौर सहित भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी खिलाड़ी, सर्पोटिंग स्टाफ एवं सम्मानित होने वाले अधिकारीगण तथा उनकी टीम के सदस्यगण उपस्थित थे।

मिट्टी के ढेर में दबकर चार बच्चियों की मौत

बक्सर के राजपुर में मिट्टी खोदने वक्त हुआ हादसा

प्रात : किरण

बक्सर/एजेंसी। बक्सर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार को राजपुर थाना क्षेत्र स्थित सरेंजा राजकीय बुनियादी विद्यालय के पास मिट्टी के टीले में पांच बच्चियां मिट्टी खोद रही थीं। इसी दौरान टीला भरभरा कर गिर पड़ा और बच्चियां दब गईं। इस हादसे में चार बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्ची का फिलहाल इलाज जारी है। सरेंजा बुनियादी विद्यालय के पास पुराने मिट्टी के टीले में मिट्टी खोदने के लिए पांच बच्चियां गई थीं। ये बच्चियां पीढ़ी पर्व की तैयारी के लिए घर में सफाई और लिपाई-पुताई के लिए मिट्टी लेने गई थीं। जब वे टीले के पास मिट्टी खोद रही थीं, तभी अचानक टीला भरभरा कर गिर पड़ा और सभी बच्चियां इसके नीचे दब गईं। मिट्टी के ढेर में दबने के बाद आसपास खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया, इसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने की कोशिश की। ग्रामीणों की मदद से सभी बच्चियों को मलबे से निकाला गया और तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने चार बच्चियों की मौत की पुष्टि कर दी, जबकि एक बच्ची को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है। मृतक बच्चियों में नयनतारा कुमारी 11 वर्ष, शालिनी कुमारी 8 वर्ष, शिवानी कुमारी 6 वर्ष, और संजू कुमारी 11 वर्ष शामिल हैं। जबकि घायल बच्ची की पहचान करिश्मा कुमारी 10 वर्ष के रूप में हुई है। इस घटना के बाद मृतक बच्चियों के परिवारों में मातम का माहौल है, उनका रो-रो कर बुरा हाल है। घटना से आसपास के पूरे इलाके में गम का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मिट्टी का टीला बहुत पुराना था और उसमें गहरी खुदाई से वह खतरनाक हो गया था। पुलिस मामले की जांच

मप्र : खंभे से टकराई एम्बुलेंस, बिहार के चार लोगों की मौत

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में धूमा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार एंबुलेंस राहगीर को टक्कर मारने के बाद एक खंभे से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि खंभे से टकराने के बाद एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में बिहार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। मृतकों में एक तीन साल का बच्चा भी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस के अनुसार, हादसा रविवार सुबह करीब 9 बजे जबलपुर रोड पर धारपाठा गांव के पास हुआ। लखनादौन थाना प्रभारी केपी धुर्वे ने बताया कि एम्बुलेंस आंध्र प्रदेश के कुरनूल से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जा रही थी। इसी दौरान धूमा के धारपाठा गांव के पास तेज रफ्तार होने के कारण एम्बुलेंस अनियंत्रित हो गई और पैदल जा रहे एक राहगीर को टक्कर मारने के बाद खंभे से टकरा गई। इसके बाद सड़क से उतरकर एक खेत में जा घुसी। थाना प्रभारी धुर्वे ने बताया कि एम्बुलेंस में आठ लोग सवार थे। इनमें चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रतिमा देवी 35 पत्नी लाल शाह निवासी बेतिया, बिहार, प्रिंस कुमार चार वर्ष पुत्र लाल शाह निवासी-बेतिया, बिहार, मुकेश शाह 36 पुत्र दीपलाल शाह निवासी- रक्सौल, बिहार और सुनील 40 पुत्र मदन शाह निवासी- गोकुल, बिहार के रूप में हुई है। इनमें से प्रतिमा देवी, मुकेश और प्रिंस (तीन वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ये सभी एक ही परिवार के बताए गए हैं। हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सिविल अस्पताल लखनादौन पहुंचाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायलों को जबलपुर रेफर किया गया है।

जबरन किसी का धर्मांतरण न हो, ऐसा होना ही चाहिए कानून : शेखावत

जोधपुर/एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार के लाए जा रहे धर्मांतरण कानून का स्वागत करते हुए ने कहा है कि जबरन किसी का भी धर्मांतरण न हो, निश्चित रूप से ऐसा कानून होना ही चाहिए। हम सब लोग राजस्थान सरकार के इस निर्णय के साथ हैं। अपने गृह जो जोधपुर पहुंचे श्री शेखावत ने रविवार को मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण न हो, राजस्थान में इस तरह का कानून राज्य सरकार लेकर आ रही है, वह इसका स्वागत करता हैं। कांग्रेस के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उंगली उठाने के सवालों पर श्री शेखावत ने कहा कि झारखंड और जिन सीटों पर वो जीते हैं, पहले उसका स्पष्टीकरण दे दें। यह सब खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी स्थिति है।

महाराष्ट्र में सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच को

नई दिल्ली/एजेंसी। महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री को लेकर जारी सस्पेंस के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने ऐलान किया है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को होगा। चंद्रशेखर बावनकुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया, ह्लमहाराष्ट्र में महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार, 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महायुति के सहयोगियों के साथ बैठक रद्द करके के बाद अपने गांव में मौजूद हैं। राज्य के अगले सीएम के चयन को लेकर एकनाथ शिंदे, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी नेता अजित पवार ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की थी लेकिन तस्वीर अभी तक साफ नहीं हो पाई है। इस शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेता और भाजपा शासित राज्यों के तमाम मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

संविधान बचा तो हम सब लोग बचेंगे: खड़गे

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में संविधान की रक्षा के लिए आयोजित महारैली को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर संविधान को बचाने की बात कही है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन में कहा कि आज ऐतिहासिक समय है। जब हम लोगों को किसी चीज को हासिल करना है तो एकता होनी बहुत जरूरी है। जब तक एकता नहीं आएगी, तब तक आप लोग कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसलिए कह रहा हूं कि अगर हम टुकड़े टुकड़ों में बाटेंगे और कन्याकुमारी से कश्मीर तक एक नहीं होंगे, तब तक हम कोई चीज हासिल नहीं कर सकते। आपका एक संगठन नहीं, देश के सभी संगठन चाहते हैं कि इस देश में संविधान को बचाना चाहिए। संविधान बचा तो हम सब लोग बचेंगे। इसलिए हमको एक रहकर इस संविधान को बचाना होगा और हर पार्टी के लोग अपने-अपने हिसाब से काम कर रहे हैं। उसके साथ ही हमको लोकतंत्र को भी बचाना है। लोकतंत्र नहीं बचेगा तो आपकी हिस्सेदारी नहीं बढ़ेगी। संविधान बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1922 में एक कांग्रेस के अधिवेशन में रेज्युलेशन पास किया था।

चिंता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक ने घटती जनसंख्या दर पर जताई चिंता

जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे गई तो समाज नष्ट हो जाएगा : भागवत

प्रात : किरण

नागपुर/एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या दर पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट समाज के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज धरती से लुप्त हो जाता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए। जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। देश की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 होनी चाहिए। यह संख्या समाज को जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण है। मोहन भागवत ने जनसंख्या वृद्धि के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मनुष्य के जन्म दर को 1 नहीं रखा जा सकता और इसलिए कम से कम 2 या 3 बच्चों का जन्म होना चाहिए। जनसंख्या वृद्धि दर को सही बनाए रखना देश के भविष्य के लिए जरूरी है। मोहन भागवत का यह बयान इस बात पर प्रकाश डालता है कि अगर जनसंख्या वृद्धि की दर बहुत कम हो जाती है तो यह देश के विकास, श्रमबल और सामाजिक ढांचे पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। नागपुर में कथाले कुल सम्मेलन में बोलते हुए भागवत ने सामाजिक संरचना की आधारशिला के रूप में जनसंख्या के महत्व को रेखांकित करते हुए यह बात कही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुटुम्ब समाज का हिस्सा है और प्रत्येक परिवार एक इकाई है। परिवार समाज की बुनियाद के रूप में कार्य करता है और हर परिवार अपनी-अपनी विशेषताओं और भूमिका के साथ समाज में योगदान करता है।

चक्रवात फेंजल : सेना ने पुडुचेरी में 100 नागरिकों को बचाया

प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत प्रयास जारी

प्रात : किरण

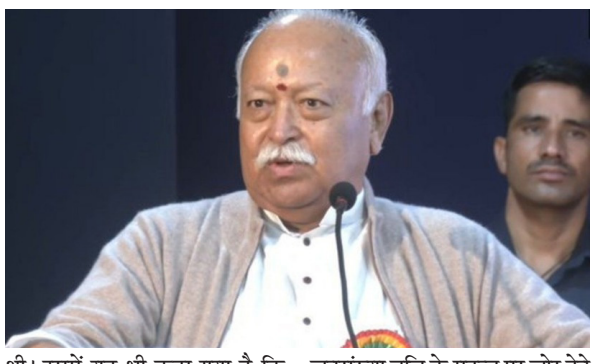

नई दिल्ली/एजेंसी। चक्रवात फेंजल आने के बाद लगातार बारिश से पुडुचेरी के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति के कारण भारतीय सेना बचाव और राहत अभियान चला रही है। सेना के जवानों ने बचाव अभियान के दौरान बाढ़ में फंसे हुए 100 नागरिकों को बचाया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेना नागरिक प्रशासन को हर तरह की सुविधाएं मुहैया करवा रही है। बचाए गए सभी व्यक्तियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता, भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। सेना ने एक बयान में बताया कि चक्रवात फेंजल के बाद पुडुचेरी के जिला कलेक्टर के बुलावे पर चेन्नई से भारतीय सेना के जवानों को भेजा गया। मेजर अजय सांगवान के नेतृत्व में 70 सदस्यीय राहत एवं बचाव टीम रविवार को सुबह 05:30 बजे पुडुचेरी पहुंची। गंभीर रूप से बाढ़ग्रस्त कृष्णा नगर क्षेत्र में सुबह 06:15 बजे बचाव अभियान शुरू हुआ, जहां पानी का स्तर 5 फीट तक बढ़ गया था। इस टीम ने अटूट समर्पण का परिचय देते हुए 100 फंसे हुए नागरिकों को बचाया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत प्रयास जारी हैं। भारतीय सेना की दक्षिणी कमान ने बताया कि पुडुचेरी में चक्रवात फेंजल के कारण आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी राहत और बचाव अभियान चला रही है। भारतीय सेना इस आपदा के दौरान फंसे हुए लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुडुचेरी में भारतीय सेना का बचाव अभियान जोरों पर है, जिसमें एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राज्य बचाव दल के समन्वित प्रयास शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित कृष्णानगर और कुबेर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्येक स्थान से 100 से अधिक व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बचाया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में प्रयास जारी हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की धूम

प्रातःकालीन प्रभात फेरी एवं महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

समस्तीपुर, प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी 52वा जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की धूम रही। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में वॉटसन स्कूल मैदान से प्रभातफेरी निकाली गई जो थाना चौक स्टेशन होते हुए वापस नगर भवन में समाप्त हुई। ढोल नगाड़ो की थाप पर जल ही जीवन है जल है तो कल है जल जीवन-हरियाली तभी होगी जीवन मे खुशहाली आदि जल संरक्षण के नारो से सुबह-सुबह पूरा मधुबनी शहर गुंज उठा। बच्चो में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा था। लोग सुबह-सुबह अपने घरों की छतो से प्रतिभागियो का हौसला आफजाई करते दिखे। प्रभातफेरी कार्यक्रम के उपरांत महापुरुषो की मूर्तियो पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुई। रेलवे स्टेशन स्थित बापू की प्रतिमा थाना चौक स्थित महान कवि कोकिल विधापति जी की प्रतिमा एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सहित तमाम वरीय अधिकारियो समाजसेवियो आदि ने माल्यार्पण किया जिलधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं वरीय अधिकारियो ने मुख्य समारोह स्थल पर केक काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर समारोह के कार्यक्रम का शानदार आगाज किया। वॉटसन स्कूल के प्रांगण में आयोजित जिला स्थापना दिवस के मुख्य समारोह के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया गया और विभिन्न विभागो के कुल 32 स्टॉल लगाए गए।विकास मेला में विभिन्न विभागो द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओ सहित विकास कार्यो को प्रदर्शित किया गया।आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रील द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई वही काफी संख्या में आपदा से बचाव से संबधित पुस्तके फोल्डर पम्पलेट आदि का वितरण किया गया।परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लोगो से शपथ पत्र भरवाया गया। कुश्ती बैडमिंटन,वॉलीबॉल, कबड्डी आदि खेल प्रतियोगिता के का भी अयोजन किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चो ने अपनी कला से सभी को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला आपूर्ति कार्यालय, आईसीडीएस, जिला कल्याण कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, जिला आपदा प्रबंधन कोषांग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, विद्युत विभाग, गव्य विकास, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, साक्षरता अभियान, जिला पंचायत शाखा, जिला योजना शाखा, सहकारिता, उद्यान एवं कृषि विभाग के स्टाल शामिल हैं। इतना ही नहीं मशरूम के क्षेत्र में नवाचार आधारित फूड स्टॉल भी लगाए गए थे। इन सभी स्टॉल का जिलाधिकारी द्वारा बारी बारी निरीक्षण किया गया और उपलब्धियों की जानकारी ली गई।दिन के कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों से आए हुए बच्चों ने भी अपनी कला का परिचय देते हुए दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला उद्यान विभाग की ओर से लगाए गए स्टाल पर जिला पदाधिकारी मधुबनी के द्वारा उद्यान निदेशालय के द्वारा क्रियान्वित योजना अंतर्गत दो किसानो को क्रमशः चेक और चाभी दिया गया।प्रमिला देवी पति जीवछ महतो ग्राम -पटवारा,पंचायत-पटवारा द. प्रखण्ड- राजनगर को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत मशरूम हट निर्माण किए जाने के पश्चात मो.72,850 रुपये का भुगतान प्रतीक चेक के माध्यम से किया गया है। बागवानी यंत्र योजना के तहत लाभुक किसान श्री जयदीप कुमार , ग्राम-शिवीपट्टी प्रखण्ड-राजनगर को छोटा ट्रैक्टर की चाभी दे कर लाभान्वित किया गया। उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार डीडीसी दिपेश कुमार एडीएम शैलेश कुमार नगर आयुक्त अनिल चौधरी,एडीएम आपदा संतोष कुमार एसडीओ अश्वनी कुमारडीपीआरओ परिमल कुमार सहित सभी अधिकारी एवम काफी संख्या में बच्चे,महिलाएं एवं आमजन उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर सदर अस्पताल से निकाली गई जागरूकता रैली

जिले में एचआईवी के 3914 एक्टिव मरीज, इसमें 289 छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक दिसंबर को सदर अस्पताल में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक रैली निकाली गई। इस रैली को जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ विशाल कुमार व सदर अस्पताल के डीएस डॉ गिरीश कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। वहीं इस रैली में अस्पताल के डॉक्टर, नर्स व स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। इस संबंध में डॉ विशाल कुमार ने बताया कि रैली का उद्देश्य एचआईवी/एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई है। रैली में शामिल लोगों ने तख्तियों और बैनरों के माध्यम से एचआईवी के प्रति भेदभाव बंद करें और समय पर जांच और इलाज जरूरी जैसे संदेश लिखे हुए थे। जागरूकता रैली में स्वास्थ्य कर्मी एचआईवी एड्स से बचाव से संबंधित तख्तियां लेकर शहर के पटेल गोलंबर से ओवर ब्रिज चौराहा होते हुए वापस सदर अस्पताल पहुंचे। रैली के बाद जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने एचआईवी के लक्षण, रोकथाम और इलाज के तरीकों पर चर्चा की। जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ विशाल कुमार ने बताया कि जिले में अभी इसके 3914 सक्रिय मरीज हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। इसमें 1939 पुरुष, 1684 महिलाएं, 191 बालक, 98 बालिकाएं और दो ट्रांसजेंडर मरीज शामिल हैं। वहीं इसके अलावा अन्य जिलों से आने वाले 365 मरीजों का भी एआरटी सेंटर से इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 गर्भवती महिलाएं भी यहां से स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर रही हैं। बिहार सरकार की शताब्दी एड्स पीड़ित कल्याण योजना के तहत 3194 मरीजों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। साथ ही परवरिश योजना के तहत समस्तीपुर केंद्र ने 699 बच्चों को भी लाभ पहुंचाया गया है। बता दें कि सदर अस्पताल स्थित एआरटी सेंटर में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सेवाओं और उच्चस्तरीय प्रबंधन के माध्यम से एचआईवी मरीजों के जीवन में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके सदर अस्पताल के मैनेजर डॉ विश्वजीत रामानंद व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे। जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ विशाल कुमार ने बताया कि एचआईवी मरीज जो 18 साल से उपर के हैं, उन्हें बिहार शताब्दी एड्स पीड़ित कल्याण योजना के तहत 1500 रुपए प्रति महीने की आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। वहीं उनके बच्चों को जो एचआईवी से ग्रसित है या ग्रसित नहीं हैं, उन्हें परवरिश योजना के तहत एक हजार रुपए प्रति महीना दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एआरटी सेंटर में पिछले वर्ष सिविल सर्जन के सहयोग द्वारा एक एचआईवी मरीज की शादी कराई गई थी। जिनका दांपत्य जीवन खुशहाल है। जो एक बहुत बड़ी उपलब्धी है।

सदर अस्पताल और पिरामल स्वास्थ्य के सामूहिक सहयोग से जागरूकता रैली का आयोजन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक दिसंबर को सदर अस्पताल में अस्पताल प्रबंधन और पिरामल स्वास्थ्य के संयुक्त प्रयास से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम लेट्स फाइट एड्सः इक्वलिटी फॉर ऑल (समानता के लिए संघर्ष) रखा गया है, जिसका उद्देश्य समाज में एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और भेदभाव को समाप्त करना है। इस अवसर पर एएनएम स्कूल के छात्रों ने सदर अस्पताल से एक भव्य रैली निकाली, जो कलेक्ट्रेट ऑफिस से होते हुए बस स्टैंड तक पहुंची। रैली के दौरान छात्रों ने एड्स से बचाव और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले नारे लगाए गए। इसमें एड्स को हराना है, जागरूकता फैलाना है। सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें। का संदेश दिया गया। रैली को सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ गिरीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, एड्स से बचाव के लिए शिक्षा और जागरूकता ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में इस बीमारी का शिकार न हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ विशाल कुमार, डॉ संतोष झा, पिरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि श्रीयश गुप्ता और आकाश उपस्थित थे। रैली के माध्यम से उन्होंने जनसाधारण को एड्स के कारणों, बचाव के तरीकों और निशुल्क परामर्श सेवाओं के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना और यह संदेश देना था कि प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से स्वास्थ्य सेवाओं और जानकारी का अधिकार है।

कला कुंभ विद्यार्थियों में संगीत, साहित्य व कला को निखारने का बड़ा मंच : कुलपति

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।मनुष्य अपने कार्यों से पहचाना जाता है।अपने कार्य के प्रति समर्पण और निष्ठा विद्यार्थी के जीवन और समरूपतः विश्वविद्यालय को अग्रसर होने में सहायक होते हैं। साहित्य, संगीत और कला मानवीय संवेदनाओं की प्रतिध्वनि मात्र नहीं हैं, इनमें मानवीय चेतना और गुणों के उत्थान और विकास के असीम स्रोत छिपे हैं। नेगेटिव एप्रोच जीवन को छोटा बनाता है, इसीलिए अपने भीतर कला की जीवंतता को जगाना अनिवार्य है, जिससे की सकारात्मकता का उत्सर्जन सदैव जीवन में होता रहे। कला कुंभ का आयोजन छात्र- छात्राओं के लिए बड़ा मंच है, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध और अंगीभूत महाविद्यालयों के प्रतिभागियों को अपनी कला को निखारने का अवसर मिलेगा। उक्त बातें लनामिवि के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने कहीं।प्रो चौधरी एमएलएसएम कॉलेज , दरभंगा और स्नातकोत्तर क्रीड़ा परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ह्यकला कुंभह्न के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि अपना संबोधन दे रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित जुबली हॉल में एमएलएसएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य डॉ शंभु कुमार यादव की अध्यक्षता में उद्घाटन सत्र का आयोजन हुआ। इस महोत्सव के विशिष्ट अतिथि रहे विश्वविद्यालय कुलानुशासक सह- खेल पदाधिकारी प्रो अजय नाथ झा, जिन्हें ह्यसंस्कृति गौरव सम्मानह्न से सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए प्रो झा ने स्नेहिल भाव से कुलपति के साथ-साथ राष्ट्रीय संगीतज्ञ परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्रियेटिव आर्ट और स्पोर्ट्स से जुड़े सभी मेधावी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में जोड़ने की बात रखी।विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ विजय कुमार यादव ने युवा- प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम के आयोजकों का आभार व्यक्त किया। स्वागत संबोधन देते हुए एमएलएसएम महाविद्यालय के प्रधानाचार्य सह सत्र अध्यक्ष डॉ शंभु कुमार यादव ने कुलपति व मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए ह्यकला कुंभह्न को एकता और अखंडता का पर्याय माना। मौके पर डॉ देवेंद्र वर्मा,अध्यक्षा सह -कार्यक्रम संयुक्त सचिव डॉ प्रियंका राय, आयोजन सचिव डॉ अनिल कुमार चौधरी ने सम्बोधित किया' एमएलएसएम महाविद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षक डॉ सतीश कुमार सिंह के व्यवस्थित मंच संचालन किया।

जयनगर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पैक्स चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न 61.76 प्रतिशत हुआ मतदान

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर प्रखंड क्षेत्र में रविवार को आसन्न प्राथमिक कृषि शाख सहयोग समिति (पैक्स) चुनाव का मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। प्रखण्ड क्षेत्र में कुल 61.76 प्रतिशत मतदान हुआ सुबह से ही मतदान केंद्रो पर महिला पुरुष मतदाता पहुंच कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।मतदान केंद्रो मे चल रहे मतदान और विधि व्यवस्था को लेकर एसडीएम वीरेंद्र कुमार, डीएसपी विप्लव कुमार ,अधिकारी समेत पुलिस प्रशासन निरीक्षण कर जायजा लेते रहे। एसडीएम वीरेंद्र कुमार , डीएसपी विप्लव कुमार , निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ राजीव रंजन कुमार चुनाव विधि व्यवस्था को लेकर पल पल की जानकारी लेते रहे और कर्मियो को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। पैक्स चुनाव को लेकर मतदाताओ में काफी उत्साह देखा गया। दी गई जानकारी के मुताबिके क्षेत्र में मतदान खत्म होने तक जयनगर मे 61.76 प्रतिशत मतदान हुआ। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस भी सक्रिय रही इस संबंध में बीडीओ राजीव रंजन ने बताया की जयनगर प्रखण्ड मे 61.76% मतदान हुआ है। मतदान के बाद कर्मी मतपेटिका को लेकर जयनगर के प्लस टू हाइ स्कूल मे पहुंच रहे है। मतगणना 2 दिसंबर सोमवार को प्लस टू उच्च विद्यालय जयनगर मे सुनिश्चित है जयनगर प्रखंड के 13 पंचायतो में दो पंचायतो में अध्यक्ष पद पर उम्मीदवार निर्विरोध निवार्ची एवं 11 पंचायतो मे 29 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है बेलही दक्षिणी पंचायत में पैक्स अध्यक्ष पद के लिए उपेन्द्र यादव एवं बेलही पूर्वी पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए विमला देवी निर्विरोध निर्वाचित हुए।ग्यारह पंचायतों में 29 उम्मीदवार अध्यक्ष पद के लिए मैदान में है। देवधा दक्षिणी से दो, बैरा से दो, कोरहिया से पांच, पड़वा बेलही से तीन, रजौली से दो, देवधा उत्तरी से तीन डोड़वार से दो, बेलही पश्चिमी से दो, जयनगर बस्ती से दो, दुल्लीपट्टी से दो एवं बरही पंचायत से चार उम्मीदवार पैक्स अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में है। मतगणना 2 दिसंबर को प्लस टू उच्च विद्यालय जयनगर मे होगा। प्रशासन के द्वारा मतदान सम्पन्न होने और मतगणना को लेकर विधि व्यवस्था बनाये रखने में सभी से सहयोग की अपील की गई है। किसी भी प्रकार के विधि व्यवस्था भंग करने और अफवाह फैलाने वालो पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। मतगणना सीसीटीवी निगरानी में होगा। असमाजिक तत्वो पर पैनी नजर रहेगी।

निःशुल्क विधिक सेवा शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार विनोद कुमार तिवारी के निर्देश पर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रंजन देव के मार्गदर्शन में नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 2 में संविधान सप्ताह के तहत निःशुल्क विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बोनो अधिवक्ता मो. हैदर अली ने लोगों को संविधान के प्रति जागरूक करते हुए नालसा द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर जरुरतमंदों को उपलब्ध कराता है। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगों आदि से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। इसके अलावा 14 दिसंबर को न्यायालय परिसर में आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के विषय में विस्तार से बताया। पीएलवी टूनटुन दास ने वृद्धापेंशन, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि को बनवाने के प्रक्रिया के बारे में बताया। मौके पर पीएलवी नितीश कुमार राम, बेचन दास पान, चुनचुन दास पान, लालदास पान, प्रमोद राउत, जगदीश पासवान, सलिता देवी, निलम देवी, लालदाय देवी, सेवक दास पान आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

2 दिसंबर को होगा पैक्स चुनाव का मतगणना

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के ध्रुवगामा कॉलेज परिसर में पैक्स चुनाव का मतगणना सोमवार को होगा। वहीं प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि दो हॉल में मतगणना होगी। जिसको लेकर 20 टेबल बनाया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि मतगणना परिसर में अध्यक्ष या उसके इलेक्शन एजेंट एक ही आदमी प्रवेश करेंगे। मतगणना हॉल में मोबाइल पूर्ण रूपेण वर्जित रहेगा। प्रखंड द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ही मतगणना हॉल में लेकर जाना अनिवार्य है। 24 पंचायत में कुल 64 अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हैं। वहीं सदस्य पद के 61 उम्मीदवार हैं। पैक्स चुनाव में कुल मतदाता 38191 मतदान करेंगे।

एसडीओ ने प्रशिक्षण भवन का किया निरीक्षण

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड मुख्यालय में बन रहे ग्रामीण रोजगार महिला प्रशिक्षण भवन का रविवार को सदर एसडीओ दिलीप कुमार ने निरीक्षण। मौके पर बीडीओ देवेंद्र कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

ट्रक और कार के टक्कर में कार चालक हुआ जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के बासुदेवपुर के समीप रविवार की रात ट्रक और कार टक्कर में कार चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं जख्मी चालक की पहचान वैशाली जिला के महुआ थाना क्षेत्र के महुआ गांव निवासी पंकज कुमार के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाना ले आई। जख्मी चालक की ईलाज पुलिस के द्वारा सरदार अस्पताल समस्तीपुर में कराया गया। जहां ईलाज जारी है। वहीं ट्रक के चालक भागने में सफल रहा। वहीं थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि जख्मी कार चालक के द्वारा आवेदन मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात पिकअप की ठोकर से बाइक सवार महिला जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के प्रखंड कार्यालय के समीप रविवार को एक अज्ञात मालवाहक पिकअप की ठोकर लगने से बाईक पर बैठा एक महिला जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से ईलाज के लिए सीएचसी में लाया गया। वहीं जख्मी महिला की पहचान तीरा पंचायत के जटमलपुर गांव के राहुल कुमार यादव की पत्नी 20 वर्षीय नेहा कुमारी के रूप में हुई है। इस संबंध में डुयुटी पर तैनात डॉक्टर कुमुद रंजन ने बताया कि जख्मी महिला का ईलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

64 मतदान केंद्रों पर कड़ी पुलिसिया व्यवस्था में 24 पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण हुआ सम्पन्न

कल्याणपुर, प्रखंड क्षेत्र के 64 मतदान केंद्रों पर रविवार को कड़ी पुलिसिया व्यवस्था में शांतिपूर्ण 24 पैक्स चुनाव संपन्न हुई। वहीं प्रखंड निर्वाचित पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि कुल 63.46 प्रतिशत मतदान हुआ। कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। कुल 38191 मतदाता में 24236 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिला पंचायती राज पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी विष्णु देव मंडल, अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष चौरसिया, खानपुर अंचल पदाधिकारी आदि ने लदौरा कल्याणपुर, मधुरापुर टांड़ अंजना आदि मतदान केंद्रों पर जायजा लेते हुए मतदान कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुक्तापुर मालीनगर, भागीरथपुर, रतवारा, जितवरिया, सोमनाहा, बरहेता, चकमेहसी, गोविंदपुर खजूरी, सिमरिया भिंडी, खरसंड पश्चिम व पूर्वी, बेलसंडी, कलौजर आदि में शांतिपूर्ण मतदान होने की बात प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताई।

मनीगाछी के सात पैक्सों के शांति पूर्वक संपन्न हुए चुनाव

मनीगाछी(दरभंगा)। स्थानीय प्रखंड के सात पैक्सों के शांति पूर्वक रविवार को संपन्न हुए चुनाव में 47.23प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले । सात पैक्सों के 18 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुए चुनाव की गति सुबह धीमी रही परंतु दिन चढ़ने के साथ ही बड़ी संख्या में लोग मतदान के लिए निकले। मतदान के दौरान उप समाहर्ता सह सुपर जोनल मजिस्ट्रेट पवन कुमार यादव,निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी डीएल यादव समेत अन्य पदाधिकारी सभी मतदान केंद्रों का जायजा लेते रहे।मतदान के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच मत पेटियों को प्रखण्ड मुख्यालय स्थित प्रखण्ड सभागार के पूर्वी भाग के निचले तल्ले में रखा गया है । जहां सोमवार को मतगणना की जाएगी। मतगणना को लेकर प्रशासन की ओर से पर्याप्त पुलिस जवानों की तैनाती की गई है।

अटेंडेंस के माध्यम से शिक्षकों को आने-जाने पर रहेगी विभाग की पैनी नजर

समस्तीपुर, प्रात :किरणसंवाददाता

गिद्धौर। शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों की स्थिति में व्यापक सुधार को लेकर लगातार कदम उठा रहा हैं। स्कूल में बच्चों की उपस्थिति नियमित करने के साथ-साथ शिक्षकों की मौजूदगी पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में अब विभाग ने फैसला लिया है कि सभी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति फोटो युक्त बायोमेट्रिक से लगेंगी। इसकी शुरूआत 1 दिसंबर रविवार से ही शुरू कर दी गई है। शिक्षा विभाग के अपर सचिव ने निर्देश दिया है कि स्कूल में गपशप करने वाले व मोबाइल देखने वाले शिक्षकों की संख्या कम है,लेकिन उनसे हम अपील करेंगे की स्कूल में गपशप नहीं करें। साथ ही 1 दिसंबर से शिक्षकों के आने-जाने की निगरानी फोटो के साथ अटेंडेंस के माध्यम से होगी और जल्द ही विभाग एक एसओपी बनाकर जारी किया जाएगा। इसके माध्यम से बच्चों की शिकायत को सुलझाया जा सकेगा।एसओपी में बाल संसद स्टूडेंट कमेटी के पास शिकायत निबटारा को लेकर गाइडलाइन बनाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अनुसार सभी स्कूलों में वॉल पेंटिंग का काम होगा। इसे लेकर विभाग ने तैयारी कर ली है। इसमें विभाग द्वारा तय किया जाएगा कि किस क्लास में किस तरह की पेंटिंग होगी? स्कूल की दीवारों पर महापुरुषों का स्लोगन भी रहेंगे। इंजीनियरिंग,पॉलिटेक्निक व आईटीआई के स्कूलों को जोड़ा जाएगा। जिससे कक्षा 8 से लेकर 12वीं तक के छात्रों को स्किल ट्रेनिंग मिलेगी। पहले दिन से स्कूल बैग व किताब लेकर पहुंचेंगे छात्र जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि स्कूल टाइमिंग को लेकर भी विभागीय स्तर पर काम हुआ है। ऐसे स्कूल जहां कक्षा कम है, उनके हेडमास्टर ही शिक्षकों के लिए फ्लेक्सिबल टाइमिंग सेट करेंगे।ताकि शिक्षकों को परेशानी नहीं हो और बच्चों भी क्लास कर सके। उन्होंने कहा कि नए साल से पोषक,किताब एवं बैक की राशि एक साथ दी जाएगी। ताकि सरकारी स्कूलों के बच्चे भी निजी स्कूलों की तरफ पहले दिन से अपने नए पोशाक,किताब और बैग लेकर स्कूल पहुंचें। शिक्षक आई कार्ड और क्यूआर कोड डाउनलोड कर पाएंगे। इसकी व्यवस्था की जा रही है।

सम्मेलन के बहाने मां मैथिली की सुध लेंगे मिथिला वासी

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा।मैथिली अधिकार दिवस के रूप में दो दिवसीय 22वें अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन की शुरूआत 22 दिसंबर को बाबानगरी देवघर स्थित ह्यनगर भवनह्न में होगी। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन के प्रधान महासचिव सह विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पं विनोद दत्त द्वारी इस आयोजन के स्वागताध्यक्ष होंगे। उनके साथ मिलकर डा बैजू के नेतृत्व में सलाहकार समिति के अध्यक्ष सह मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं कमलाकांत झा, शोभायात्रा प्रभारी प्रो विजयकांत झा एवं मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा आगामी 5 दिसंबर को कार्यक्रम स्थल सहित अन्य तैयारियों का मुआयना करने के लिए दो दिवसीय देवघर यात्रा पर निकलेंगे। इस यात्रा के दौरान स्थानीय आम एवं खास लोगों को इस सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए जन संपर्क अभियान भी चलाएंगे। डॉ बैजू ने बताया कि सम्मेलन की शुरूआत 22 दिसम्बर की प्रातः बेला में पारंपरिक मैथिल परिधान में भव्य शोभायात्रा के साथ होगी। जबकि संध्या बेला में मंगलाचरण के साथ उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। ह्यमिथिला में उद्योग एवं पर्यटन की बदहाल स्थितिः कारण एवं निवारण ह्य विषयक विचार गोष्ठी, मिथिला रत्न सम्मान समारोह एवं विद्यापति संगीत मिथिलावासी एवं देवघर वासी दर्शकों के विशेष आकर्षण का केंद्र बनेंगे। उन्होंने बताया कि लगातार दो दिनों तक देवघर में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में मिथिलावासी एवं प्रवासी मैथिल भाग लेंगे। सम्मेलन में पं कमलाकांत झा एवं संस्थान के सचिव प्रो जीव कांत मिश्र,मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा,मणिकांत झा, विनोद कुमार झा, प्रो विजय कांत झा, डॉ गणेश कांत झा, प्रो चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई, आशीष चौधरी, पुरुषोत्तम वत्स आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

अंतर्मन में सदैव स्मरणीय रहेगी डीबी कॉलेज की यादे: डॉ. उमेश प्रसाद सिंह

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी जयनगर अनुमंडल स्थित डी.बी. कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. उमेश प्रसाद सिंह के सेवानिवृत्ति के अवसर पर बुधवार को महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।डॉ. शैलेश कुमार सिंह के अनुसार डॉ. उमेश प्रसाद सिंह 2003 मे उक्त महाविद्यालय मे अंग्रेजी विभाग मे व्याख्याता के पद पर योगदान किये थे। अपने सेवाकाल के दौरान विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य विभाग के अध्यक्ष रहते हुए सेवानिवृत हुए। विदाई समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नंद कुमार ने इन सेवानिवृत्त उमेश प्रसाद सिंह जी के द्वारा सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि उनकी सेवानिवृत्ति नही बल्कि उनकी सेवा के सम्मान मे समारोह का आयोजन किया गया है। उन्होने कहा प्रसिद्धि की जिस शिखर पर आज महाविद्यालय पहुंचा है यह उन जैसे मेहनती योग्य एवं कर्मठ कर्मचारियो की सेवा का ही परिणाम है इस अवसर पर डॉ. उमेश प्रसाद सिंह ने भावुकता के साथ कहा किमहाविद्यालय की खट्टी मिट्ठी यादे मेरे अंतर्मन मे सदैव स्मरणीय रहेगी। आप सभी के अतुलनीय सहयोग के लिए मैं आभारी हू। इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानाचार्य डॉ नंद कुमार डॉ संजय कुमार पासवान डॉ अरविंद कुमार राय डॉ रंजना डॉ कोमल कुमारी डॉ श्याम कृष्ण जी डॉ धर्मेंद्र, डॉ ज्योति प्रकाश ओम कुमार सिंह, डॉ श्यामरूप जायसवाल सहित गैर शैक्षणिक कर्मचारी कृष्णानंद झा, आलोक झा, सुधांशु शेखर सिंह, अभिषेक झा इत्यादि उपस्थित रहे।

दरभंगा एयरपोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय मानक के तहत मिलेगी यात्री सुविधाएं : सांसद

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा। एयरपोर्ट से यात्री सुविधाओं को अंतराष्ट्रीय मानक के तहत उपलब्ध कराने के लिए केंद्र की मोदी सरकार संकल्पित है। नई हवाई सेवा शूरू करने,उड़ानों की संख्या बढ़ाने, किराए में कमी लाने जैसी जनहित सुविधाओं के लिए लगातार पहल किए जा रहे हैं। विगत दिनों नए सिविल टर्मिनल का की स्वीकृति एवं शिलान्यास होना तथा आज 1 दिसंबर से मुंबई एवं 12 दिसम्बर से दिल्ली के लिए इंडिगो कंपनी का शुरू करना केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का ज्वलंत उदाहरण है। दरभंगा एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष तथा सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने आज इंडिगो कंपनी द्वारा मुंबई के लिए विमान सेवा शूरू करने के बाद उपरोक्त विचार व्यक्त किए।सांसद डा ठाकुर ने इंडिगो कंपनी के इस पहल प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र, कोशी क्षेत्र तथा उत्तर पूर्व के लोगों के यात्रियों को जहां नए उड़ान सेवा से यात्रा करने में सुविधाएं होगी वही विमानों की संख्या बढ़ने तथा विमान कंपनियों में आपसी प्रतिस्पर्धा होने से किराए में कमी आएगी। सांसद डा ठाकुर ने खराब मौसम में विमानों को डायवर्ट या रद्द होने से बचाने के लिए ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम को यथाशीघ्र चालू करने के लिए अपने पहल और प्रयास की जानकारी देते हुए बताया कि नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू से विगत दिनों मुलाकात कर उन्होंने अपनी बातें रखी थी और उन्हें एक ज्ञापन के माध्यम से वस्तु स्थिति से अवगत कराया था जिसपर मंत्री श्री नायडू ने उन्हे शीघ्र इस समस्या के निदान का आश्वासन दिया था। सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा एयरपोर्ट को मिथिला क्षेत्र के लिए वरदान बताते हुए कहा कि आज भाजपा और पीएम मोदी जी के साथ केंद्र की एनडीए सरकार का देन है कि दो से तीन घंटे में देश के किसी भी कोने से लोगो का आना जाना सुगम साबित हो रहा है तथा हवाई चप्पल पहनने वालों का हवाई सफर का सपना साकार हो रहा है।

एक्स रे टेक्नीशियन के 1232 पदों पर शीघ्र होगी बहाली : मंगल

तकनीकी सेवा आयोग को भेजी जा चुकी अधियाचना

● सरकार युवाओं को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में लगातार दे रही रोजगार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा हैकि बिहार सरकार माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में लगातार नियुक्तिां कर रही है। राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सृजन की दिशा में सरकार संवेदनशील है। उसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग भी बंपर बहाली करने जा रही है। जिससे प्रदेश के युवा लाभान्वित होंगे। स्वास्थ्य विभाग बिहार तकनीकी सेवा आयोग को बिहार एक्स - रे - टेक्नीशियन संवर्ग के मूल कोटि पद पर एक्स - रे - टेक्नीशियन के रिक्त पदों के लिए 1 हजार 232 संख्या की नियमित नियुक्ति के संबंध में अधियाचना भेज चुकी है। बहाली प्रक्रिया षीघ्र पूर्ण कर ली जाएगी। जिससे एक्स - रे सेवा और उन्नत बनेगी और मरीजों को उससे लाभ पहुंचेगा। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में स्वास्थ विभाग की सेवाएं लगातार उन्नत हुई हैं। 2005 से पहले के बिहार में स्वास्थ्य सेवाएं लालटेन के भरोसे थी। कई अस्पतालों में बगैर लाईट मरीजों के इलाज हुआ करते थें। अस्पतालों में दवा की कमी से लेकर भवनों की स्थिति जर्जर थी। मगर आज प्रदेश में नित्य नए अस्पताल भवनों के निर्माण से लेकर अस्पतालों में दवा की उपलब्धता पूर्ण रहती है। यही वजह है कि मरीजों का विश्वास सरकारी अस्पतालों के प्रति बढ़ा है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य में एक्स - रे सेवाओं में 1 हजार 232 लोगों की और बहाली हो जाने से एक ओर जहां रोजगार सृजन होगी तो वहीं सरकारी स्वास्थ्य सेवाओ में मानव बल के इजाफे से सेवाएं और पहले के मुकाबले उन्नत होंगी। इस नई बहाली प्रक्रिया में रोस्टर के अनुसार अनुसूचित जाति की महिला की भी आरक्षण के तहत बहाली की जाएगी। विभाग आने वाले समय में और रिक्तियां भी शीघ्र करेगी ताकि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले भार को और कम किया जा सके।

जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ रहा जनसमूह : उमेश

बोलें- तृतीय चरण के कार्यकर्ता सम्मेलन में हुआ महाजुटान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के कार्यकर्ता सम्मेलन में अपार जनसमूह उमड़ रहा है। यह हमारे नेता की बढ़ती लोकप्रियता और जन स्वीकार्यता का प्रतीक है। उक्त बातें जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने रविवार को समस्तीपूर समस्तीपुर नगर, गोपालगंज, नवगछिया, लखीसराय, नवादा, किशनगंज एवं औरंगाबाद में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में कही। श्री कुशवाहा ने बताया कि कार्यकताओं के बदौलत ही विगत 19 वर्षो से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार की तरक्की के लिए दिन-रात काम कर रहे है। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं का उत्साह और बढ़ा हुआ आत्मविश्वास अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को सुनिश्चित करेगा। कार्यकर्त्ता सम्मेलन में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, केन्द्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चैधरी, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, ऊर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव एवं ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चैधरी की अध्यक्षता में प्रत्येक टीम में पार्टी के नौ-नौ नेतागण इसमें शामिल हुए। साथ ही लखीसराय जिला में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं के लिए समर्पित पार्टी है जदयू

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को नवगछिया संगठन जिलान्तर्गत उच्च विद्यालय मैदान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि जदयू कार्यकताओं की, कार्यकताओं द्वारा और कार्यकताओं के लिए समर्पित पार्टी है। श्री कुशवाहा ने कहा कि विगत 19 वर्षों के कार्यकाल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश का कायापलट किया है। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। हमारे नेता सामाजिक न्याय के साथ विकास की सोच को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर राजद सरकार में चारों तरफ सत्ता पोषित गुंडों का बोलबाला था। आज बिहार में अमन-चैन का माहौल है। श्री कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार के सुधारात्मक प्रयासों से देश-दुनिया में बिहार का सम्मान और गौरव बढ़ा है। 2025 में 225 सीटों पर जीत दर्ज कर नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। श्री कुशवाहा ने कहा कि विपक्ष के पास झूठ, अफवाह और दुष्प्रचार के अलावे दूसरा कोई राजनीतिक हथियार नहीं है इसलिए हमें अधिक सजग, सतर्क और सक्रिय होकर इनके मंसूबों को ध्वस्त करना है। साथ ही पार्टी के कार्यकताओं को नीतीश सरकार की तमाम ऐतिहासिक उपलब्धियों की जानकारी अंतिम छोर में खड़े आम जनता तक पहुंचाना है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आदर्श सदैव प्रेरणादायी : दिलीप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने देशरत्न कॉन्क्लेव का किया उद्घाटन

पटना। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती समारोह के शुभ अवसर पर आयोजित देशरत्न कॉन्क्लेव का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित इस कॉन्क्लेव में देश के प्रतिष्ठित विद्वान, राजनीतिक विशेषज्ञ और समाजसेवी उपस्थित होकर देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन, आदर्शों, और उनके योगदान पर अपने विचार साझा करेंगे। इस अवसर पर डॉ. दिलीप जायसवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हमारे संविधान निर्माण के महानायक थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति अपना समर्पण और अधिक मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमसभी के लिए राजेंद्र प्रसाद के जीवन का आदर्श सदैव प्रेरणादायी रहेगा। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, हाह्यवह साधारण दिखते थे, लेकिन वह एक महान व्यक्ति थे। वह एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, अंतरिम सरकार में मंत्री और कांग्रेस तथा संविधान सभा के अध्यक्ष थे। उस दौर के सभी प्रमुख गांधीवादियों ने कहा कि वह गांधी के एकमात्र सच्चे उत्तराधिकारी थे। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी के आंदोलन में एक अनुयायी के रूप में शामिल हुए और पूरे आंदोलन का पग-पग पर अपना नेतृत्व प्रदान किया। वहीं स्वतंत्र भारत के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में ही संविधान का निर्माण किया गया। वह देश की आजादी की लड़ाई के अग्रिम योद्धा के साथ स्वतंत्र भारत की व्यवस्था के भी सूत्रधार थे। उनके इन कार्यों के चलते वे आज भी स्मरणीय हैं। उन्होंने कहा कि वे भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रबल पक्षधर थे। सही अर्थों में तत्कालीन सरकार के विरोध के बावजूद सोमनाथ मंदिर के पनुरोद्धार कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भाग लिया। देश रत्न कॉन्क्लेव की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से महान विभूतियों को समझने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रदेश और देश के विभिन्न कोनों से आये प्रतिष्ठित विद्वानों, समाजसेवियों का पटना की धरती पर स्वागत किया।

झारखंड में वामपंथ के पुनरुत्थान की नई संभावना : माले

● माले की पोलित ब्यूरो की बैठक में झारखंड व महाराष्ट्र चुनाव की समीक्षा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले की पोलित ब्यूरो की बैठक में झारखंड और महाराष्ट्र चुनावों की समीक्षा की गई। बैठक में पार्टी महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य सहित सभी शीर्ष नेतागण मौजूद रहें। भाकपा-माले ने पोलित ब्यूरो की बैठक से कहा है कि झारखंड में पूर्ववर्ती मार्क्सवादी कोआर्डिनेशन कमिटी का भाकपा (माले) के साथ विलय और कॉमरेड एके रॉय तथा भाकपा (माले) आंदोलन की विरासत का एकजुट होना धनबाद-बोकारो क्षेत्र में भाजपा को पीछे धकेलने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। झारखंड विधानसभा चुनाव में पहली बार गठबंधन का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ते हुए भाकपा-माले ने केवल चार उम्मीदवार उतारे, जिसमें से एक सीट पर झामुमो से मैत्रीपूर्ण मुकाबला भी हुआ। पार्टी की पारंपरिक बगोदर सीट गंवाने के बावजूद, धनबाद जिले की दो सीटों - निरसा और सिंदरी - पर जीत हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि रही। खासकर सिंदरी सीट को लगातार पांच चुनावों में हारने के बाद फिर से जीतना वामपंथ के पुनरुत्थान की संभावना को नया उत्साह देता है। यह झारखंड में कॉर्पोरेट लूट और सांप्रदायिक नफरत के खिलाफ एक मजबूत भूमिका निभाने की दिशा में भी अहम कदम साबित हो सकता है। महाराष्ट्र में वामपंथ ने दो सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। सीपीआइ (एम) ने पालघर जिले की दहानू (एसटी) सीट पर कब्जा बरकरार रखा, जबकि पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ने सोलापुर जिले की सांगोले सीट जीती। यह जीत एमवीए गठबंधन से बाहर रहकर हासिल की गई। पश्चिम बंगाल के उपचुनावों ने वाम दलों की व्यापक एकता की संभावना को मजबूत किया, जहां सीपीआइ (एम) ने उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी औद्योगिक क्षेत्र की सीट पर भाकपा (माले) का समर्थन किया। पोलित ब्यूरो की बैठक में पार्टी महासचिव के अलावा वरिष्ठ नेता स्वदेश भट्टाचार्य, पश्चिम बंगाल से कार्तिक पाल व अभिजीत मजूमदार, यूपी से रामजी राय; बिहार से कुणाल, धीरेन्द्र झा, राजाराम सिंह, अमर, मीना तिवारी, शशि यादव, दिल्ली से रवि राय, संजय शर्मा, झारखंड से मनोज भक्त, जनार्दन प्रसाद, विनोद सिंह, हलधर महतो; वी. शंकर शामिल थे।

आरक्षण व संविधान कोई मुद्दा नहीं : चिराग

● करारी हार से विपक्ष परेशान, जनता सब जानती है

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्वकर्त्ता अरविंद केजरीवाल अपनी कही हर एक बात से मुकरने का काम किया। रामलीला मैदान में एक पर्ची लेकर घूमते थे। भ्रष्ट नेताओं की और उन तमाम भ्रष्ट नेताओं से समझौता कर अलग-अलग समय पर सरकार बनाने का इन्होंने काम किया। यह कहते थे सरकार में आने के बाद बांग्ला, गाड़ी और सिक्योरिटी नहीं लूंगा। लेकिन जो उन्होंने किया उससे भी हर कोई वाकिफ है। स्वयं जेल गए और ना अब सिर्फ यह भ्रष्टाचार में बल्कि एक्सटॉर्शन में भी संलिप्ता पाई जा रही है। यह दशार्ता है कि अगर देश के इतिहास में कोई सबसे बड़ी भ्रष्ट पार्टी रही है तो आम आदमी पार्टी है। कहा कि इस बार किसी कीमत पर भी आम आदमी पार्टी की सरकार नहीं बनेगी। दिल्ली में इस बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। संविधान के खतरे होने के सवाल पर जवाब देते हुए श्री चिराग ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम और इन 6 महीना में अलग-अलग राज्यों के विस चुनाव परिणाम ने विपक्ष को बता दिया है कि ना आरक्षण मुद्दा है ना संविधान मुद्दा है। कहा कि संविधान कभी खतरे में था तो वह 1975, जब संविधान की हत्या कर देश में आपातकाल लगाया गया था। अन्य राज्यों की भांति अब विपक्ष को दिल्ली में भी हार का सामना करना पड़ेगा।श्री चिराग ने चेतन आनंद के बयान पर हमलावर होते हुए कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि कौन जिंदा कौम और कौन मुर्दा कौम है? यह किसको बताना चाह रहे हैं कि कौन मुर्दा कौम है। पहले तो इस बात को स्पष्ट करें जनता दल यूनाइटेड, भारतीय जनता पार्टी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सहित सभी एनडीए के घटक दल के नेता पार्टी के स्थापना दिवस पर आकर बता दिया कि एनडीए में कौन सही कौन गलत हैं? स्थापना दिवस के कार्यक्रम में मुझ पर उठे तमाम सवालों का जवाब गठबंधन के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने उपस्थित होकर दे दिया। इसके बाद अब इस मुद्दे पर चर्चा करने का कोई मतलब नही है।

उपचुनाव में मिली हार से विपक्ष हताश : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की चार दिसंबर से संभावित कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा पर तंज कसा है। श्री मिश्र ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि चार दिसंबर से तेजस्वी का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा सिर्फ ढकोसला है। तेजस्वी बताएं कि अपनी यात्रा में वे किससे संवाद करेंगे। ये संवाद करेंगे या विवाद बढ़ाएंगे। क्योंकि, तेजस्वी की यात्रा का मकसद लोगों को गुमराह करना और समाज में नफरत फैलाना रहता है। प्रदेश के लोग अमन-चैन से रह रहे हैं, बिहार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, ये सब देखकर इंडी गठबंधन में शामिल दूसरे दलों के नेताओं का कलेजा फट रहा है। श्री मिश्र ने कहा कि असल में विधानसभा चुनाव में राजद की हुई करारी हार से तेजस्वी हताशा में हैं। 2025 विधानसभा चुनाव में जीत की बात तो दूर, राजद और इंडी गठबंधन के पास कोई ऐसा उम्मीदवार नहीं है, जो एनडीए के उम्मीदवार को टक्कर दे सके। एनडीए प्रत्याशियों के सामने राजद का कोई कार्यकर्ता खड़ा होने को तैयार नहीं है। राजद के कार्यकर्ता जानते हैं कि एनडीए उम्मीदवार के सामने उनकी जमानत जब्त हो जाएगी।

समतामूलक समाज के निर्माण में देवमुनि यादव का महत्वपूर्ण योगदान

पटना। बिहटा -समाजिक न्याय के क्रांतिकारी एवं प्रखर समाजवादी नेता स्व देवमुनि सिंह यादव का प्रथम पुण्यतिथि सद्भावना दिवस के रुप से मनाई गई। उन्होंने जेपी के छात्र आन्दोलन से निकल कर राजनीति के शिखर का रास्ता तय किया और किसानों, कार्यकार्ताओ, एवं आमलोगों के प्रति अपने लगाव व प्रेम के कारण वह आम जनमानस में छा ही नहीं गये वल्कि सभी के दिलों दिमाग में रस-वस गये। जिसका कारण यह है कि उनका कार्यकताओं, समाज के प्रति बहुमूल्य योगदान, सरल विचार और समाजवादी चिंतन लोगों से प्रति संवेदना है जो कार्यकर्ताओ , राजनीतिक, सामाजिक, दलित पिछड़े, एवं शोषित वर्ग उनका ऋणी है। उनके कार्य, विचार,सरल भाषा -शैली,रहन - सहन,ढोस निर्णय लेने की क्षमताओं एवं विनम्र स्वभाव आदि उनका राजनीतिक में कोई तोड़ नहीं है वैसे महा- विभूति, राजनीतिक चिंतक , समाजिक विचारधारा के मजबूत स्तम्भ के रूप में याद किए जायेंगे। वे श्र1974 से राजनीतिक सुर्खियों में रहें वे लम्बे समय से पटना जिला राजद अध्यक्ष, के पद को सुशोभित किया साथ ही संप्रग की सरकार में केन्द्रीय रेल यात्री सुख सुविधा समिति के सदस्य बने फिर महागठबंधन की सरकार में बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य पद को सुशोभित किया और पद रहते हुए 30 नवंबर 2023 को स्वर्गवास हो गये। उन्होंने जेपी आंदोलन से निकल कर राजनीति के सभी विद्याओं में अपनें आपको अव्वल साबित करने में सफल रहे। उन्होंने समाज में सभी के बराबरी का हक मिलें इसके लिए अपना जीवन सर्वस्व न्यौछावर करने में पिछे नहीं हटे। उनके द्वारा किये गये कार्य समाज में बेमिसाल व कृतिमान है श्रीकृष्ण सेवा न्यास परिषद बिहटा पटना के अध्यक्ष रंजय कुमार यादव ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि समाजवादी सह जेपी सेनानी स्व यादव राजनीतिक सुखियो में रहते हुए

सूबे में फसलों की उत्पादकता बढ़ी : निहोरा

पटना। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल के दौरान बिहार में किसानों की दशा और कृषि की तस्वीर बदलने का काम किया है। आरजेडी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिसने अपने 15 सालों के शासनकाल में कृषि के लिए कुछ नहीं किया वो आज किस मुंह से कृषि के क्षेत्र में 19 सालों के कामों का हिसाब मांग रहा है? उन्होंने कहा कि दरअसल आरजेडी का 15 सालों का शासनकाल बिहार को कृषि उत्पादन, सिंचाई के क्षेत्र में और किसानों की सुरक्षा में काफी पीछे ले गया। जहां किसानों ने भय के चलते खेती करनी छोड़ी दी थी वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सत्ता में आने के बाद कृषि और किसानों की बेहतरी के लिए कई निर्णय लिए गए। चार कृषि रोड मैप लाए गए जिसके तहत चाहे चावल हो, गेहूं हो, मक्का हो सभी फसलों की फसल उत्पादकता बढ़ी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि फिर भी राजद के लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 19 वर्षों के कार्यकाल में कृषि पर किए गए कार्यों को नहीं जान पाए। । उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में बिहार के किसानों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है फिर भी आरजेडी को ये बातें समझ में नहीं आ रही है।

101 सुहागिनों ने किया मंगल पाठ

पटना। कंकड़बाग स्थित दादी की फुलवारी द्वारा मधुबन सोसाईटी में राणी सती दादीजी के जन्मोत्सव पर मंगल पाठ का आयोजन हुआ। इस मंगल पाठ में एक सौ एक सुहागिनों ने एक साथ अपने सुहाग के लिए मंगल पाठ पढ़ा। निवेदक बंसल परिवार द्वारा दादीजी का सुंदर मंदिर सजाया गया। दादीजी का यह मंगल पाठ रेखा मोहिनी बंसल एवं आस्थाश्री जी के नेतृत्व में सौ से अधिक महिलाओं ने एक साथ पढ़ा। मौके पर आयोजिका ममता अग्रवाल ने बताया कि दादीजी जन्मोत्सव पर प्रति वर्ष यह मंगल पाठ महिलाओं द्वारा पढ़ा जाता है। आज के कार्यक्रम के मुख्य यजमान कन्हैया ममता अग्रयाल ने दादीजी का पूजा पाठ किया। मंगल पाठ पढ़ने में रेखा बंसल, आस्थाश्री, ममता अग्रवाल, स्वेता, कृष्णा एवं लकी अग्रवाल, निशा तुलसियान, नेहा जगनानी, रेखा धानुका, स्वेता टिकमानी, प्रीति हिसारिया, मंजू सिंघल, सीमा, सपना, सोनिया, प्रिया, मेघा, रुचि, दुर्गा गोयनका, पूर्णिमा सिंघल, अनिता खेमका, राधा बजाज सहित काफी अधिक संख्या में महिलाएं थीं। दीजी मंगल पाठ के

एनडीए शासन में बिहार का हुआ सर्वांगीण विकास : मनीष

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता मनीष यादव ने आरजेडी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरजेडी नेत्री पर तंज कसते हुए कहा कि वो प्रवासी नेत्री केवल चुनावी मेला घूमने बिहार आती है और चुनाव के बाद अपनी जगह चली जाती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें चुनावी मेला घूमने के साथ-साथ एक बार सोनपुर मेला भी घूमना चाहिए और बिहार के विकास को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि उनके पैतृक गांव में भी बिजली जलाने, गली-गली सड़कों का निर्माण और नालियों का निर्माण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में ही हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर सवाल उठाने से पहले उन्हें अपने माता-पिता से ये सवाल जरुर पूछना चाहिए कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितने गांवों को बिजली की रोशनी से रोशन किया, हर घर नल का जल पहुंचाने का काम किया, कितनी सड़के बनवाई, कितने स्टेट हाईवे बनवाए, कितने पुल बनवाए, कितने गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा, कितनी बच्चियों को साइकिल योजना को लाभ दिया, कितने छात्र-छात्राओं को पोशाक राशि दी, कितनों को छात्रवृत्ति दी? उन्होंने कहा कि आज राज्य में बेटियों के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं उन्हें इंटर और ग्रेजुएट की परीक्षा पास करने पर आर्थिक सहायता दी जा रही है।

बेरोजगारी व महंगाई से बिहारवासी त्राहिमाम : अरुण

पटना। राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने महिला संवाद यात्रा को चुनावी यात्रा बताया है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा को लेकर पिछले दिनों कैबनेट में सवा दो सौ करोड़ की राशि की मंजूरी दी है। यह राशि सिर्फ स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के ऊपर अगर सरकार खर्च कर देती तो बिहार की ध्वस्त स्वास्थ्य और शैक्षणिक व्यवस्था दुरुत हो जाती। पिछले दिनों बिहार विधानमंडल में पेश कैग की रिपोर्ट ने बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रखी दी है। केंद्र सरकार द्वारा प्रमाणित नीति आयोग के आंकड़ों ने साबित कर दिया है कि बिहार को शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य विकास के मामले में सरकार ने सबसे अंतिम पायदान पर खड़ा कर दिया हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि ने कहा कि 19 वर्षो के एनडीए शासनकाल में दर्जनों यात्राएं हुए लेकिन प्रदेश का विकास नही हो सका हैं। जनता का मूलभूत समस्या ज्यों का त्यों बनी हुई है। बेरोजगारी, महंगाई, बाढ़, सुखार, पलायन, भ्रष्टाचार और अपराध जैसी गंभीर समस्याओं से बिहारवासी त्राहिमाम है। बिहार में 19 वर्षो में एक सुई की फैक्ट्री भी नही खुला। बिहार में आज महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

प्रदर्शनी सह मेला में बड़े एवं छोटे कृषि यत्रों की बड़ी मात्रा में हुई खरीददारी

एग्रो बिहार मेला : 59 हजार से अधिक आगंतुक पहुंचे

प्रात : किरण

पटना। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में कृषि विभाग द्वारा सीआईआई के सहयोग से आयोजित एग्रो बिहार, राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेले के तीसरे दिन बड़ी संख्या में आगंतुक पहुंचे। किसानों द्वारा इस मेला में विभिन्न प्रकार के बड़े एवं छोटे कृषि यत्रों की खरीददारी बड़ी मात्रा में की गई। सरकार द्वारा उन्हें कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ भी दिया जा रहा है। यह मेला किसानों के लिए ज्ञानवर्द्धक एवं लाभदायक सिद्ध हो रहा है। आज मेला का आखिरी दिन है। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल द्वारा लखीसराय जिले के संयुक्त कृषक कृषि साख समिति, डाकरा एवं भूषण सिंह को 08 लाख रुपए अनुदान का चेक तथा सांकेतिक रूप में फार्म मशीनरी बैंक का चाबी प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं के बीच पुरस्कार का वितरण :

कृषि विभाग द्वारा मेला परिसर में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें पटना शहर के कुल 15 विद्यालयों के 73 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में नारी गुंजन, लाल कोठी, दानापुर कैन्ट को प्रथम पुरस्कार, डीएवी पब्लिक स्कूल, आर्य समाज, दानापुर को द्वितीय पुरस्कार एवं पाटलिपुत्र सेन्ट्रल स्कूल, बेऊर, पटना को तृतीय पुरस्कार दिया गया। विजेता स्कूलों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 10,000 रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र, द्वितीय पुरस्कारस्वरूप 7500 रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 5000 रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। अन्य सभी प्रतिभागी विद्यालयों को प्रतिभागी प्रमाण-पत्र भी दिया गया।

कृषि यंत्रों की बिक्री पर 1.42 करोड़ का अनुदान

मेला में 132 कृषि यंत्रों एवं 02 कृषि यंत्र बैंकों के लिए सरकार द्वारा 57.55 लाख रुपए का अनुदान दिया गया। इन कृषि यंत्रों का बाजार मूल्य लगभग 1.50 करोड़ रुपए है। इस प्रकार 03 दिनों में कुल 438 कृषि यंत्रों का क्रय एवं 09 कृषि यंत्र बैंकों के लिए कुल 1.42 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान दिया गया। मेला में पटना, भागलपुर, बाँका, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, पूर्णियाँ, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जिले के 3152 किसानों ने भाग लिया। आज तक इस प्रदर्शनी-सह-मेला में राज्य के 59 हजार से अधिक किसान/आगन्तुक आये। इस मेले में किसी तरह का प्रवेश शुल्क नहीं है। कोई भी किसान/व्यक्ति स्वेच्छा से इस प्रदर्शनी/मेला में भाग ले सकते हैं।

किसान पाठशाला में किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

आज किसान पाठशाला में प्रतिभागी किसानों को कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय पदाधिकारियों द्वारा फसल की बुआई से कटाई तक उपयोगी नवीनतम कृषि यंत्रों की जानकारी, उपयोगिता एवं प्रयोगविधि, फलों एवं सब्जियों की वैज्ञानिक खेती से संबंधित जानकारी तथा कृषि के क्षेत्र में एग्रो ड्रोन की उपयोगिता एवं महत्व से संबंधित तकनीकी जानकारी विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। संध्या में मुख्य मंच पर दर्शकों के मनोरंजन के लिए मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण : विशेष बैठक सह कार्यशाला का आयोजन

● पटना को बेहतर स्थान दिलाने के लिए पटना नगर निगम प्रयासरत

● किचन कैंपेन आयोजित कर मिशन टोटल सेग्रीगेशन को बनाया जाएगा सफल

प्रात : किरण

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में पटना को बेहतर स्थान दिलाने के लिए पटना नगर निगम द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए है। रविवार को नगर आयुक्त की अध्यक्षता में पटना नगर निगम की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता सर्वेक्षण में आमजनों की सहभागिता एवं जनजागरुकता बढ़ाने हेतु नगर निगम के दायित्व पर विस्तृत चर्चा की गई।

किचन कैंपेन से महिलाओं को जोड़ेगा पटना नगर निगम :

पटना नगर निगम द्वारा वार्ड की महिलाओं जो विशेष कर किचन से जुड़ी रहती हैं उन्हें जागरूक कर किचन कैंपेन चलाया जाएगा। महिलाओं को सूखा गीला कचरा अलग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। किचन में ही सूखा गीला अलग करने की आदत से मिशन टोटल सेग्रीगेशन का लाभ मिलेगा। इसमें पटना नगर निगम की मोबिलाइज सफाई कर्मी एवं पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

यार्ड में की जाएगी वाहनों की मॉनिटरिंग :

पटना नगर निगम द्वारा प्रतिदिन घर-घर तक जाने वाले डोर टू डोर वाहनों की मॉनिटरिंग न सिर्फ मोबिलाइज एवं पदाधिकारी द्वारा की जाएगी बल्कि यार्ड में पहुंचने पर भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वह सुखा एवं गीला कचरा अलग कलेक्ट कर कर लाए हैं अथवा नहीं। प्रतिदिन कर्मचारियों द्वारा गाड़ी की संख्या के साथ स्थिति को नोट किया जाएगा एवं जियो टैग फोटो भी लिया जाएगा। गौरतलब है कि बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों को पटना नगर निगम द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर, अपर नगर आयुक्त राजन सिन्हा, उपनगर आयुक्त, सभी अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, कार्यपालक अभियंता (विद्युत), स्वच्छता पदाधिकारी, नगर प्रबंधक एवं मुख्य सफाई निरीक्षण सहित नगर निगम के विभिन्न शाखों के कर्मी उपस्थित रहे।

विश्व विकालांग दिवस की पूर्व संध्या पर जागरूकता रैली

पटना। अंग नहीं तो क्या गम है, हम किसी से क्या कम हैं! ----- दया नहीं अधिकार चाहिए, हमें थोड़ा सा प्यार चाहिए। , भिक्षा नहीं, शिक्षा दो!, हम पर तुम हँसो नहीं, थोड़ा सा सहयोग करो! आदि नारों के साथ आज दिव्यांगजनों एवं पुनर्वासकर्मियों ने नगर में जागरूकता रैली निकाली। यह रैली विश्व विकलांग दिवस की पूर्व संध्या पर, रविवार को, इंडियन इंस्टिच्युट ऑफ हेल्थ एडुकेशन ऐंड रिसर्च,बेउर के तत्त्वावधान में, संजय गांधी जैविक उद्यान से आरंभ हुई और शहीद-स्मारक होते हुए, जगजीवन राम शोध संस्थान में आकर समाप्त हुई, जहां अनेक संस्थाओं की ओर से दिव्यांग-महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रमुख डा अनिल सुलभ, बिहार नेत्रहीन परिषद के महासचिव डा नवल किशोर शर्मा तथा अधिवक्ता अहसास मणिकान्त ने रैली को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए, डा सुलभ ने कहा कि अभी भी बिहार में विकलांग जनों को वैज्ञानिक ढंग से चिन्हित करने का कार्य नहीं हो पा रहा है। जब तक यह नहीं होगा तबतक विकलांगों के पुनर्वास में कोई भी कार्य सही दिशा में नहीं होगा। इसके लिए आवश्यक है कि राज्य सरकार अलग से विकलांगता निवारण और पुनर्वास विभाग सृजित करे। जब इसके लिए अलग से मंत्री, प्रधान सचिव एवं अन्य अधिकारी होंगे, तो अवश्य ही इस दिशा में तेजी से और गुणात्मक विकास देखा जा सकेगा और तभी सभी दिव्यांग पुनर्वासित किए जा सकेंगे, जिनमे भौतिक-पुनर्वास के साथ आर्थिक पुनर्वास भी सम्मिलित होंगे। बिहार नेत्रहीन परिषद के संस्थापक महासचिव डा नवल किशोर शर्मा ने कहा कि राज्य में विकलांग आयोग का गठन भी शीघ्र किया जाना चाहिए। रैली में बिहार विकालांग मंच के सचिव दिव्यांग युवक राकेश कुमार, दिव्यांग-प्राध्यापक प्रो कपिल मुनि दूबे, सूबेदार संजय कुमार, प्रो संजीत कुमार, डा रूपाली भोवाल, प्रो मधुमाला कुमारी, प्रो चंद्रा आभा, डा नवनीत कुमार, डा आदित्य कुमार ओझा, प्रो देवराज कुमार, प्रो प्रिया कुमारी, कुमार करुणा निधि, रवींद्र प्रजापति , नीरज कुमार, रेखा देवी समेत बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और संस्थान के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों ने भाग लिया।

ईवीएम को लेकर कांग्रेस का जनांदोलन हुजूर आते आते बहुत देर कर दी

भारत में ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का चलन कोई बहुत पुराना नहीं है। 1990 के दशक तक तो चुनावों के दौरान कागज के मतपत्रों अथवा बैलट पेपर का ही उपयोग किया जाता था। चूँकि भारत की गिनती विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में होती है इसलिये यहाँ पर्याप्त मात्रा में कागज के मतपत्रों के अतिरिक्त इनकी छपाई, मतपत्र व मत पेटियों के आवागमन(परिवहन), इनके भंडारण और मतपत्रों की गिनती हेतु पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती थी। इन बैलेट पेपर्स में धोखाधड़ी वाले मतदान और बूथ कैप्चरिंग की संभावना तो थी ही, साथ ही बूथों पर कब्जा करने व उनमें जाली मतपत्र भरने की घटनायें भी सामने आती रहती थीं। इस तरह की अनियमिताओं की शुरूआत हालांकि 1950 के दशक के उत्तरार्ध से ही शुरू हो चुकी थी परन्तु 1950 और 1980 के दशक के बीच यह समस्या निरंतर बढ़ती चली गई। कुछ राज्यों में तो चुनाव, धांधली व बूथ कब्जा को लेकर बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुआ करती थी। भारत के चुनाव आयोग ने इन्हीं समस्याओं से निजात पाने की गरज से 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इस समस्या का समाधान खोजा जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विकास हुआ। इस प्रणाली को भारत के चुनाव आयोग के लिए राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विकसित किया गया था। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें चरणबद्ध तरीके से भारतीय चुनावों में पेश किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग हमेशा यह दावा करता रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, सिस्टम जाँच, सुरक्षा प्रक्रियाएँ और चुनाव प्रोटोकॉल आदि किसी से भी छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। परन्तु ईवीएम के प्रचलन में आने के फौरन बाद से ही इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने खड़े हो चुके थे। कांग्रेस के शासन काल में शुरू की गयी ई वी एम से मतदान प्रक्रिया का न केवल लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी जैसे नेता विरोध करते रहे हैं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वयं पहले ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं और इसकी विश्वसनीयता पर संदेह जताते रहे हैं। देश के कई साफ़्ट वेयर विशेषज्ञ भी यह दावा कर चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़ छाड़ की जा सकती है। देश में विभिन्न सामाजिक संगठन भी ईवीएम के विरोध स्वरूप कई बार आंदोलित हो चुके हैं। परन्तु अभी तक किसी राजनैतिक दल ने ईवीएम से चुनाव कराने के विरोध में जनांदोलन करने की घोषणा नहीं की। यह पहला अवसर है जब कांग्रेस ने आगामी 26 दिसंबर से कर्नाटक के बेलगाम से ईवीएम के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। 26 दिसंबर को बेलगाम में पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी उसके बाद एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। और यहीं से कांग्रेस ईवीएम के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस के अनुसार जिस तरह लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नफरत की राजनीति के खिलाफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसी तर्ज.पर बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने के समर्थन में व्यापक राष्ट्रीय जन समर्थन जुटाने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी भारत जोड़ो यात्रा निकाली जाएगी। कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों के नेता वैसे तो अपने अपने स्तर पर ईवीएम का विरोध करते रहे हैं। परन्तु जब भी चुनावी नतीजे विपक्षी दलों के पक्ष में जाते हैं उस समय ईवीएम का विरोध करने वाले यही दल व नेता अपनी जीत के जश्न में डूबकर यह भूल जाते हैं कि जिस ईवीएम ने उन्हें जीत दिलाई है वह संदिग्ध है? बजाये इसके वही विपक्ष अपनी जीत को सत्ता के विरुद्ध जनता का फरमान बताने लगता है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायलय ने एक बार फिर ईवीएम का विरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुये विपक्षी दलों को आईना दिखाया और अपनी टिप्पणी में अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि ह्लइलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से राजनीतिक पार्टियों को दिक्कत नहीं है, आपको क्यों है? ऐसे आइडिया कहां से लाते हो.ह्व अदालत ने कहा, ह्लचंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है. जब वे जीतते हैं, तो ईवीएम में सब ठीक रहता है?ह्व इसी अदालती निर्णय के बाद कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर ईवीएम का विरोध करने का निर्णय लिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस तरह प्रत्येक चुनावों के दौरान ईवीएम को लेकर संदेहपूर्ण खबरें आती हैं। कहीं से ईवीएम गायब होने का समाचार मिलता है तो कहीं अनिधकृत रूप से ईवीएम पकड़ी जाती हैं।

मानवता के मूल्यों पर कफन लपेटने की तैयारी

देश-दुनिया में साम्प्रदायिकता की आग निरंतर तेज होती जा रही है। जीवन जीने की पध्दति को लेकर वर्चस्व की जंग में कट्टरपंथियों की जमातें महात्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। कहीं गाल फाडकर एकता के नारे बुलंद हो रहे हैं तो कहीं गुप्त बैठकों का दौर चल रहा है। कहीं एकता की दुहाई दी जा रही है तो कहीं एक रहने वालों को खूनी युध्द छेडने के लिए उकसाया जा रहा है। अतीत की दुहाई पर वर्तमान में अधिकारों को लेने की होड लगी है। बाह्य आतितायियों की लिखी इबारत को मिटने में जुटे पक्ष पर धर्मान्तरण कर चुकी पीढियों की तलवारें चल रहीं है। अनेक राष्ट्रों में धर्म के नाम पर खून बहाने वालों को न केवल सरकारी संरक्षण दिया जा रहा है बल्कि उनके अमानवीय कृत्यों के समानान्तर पुलिसिया प्रहार भी हो रहा है। बंगलादेश के हालतों पर अनेक देशों ने चिन्ता व्यक्त की है परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ इस पर मौन है। वहां की कट्टरपंथी यूनुस सरकार ने हिन्दू धर्माचार्य चिन्मय प्रभु सहित रुद्रप्रोति केसब दास तथा रंगनाथ श्याम सुन्दर दास को मनमाने ढंग से गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे प्रताडित करना शुरू कर दिया है। कट्टरपंथियों व्दारा गैर प्रमाणित आरोपों पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने सैकडों बार एडवाइजरी जारी की है परन्तु इस्लामिक आतंक पर उसकी जुबान तालू से चिपक जाती है। संघ के विवादास्पद रहने वाले महासचिव एंटोनियो गुटेरेस व्दारा अनेक बार किन्ही खास कारणों से वैश्विक वैमनुष्यता के मुद्दों पर कट्टरपंथियों को खुला समर्थन दिया जाता रहा हैं। इसी कारण से इजराइल ने उसे प्रतिबंधित करने तक की कार्यवाही की घोषणा की थी। कोराना काल में चीन को क्लीन चिट देने वाले एंटोनियो गुटेरेस ने तत्कालीन विकट परिस्थितियों में अनेक मानवता विरोधी वक्तव्य भी जारी किये थे। चन्द षडयंत्रकारी देशों की शह पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अध्यक्ष फिलेमान यैंग तक को महासचिव ने नियमों की मनमानी व्याख्या करके हाशिये पर पहुंचा दिया है। गैर मुस्लिम लोगों को लम्बे समय से इस्लामिक कट्टरपंथी निरंतर निशाना बनाते रहे हैं। इस मध्य तो जुल्म की घटनाओं में बेहतहाशा वृध्दि हुई है। आतंकी हमलों की बहुतायत होते ही दहशत का वातावरण निर्मित हो चला है। पाकिस्तान, बंगलादेश, कनाडा, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे दर्जनों राष्ट्र अपने आंचल में आतंक को न केवल पालपोश रहे हैं बल्कि उन्हें अत्याधुनिक हथियार देकर अनेक देशों के साथ छदम्म युध्द तक कर रहे हैं। दुनिया के हालातों से कहीं अधिक घातक देश की आन्तरिक स्थिति होती जा रही है। सनातन एकता के नाम पर दिखावे वाले प्रयासों पर धरातली हमलों का जबाब मिलने लगा है। नारों की आवाज पर आक्रमण की प्रतिध्वनियां गूंजने लगीं हैं। राजनैतिक दरवाजे से उकसावे की चीख लगाने वाले ओवैसी के साथ मजहबी मंचों से उलेमाओं का शोर हाहाकार मचाने को बेचैन है। मजहबी एकता के सामने सनातनी ढिढोरों की आवाज नक्कारखाने में तूती बनकर रह गई है। जातिगत विभाजनों को मिटाने की पहल पर जातीय विभाजन के पक्षधर सीना तानकर सामने आ रहे हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता यात्रा के उद्देश्यों पर कांग्रेसी विचारधारा के पक्षधर रहे शंकराचार्य स्वरूपानन्द जी के शिष्य अविमुक्तानन्द जी ने खुलकर विरोध शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्यों ने वैचारिक विभेद की हांडी को चौराहे पर फोड दिया है। संभल से लेकर अजमेर तक के धार्मिक आस्थानों पर चल रहे विवाद पर 8 सेक्सन वाले द प्लेसेज आफ वर्शिप एक्ट 1991 की दुहाई दी जा रही है। यूं तो सन् 1965 में ताजमहल को अतीतकालीन शिव मंदिर के रूप में रेखांकित करने की पहल हुई थी परन्तु तत्कालीन सत्ताधारियों ने वोट बैंक की दूरगामी नीतियों के तहत उसे बलपूर्वक मिटा दिया था। ऐसे प्रयास समय-समय पर होते रहे हैं। सनातनी धरती पर बाह्य आक्रान्ताओं ने आस्था के आयामों को तोडा, उन पर स्वयं की आराधना पध्दति के गुम्बज स्थापित किये और चाटुकारों की एक बडी संख्या को अपना अनुयायी बनाकर हमेशा के लिए अशान्ति का बीजारोपण कर दिया। वास्तविकता में देखा जाये तो जीवन जीने की कला और आस्था के बदले प्रतिमानों ने ही भाई को भाई का दुश्मन बना दिया है ।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे। मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।

आर.के. सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन, ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं। पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है, जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है।

वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ह्लदूसरेह्व के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त, 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी।

अमृत महोत्सव और सनातन संस्था का रजत जयंती समारोह संपन्न हुआ

महाराष्ट्र गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री शेखर मुंदड़ा ने इस अवसर पर कहा कि जिस प्रकार महाराष्ट्र ने गोमाता को राज्य माता का दर्जा दिया है, उसी प्रकार गोवा राज्य को भी गोमाता को राज्य माता का दर्जा देना चाहिए। यदि सभी राज्य गोमाता को राज्य माता का दर्जा देंगे, तो गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिलने में देर नहीं होगी, ऐसा भी उन्होंने कहा। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा ह्यसी.ए.ए.ह्व कानून में सुधार की प्रक्रिया में सनातन संस्था का सहभाग था। वक्फ संशोधन विधेयक तैयार करने की प्रक्रिया में भी सनातन संस्था द्वारा किए गए सुझाव स्वीकार किए गए हैं।

श्री. चेतन राजहंस
राष्ट्रीय प्रवक्ता, सनातन संस्था

श्री चेतन राजहंस

राष्ट्रीय प्रवक्ता, सनातन संस्था

सनातन संस्था के सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवले द्वारा लिए गए हिंदू राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने का समय आ गया है! - प. पू. स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज पर्वरी (गोवा) झ्र कुछ वर्ष पूर्व हिंदू शब्द का उच्चारण करना कठिन था। सनातन का उच्चारण उससे भी कठिन था। ऐसी विपरीत परिस्थिति में सनातन संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले जैसे एक सत्पुरुष, महात्मा निष्ठे से यहां (गोवा में) आकर खड़े होते हैं और अपने तपस्या का आरंभ करते हैं। यह सनातन धर्म का शंखनाद है, यह केवल शंखनाद नहीं बल्कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना करने के लिए शंखनाद है। सनातन संस्था के बढते हुए कार्य को देखते हुए, ह्ययह कार्य अब रुकेगा नहीं, यह उत्तरोत्तर बढता ही जाएगा और एक दिन हिंदू राष्ट्र स्थापना का लक्ष्य साकार करेगा, इसकी गारंटी मिलती है। सनातन के 25 वर्षों के कार्य को देखते हुए हिंदू राष्ट्र साकार होने का समय आ गया है, ऐसा यशोगान ह्यश्रीराम जन्मभूमी तीर्थक्षेत्र न्यासह्व के कोषाध्यक्ष प.पू. स्वामी गोविंददेव गिरी महाराज ने किया। वे ह्यसनातन संस्थाह्व के रजत जयंती समारोह के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर 1350 लोगों की उपस्थिति थी। सुकुर पंचायत सभागृह, पर्वरी गोवा में भावपूर्ण वातावरण में यह समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह के अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्री. श्रीपाद नाईक, गोवा के पर्यटन मंत्री श्री. रोहन खंवटे, महाराष्ट्र गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री. शेखर मुंदडा, गोवा के विधायक श्री. चंद्रकांत शेट्ये, विधायक श्री. प्रेमेंद्र शेट, विधायक श्री. उल्हास तुयेकर, सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ते श्री. चेतन राजहंस सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। इनके साथ इस समारोह में सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले के एक आध्यात्मिक उत्तराधिकारी श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा सिंगबाळ, सनातन की संत पू. दिपाली मतकर, तथा ह्यसनातन प्रभातह्व नियतकालिक समूह के पूर्व समूह संपादक पू. पृथ्वीराज हजारे की वंदनीय उपस्थिति रही। प.पू. स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज आगे बोले कि , कितने भी उदात्त विचार हों, फिर भी शक्ति न हो, तो वे व्यर्थ हैं। शक्ति न हो, तो ह्रास होता है। सनातन संस्था का सबसे बड़ा विशेषता यह है कि सनातन ने 25 वर्षों में केवल धर्म का प्रसार नहीं किया, बल्कि प्रतिरोध करने वाला समाज निर्माण किया। उसने समाज को सक्षक किया । समर्थ रामदासस्वामी ने यही कार्य किया है। एक समय ह्यसनातनह्व यह शब्द भी कोई उच्चारत नहीं था। अब मात्र राजधानी दिल्ली में ह्यसनातन बोर्डह्व स्थापित करने की मांग हो रही है। यह ह्यसनातनह्व शब्द गोवा से (अर्थात ह्यसनातन संस्थाह्व इस नाम के कारण) दिल्ली में गया है। यह ह्यसनातनह्व शब्द की ताकत है। 25 वर्षों में सनातन संस्था के सामने कई चुनौतियां पैदा हुईं, कई संकट आए। आज सनातन के तपस्या का (अर्थात व्यापक धर्मकार्य का) परिणाम हमें देखने को मिल रहा है। सनातन संस्था के विषय में जितने गुन गाएं, वे उतने थोडे ही हैं। गोवा सरकार देव, देश और धर्म रक्षण के कार्य के लिए कटिबद्ध है! मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत देव को महत्व दिया, तो धर्म जागृत रहा और धर्म जागृत रहा तो देश जागृत रहा। इसके लिए गोवा सरकार देव, देश और धर्म रक्षण के कार्य के लिए कटिबद्ध है। सनातन संस्था ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए आज देशभर में भरीव कार्य किया है। सनातन संस्था का गोवा के रामनाथी में स्थित आश्रम से हिंदू धर्म के रक्षण का महत्वपूर्ण कार्य चलता है। सनातन संस्था का ह्यसनातन प्रभातह्व यह नियतकालिक हिंदुओं पर देश और विदेश में हो रहे अत्याचार, तथा हिंदू द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्य की निरंतर जानकारी देकर हिंदुत्व की जागृति का कार्य कर रहा है। परम पूज्य गोविंददेव गिरी महाराज जैसे कई राष्ट्र संतों के कारण भारत में देव, देश और धर्म रक्षण का कार्य चल रहा है, ऐसा प्रतिपादन गोवा राज्य के मुख्यमंत्री श्री. प्रमोद सावंत ने किया। सनातन संस्था के कार्य के कारण हजारों लोग तनावमुक्त और व्यसनमुक्त बने! श्री. श्रीपाद नाईक, केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री प.पू. गोविंददेव गिरि महाराज का कार्य महर्षि वशिष्ठ के समान अखंड धर्मरक्षण का कार्य किया है। महाराजों की साधना और कार्य के कारण असंख्य जीवनों में अच्छा परिवर्तन होकर आज राष्ट्रभक्त निर्माण हो रहे हैं। सनातन संस्था ने हिंदू धर्म के पुनर्स्थापना का विलक्षण कार्य किया है। इस कार्य के कारण हजारों लोग तनावमुक्त और व्यसनमुक्त जीवन जीने लगे हैं। सनातन के कार्य के कारण धर्म और अध्यात्म का रक्षण हुआ है, ऐसा यशोगान केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्री. श्रीपाद नाईक ने किया ।गोवा के पर्यटन मंत्री श्री. रोहन खंवटे ने कहा कि, सनातन संस्था सनातन धर्म के रक्षण और मानवीय मूल्यों के रक्षण का महान और पवित्र कार्य कर रही है। राजकीय क्षेत्र में कार्यरत लोगों ने धर्मरक्षण के कार्य को भी हाथ बटाना चाहिए। गोवा की पहचान पूर्ण ह्यसन, सँड और सीह्व (समुद्रकिनारे) ऐसी थी। पर्यटन विभाग ने गोवा की यह पहचान बदलने का प्रयास गोवा सरकार ने शुरू किया है। गोवा सरकार ने छत्रपती शिवाजी महाराज के गोवा में कार्यों की जानकारी पुढीली पीढी तक पहुंचाने के लिए श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर की पुर्ननिर्मान किया है । इस समय सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. चेतन राजहंस ने कहा कि , सनातन संस्था हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए गत 25 वर्षों के काल में जिहादी, कम्युनिस्ट, अर्बन नक्सलवादी आदि का प्रखर विरोध सहन कर ईश्वर के कृपा से निडरता से धर्म कार्य कर रहे है । आज ह्यप्रखर हिंदुत्वनिष्ठ संघटनाह्व के रूप में सनातन संस्था कार्य कर रही है।

अब सर्वोच्च न्यायालय पूजा स्थल अधिनियम की रक्षा करे

पी सुधीर

संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था। उत्तर प्रदेश के स्थानीय न्यायालयों में हमने जो देखा है- वाराणसी, मथुरा और अब संभल में-वह सदियों पुरानी मस्जिदों को हिंदू वर्चस्व स्थापित करने के लिए युद्ध के मैदान में बदलने की योजनाबद्ध कोशिश है। उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में हुई घटनाएं, जिसमें पांच युवा मुस्लिम पुरुषों की मौत हो गयी, संसद द्वारा अधिनियमित पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के महत्व को रेखांकित करती है। यह कानून देश की आजादी 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थलों की स्थिति के अलग ह्यकिसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण; (धारा 3) को प्रतिबंधित करता है और उस समय की स्थिति के अनुरूप ह्यकिसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाये रखने का प्रावधान करता है (धारा 4)। कोई भी व्यक्ति ह्यकिसी भी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी भी वर्ग के पूजा स्थल को उसी धार्मिक संप्रदाय के किसी अन्य वर्ग या किसी अन्य धार्मिक संप्रदाय के पूजा स्थल में परिवर्तित नहीं कर सकता;। ध्यान रहे कि रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया था। 2019 में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ के फैसले ने भी पूजा स्थल अधिनियम की वैधता को दोहराया था और कहा था कि मौजूदा धार्मिक स्थलों के खिलाफ कोई दावा कानून द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी थी। जिला अदालत में दायर एक याचिका में कहा गया है कि मस्जिद को एक ध्वस्त मंदिर के खंडहर पर बनाया गया था। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सर्वेक्षण जारी रखने की अनुमति देते हुए कहा कि 1991 के अधिनियम के तहत किसी धार्मिक स्थल की प्रकृति का पता लगाना वर्जित नहीं है। बाद में न्यायालय ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता केवल 15 अगस्त, 1947 को स्थान की स्थिति का पता लगाने की मांग कर रहे हैं, न कि अधिनियम के अनुसार स्थान की प्रकृति को बदलने या परिवर्तित करने की। इस भयावह निर्णय से, हिंदू संप्रदायवादियों के लिए विभिन्न स्थानों पर कानूनी विवाद खड़ा करने के लिए बाढ़ के द्वार खुल गये, जहां मस्जिदें मौजूद हैं। ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण की मांग के बाद मथुरा में ईदगाह में इसी तरह का मामला सामने आया और जिला अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। इसके बाद संभल का मामला आया। 19 नवंबर को जिला अदालत ने अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर एक आवेदन के आधार पर 1526 में निर्मित मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति दी, जिन्होंने पहले मथुरा और वाराणसी की जिला अदालत में याचिकाएं दायर की थीं। इस तथ्य के बावजूद कि मस्जिद एक संरक्षित स्मारक है, आवेदन को तुरंत स्वीकार कर लिया गया। आश्चर्यजनक तत्परता के साथ, अदालत ने एक अधिवक्ता आयोग का गठन किया और उसी दिन सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। सर्वेक्षण रिपोर्ट 29 नवंबर को प्रस्तुत की जानी थी। मस्जिद समिति को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। मस्जिद समिति के पूर्ण सहयोग से सर्वेक्षण किया गया। हालांकि, 24 नवंबर को सर्वेक्षण दल मस्जिद में एक और सर्वेक्षण करने पहुंचा। इस बार उनके साथ न केवल पुलिस थी, बल्कि बड़ी संख्या में लोग ह्यजय श्री राम के नारे लगा रहे थे। मुसलमानों की भीड़ जमा हो गयी और कुछ ही देर बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी, पत्थरबाजी, लाठी चार्ज, आंसू गैस और गोलीबारी शुरू हो गयी। तीन युवा मुस्लिम युवकों की गोली लगने से मौत हो गई और बाद में दो और घायल हो गए। स्थानीय समाजवादी पार्टी के सांसद और समाजवादी पार्टी के विधायक के बेटे पर पुलिस द्वारा दर्ज की गयी एफआईआर में दंगा और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ शासन में किसी भी बहाने से मुसलमानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया जा रहा है। कुछ सप्ताह पहले बहराइच में हुई सांप्रदायिक हिंसा के कारण मुस्लिम समुदाय के खिलाफ राज्य का दमन हुआ और बड़ी संख्या में मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया। हिंदूवादी संगठन कानूनी तरीके से विवाद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मस्जिदों को निशाना बना रहे हैं। संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था। उत्तर प्रदेश के स्थानीय न्यायालयों में हमने जो देखा है-वाराणसी, मथुरा और अब संभल में-वह सदियों पुरानी मस्जिदों को हिंदू वर्चस्व स्थापित करने के लिए युद्ध के मैदान में बदलने की योजनाबद्ध कोशिश है। सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि यह सब खुद सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस चंद्रचूड़ के नेतृत्व में संभव हुआ, जिसने उसी कानून की अवहेलना की जिसका पालन करने का आदेश पहले सभी को दिया था। अगर इस विनाशकारी रास्ते को पलटना है, तो सुप्रीम कोर्ट को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और पूजा स्थल अधिनियम की पवित्रता को बनाये रखना चाहिए, जो 15 अगस्त, 1947 के बाद पूजा स्थल के बारे में कोई भी कानूनी विवाद उठाने की अनुमति नहीं देता है।

संक्षिप्त खबरें

पैदल फेरी लगा कर पैदल कपडा बेचने वाले को लुटा

प्रातः किरण, संवाददाता

चनपटिया। सिरसिया थाने के आजाद चौंक से बहला फुसलाकर युपी के एक युवक फेरी लगा कर कपडा बेचने वाले को 22हजार रुपए के समेत नगद 1500 रुपए को दो बाइक सवार बदमाशों ने चाकू दिखाकर कर लुट पाट कर लिया है। पीड़ित सद्दाम अंसा-री आजाद नगर युपी के रहने वाले ने बताया कि अल्हे शुबह युपी से बस से आजाद चौंक पर कपड़े बेचने के लिए उतरा। तभी बिना नम्बर के उजले अपाची बाइक पर दो बदमाश मेरे पास आकर बोला कि मेरे घर शादी तुम्हारे सभी कपड़े खरीदने लेंगे। उनके बातों के झांसा में आकर उसके बाइक पर सवार होकर जाने लगा इस दौरान एक सुनसान जगह पर बाइक रोक छुरा दिखा सभी कपड़े तथा नगद रूपए छीन कर बदमाशों ने भाग निकला। सद्दाम ने बताया कि वहां के सरपंच के पास जाकर आप बीती सुनाया तो उन्होंने पुलिस को सूचना देकर वहां बुलाया। बरहाल रोते बिलखते उक्त युवक अपने घर वापसी के लिए लोगों से चन्दा के लिए दर दर भटक रहा है।पुछे जाने पर सिरसिया थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी ने बताया कि इसकी कोई सूचना नहीं है।

पैक्स चुनाव मे नएज्यादा पुराने चेहरे विजयी रहे

प्रातः किरण, संवाददाता

बनियापुर। प्रखंड मे तीसरे चरण के पैक्स चुनाव चुस्त दुरुस्त प्रशासनिक व्यवस्था के बींच शांतिपूर्ण परिणाम घोषित हो गया है है।बनियापुर मे हुए 25 पंचायतो मे 17 पंचायतो मे पैक्स चुनाव हुए, जिसमे पैगंबरपुर मे ह-रेंद्र सिंह को हराकर प्रकाश सिंह उर्फ रुपक सिंह विजयी हुए बेदौली संतोष कुमार,बनियापुर मे राम मोहन रस्तोगी सतुआ मे पूनम देवी सरेया से लालबाबू यादव मनिकपुरा से अभिमन्यु सिंह रघुवंशी धवरी से दिलीप कुमार यादव कन्हौली मनोहर से स्वामी सत्यानंद ठाकुर उर्फ चुन्नू धवरी दिलीप कुमार यादव लौवा ओम प्रकाश गिरी कमता जंगबहादुर राय सहाजितपुर शशि रंजन कुमार सुरौधा इंदु देवी मनोपाली पुराना चेहरा मारीचा पुराना चेहरा जीत दर्ज कराई वही अन्य पंचायतो मे देर शाम तक मत गणना की करवाई चल रही थी ।प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ रमेन्द्र कुमार ने बताया कि 22 पंचायत मे पांच पंचायत मे अध्यक्ष पद पर निर्विरोध पीठौरी, हरपुर,सहाबुद्दीन भिट्ठी ,करही,सिसई निर्विरोध हो गया(

पांच मुखी हनुमान मंदिर में मंदिर में चोरी, मामला दर्ज

जलालपुर । पांच मुखी हनुमान मंदिर में चोरों ने दान पेट्टी तोड़ कर चोरी किया। मामला दर्ज हो गया।

चोरों की पिचर कैद लोगों का कहना है कि करीबन 40000 की चोरी हुई जो जलालपुर थाने से डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर सुबह में तमाम लोगों की भीड़ लगी रही मंदिर कमेटी के तमाम लोगों ने प्रशासन पर देर से आने की बातें कहीं लोगों का यह भी कहना था कि रात में तीन-तीन चौकीदार रहते हैं इसके बावजूद भी चोरी हो गई ग्रामीणों में बहुत गुस्सा है मंदिर कमेटी के संस्थापक का कहना है कैसे क्षेत्र घटनाएं जलालपुर में आए दिन होते रहती है प्रशासन इस अंकुश नहीं लगा पता ।

राजद के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने बबली राज यादव के न्यायिक सेवा में आने पर दी शुभकामनाएं

प्रात : किरण, संवाददाता

आरा। बबली राज यादव के न्यायिक सेवा में आने पर बधाई देने पहुंचे राजद के वरिष्ठ नेता अरुण यादव साथ ही अनिल यादव और डॉक्टर राजेंद्र मणियारा बबली राज के माता-पिता दोनों शिक्षक हैं ग्राम शिवपुर संप्रति आरा है इस प्रतियोगी परीक्षा पास होने पर हजारों लोगों ने सम्मानित करने पहुंचे रहे हैं।

पिता धर्मेंद्र यादव तथा माता प्रोफेसर नीलम सिंह दिन भर आदत प्रिय जनों को मिठाई खिलाने में मशगूल हैं राजद नेता बबली को स्कूली शिक्षा दिलाने मे मदद किए थे आज अंग वस्त्र और फूल माला से सम्मानित किया गया और उज्जवल भविष्य के लिए के लिए शुभकामनाएं भी साथियों ने दिया बबली न्यायिक सेवा के 32वें बेंच में आठवीं रैंक प्राप्त किया है जो जिला का नाम ऊंचा किया है हम सभी इनके उज्जवल भविष्य का कामना करते हैं

हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी कार्यक्रम आयोजित

हादसों के मददेनजर गैस उपभोक्ताओं को दी गई सुरक्षा और रख-रखाव की जानकारी

■ कार्यशाला में ओम इंटरप्राइजेज के संचालक अभिषेक सिंह ने कहा उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा के प्रति गंभीर

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा । एलपीजी गैस की सुरक्षा और रख-रखाव की जानकारी खासकर महिला उपभोक्ताओं को जरूरी है, गैस लीक होने की स्थिति में यह जानकारी कारगर साबित हो सकती है ' यह बातें भगवान बाजार स्थित ओम कंपलेक्स के सभागार में हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड सिवान के सेल्स मैनेजर कृष्ण कुमार ने कही '

बता दें कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी कार्यक्रम के माध्यम से तीनों गैस कंपनियों के उपभोक्ताओं को गैस का इस्तेमाल और रख-रखाव की बेसिक जानकारी दी जा रही है ' सेल्स मैनेजर सिवान के कृष्ण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि तेल विपणन कंपनियों द्वारा 5 मार्च 2024 को शुरू किए गए बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान का उद्देश्य प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर निरीक्षण के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक घरों को कवर करना है। सेल्स मैनेजर कृष्ण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि एलपीजी इंस्टॉलेशन में किसी भी सुरक्षा खतरे के लिए ग्राहकों के लिए निरीक्षण निःशुल्क है, और पुरानी नली या गैर-मानक नली को रियायती मूल्य पर बदला जाता है। अब तक, 8 करोड़ से अधिक घरों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग प्रतिस्थापन हुआ है। 3.5 करोड़ नलियाँ।

इस अभियान के एक भाग के रूप में, तेल विपणन कंपनियों द्वारा ह्महमारी रसोई हमारी ज़िम्मेदारीह्व थीम के तहत खाना पकाने की प्रतियोगिता रविवार को भगवान बाजार स्थित ओम कंपलेक्स के सभागार में सफलतापूर्वक आयोजित की गई ।

तेल कंपनियां द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पाक कौशल का जश्न मनाते हुए खाना पकाने में एलपीजी हैंडलिंग और सुरक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ाना है ।

इस अवसर पर जागरूकता कार्यशाला को संबोधित करते हुए हिंदुस्तान पेट्रोलियम सिवान के एएसएम पवन कुमार ने कहा कि वितरकों के बेहतर समन्वय और सहयोग से 8 करोड़ का लक्ष्य अब तक प्राप्त किया जा चुका है, शेष लक्ष्य को भी प्राप्त कर लिया जाएगा ' एरिया सेल्स मैनेजर सिवान के पवन कुमार तिवारी ने एलपीजी जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से खासकर महिलाओं को एलपीजी और रख -रखाव की बारीकियां से अवगत कराया ' साथ ही गैस लीक होने की स्थिति में तत्काल कैसे निपटा जाए, इसके भी गुर सिखाए ' उन्होंने यह भी कहा कि इस जागरूकता शिविर में प्रतिभागियों और दर्शकों पर रोजमर्रा के खाना पकाने में एलपीजी के जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग के महत्व के बारे में एक स्थायी प्रभाव भी छोड़ा।

प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई, जिसमें 80 प्रतिभागियों ने सुरक्षित एलपीजी हैंडलिंग प्रथाओं का पालन करते हुए अपनी खाना पकाने की प्रतिभा का प्रदर्शन किया। न्यायाधीशों के पैनल ने एलपीजी सुरक्षा, डिश गुणवत्ता, प्रस्तुति और स्वच्छता जैसे मानदंडों पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार संजू देवी ने जीता, द्वितीय पुरस्कार आरती कुमारी तृतीय पुरस्कार लालती देवी को मिला ।

आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने और सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के अभियान के मिशन में योगदान देने के लिए सभी प्रतिभागियों, न्यायाधीशों और उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया ।

एलजी जागरूकता शिविर में ओम इंटरप्राइजेज के संचालक सह वितरक अभिषेक सिंह, जय मां भारत गैस के डिस्ट्रीब्यूटर राणा प्रताप सिंह एवं आरएमवी इनई शिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल सुनीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं शहर के गणमान्य उपस्थित थे '

पकहा के खिलाड़ियों ने बैशाली को दो गोल से किया पराजित

प्रात : किरण, संवाददाता

अमनौर। प्रखंड के पकड़ीडीह क्रीड़ा मैदान में ठाकुर प्रसाद सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल फुटबॉल मुकाबला आयोजित की गई।जिसमें बैशाली बनाम पकहा के बीच शुरू हुई।खेल का उदघाटन मुख्यतिथि पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय बिद्यालय के संस्थापक प्रो ओम प्रकाश सिंह ने किया।दोनो टीम के खिलाड़ीओ ने खेल का जबरदस्त प्रदर्शन किया।खेल देखने के लिए दर्शको की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी।शुरूआती दौर में अपना जलवा दिखाते हुए बैशाली के खिलाड़ियों ने दो गोल किया।इसके जबाब में पकहा के खिलाड़ियों ने लगातार चार गोल कर अपना बिजयी परचम लहराया।पारितोषिक बितरण समारोह कर दोनो खिलाड़ियों को कप मेडल प्रदान कर पुरष्कृत किया गया।बेस्ट 22 टू बैशाली से प्रेम कुमार बेस्ट 11 रितेश कुमार पकहा को चयन किया गया। अम्बिका राय ने कहा कि फुटबॉलखेल ग्रामीण स्तर से धीरे धीरे बिलुप्त के कगार पर है।खिलाड़ियों से आग्रह किया कि इस खेल को जीवंत बनाये रखने के लिए आप सभी को अथक प्रयास करनी होगी।पहले फुटबॉल दुनिया मे सबसे लोकप्रिय खेल था।इस मौके पर मुख्य रूप से उमेश सिंह शनि सिंह शिला सिंह शिव नाथ सिंह चन्दन सिंह बिनय कुमार हरेंद्र प्रसाद श्याम प्रकाश सिंह गजेंद्र सिंह एनसीसी शिक्षक धर्मेन्द्र सिंह पकहा कैप्टन रितेश यादव ,बैशाली के कृष्णा कुमार,समेत सैकड़ो लोग शामिल थे।.

गीता जयंती के अवसर पर 11 दिवसीय कार्यक्रम में जिला स्तरीय लेखन पेंटिंग श्लोक संवाद प्रतियोगिता का छपरा में हुआ शुभारम्भ

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। गीता जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में आज भरत मिश्र संस्कृत महाविद्यालय सलेमपुर छपरा के प्रांगण में पेंटिंग लेखन श्लोक संवाद जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रो उच्चारण एवं दीप प्रज्वलित मुख्य अतिथि अरुण पुरोहित के साथ बद्रीनाथ नारायण पांडेय,कमलाकर मिश्र ,सुधांशु शर्मा,आचार्य अम्बरीष मिश्रा, विनोद कुमार सिंह डायरेक्टर सारण आईटीआई उत्तम कुंडू एवं अजय सिंह ने संयुक्त रूप से किया। जिसमें छपरा शहर के दर्जनों स्कूल के सैकड़ो बच्चों ने भाग लिया । विभिन्न प्रतियोगिताओं को अलग-अलग वीक्षको द्वारा लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक ने कहा समिति का लक्ष्य जन जागरण के द्वारा हर घर तक गीता को पहुंचाना लक्ष्य है गीता हमें जीवन जीने की कला बताती है मनुष्यों की हर समस्या का समाधान गीता में है। 3 साल के अथक प्रयास का ही आज नतीजा है की हजारों की संख्या में(4 से 15 साल उम्र) के बच्चे प्रतियोगिता में भाग लेकर गीता के श्लोक पढ़कर उसके अर्थ को अपने परिवार में समझा रहे हैं । कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने अपने विचार रखें । मुख्य अतिथि अरुण पुरोहित ने बताया गीता जयंती 11 दिसंबर को सभी लोग अपने घरों में गीता का पूजन करें गीता का पाठ करें अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ बैठकर गीता पर परिचर्चा करें। जिला के सभी प्रखंड में 11 दिसंबर तक यह कार्यक्रम चलता रहेगा। इस अवसर पर नरेश चौबे अनिल शुक्ला ,सीमा सिंह,मिथिलेश सिंह,कामेश्वर सिंह विद्वान ,विमलेश सिंह ,सुरेश चौबे, वैगरह उपस्थित रहे ।

छपरा निगम की प्रथम मेयर प्रिया देवी जी की प्रथम स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा नगर निगम की प्रथम मेयर स्मृतिशेष प्रिया देवी जी का प्रथम स्मृति दिवस के अवसर पर बड़ा तेलपा, नयी वस्ती,छपरा स्थित उनके निवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया ।मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रालोमो के जिलाध्यक्ष डा. अशोक कुशवाहा ने कहा की जन्म - मृत्यु प्रकृति के नियम के अधीन है, जो जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकन जन्म के बाद मनुष्य संसार के इस रंगमंच पर शुभाशुभ जैसा कर्म कर्तव्य करता है, दुनिया उसे उसी रूप में याद करती है। कहते हैं, ह्लदुनिया से जानेवाले,जाने वाले जाने चले जाते हैं कहाँ। कोई ढूढ़े कैसे उनको,नहीं कदमों के हैं निशां ह्व लेकिन प्रिया देवी जी ने अपने अल्पायु जीवन में ऐसा गहरा छाप छोरा हैं, जो कभी मिट नहीं सकता हैं, अपनी कर्म के बल पर ये 100 से अधिक वर्षों तक जिन्दा रहेंगी और हम सबों के दिलों पर राज करती रहेंगी। लेकिन अगर हम सब चाहते हैं की हमसब की प्रिया देवी जी का नाम सदा-सदा के लिए अमर रहे,तो प्रिया देवी जी के नाम पर कोई बारी संस्था का निर्माण करना होगा।जिसके माध्यम से समाज का कल्याण हो सके और यही उनके लिए सबसे बड़ी एवं सच्ची श्रद्धांजलि होंगी। मौके पर पूर्व मेयर प्रत्याशी एवं प्रिया जी के पति मिंटू सिंह, मनीष सिंह, पुत्री पल्लवी, पुत्र उत्पल राज,छपरा नगर निगम की पूर्व मेयर राखि गुप्ता, पूर्व मेयर प्रत्याशी राजन एकबाल,पूर्व जिला अभियंता चन्द्रभूषण सिंह,उपेंद्र सिंह,सुनील कुमार सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष रामाकांत सिंह डब्लू ,सारण जिला ब्यावसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष वरुण प्रकाश,सुरेन्द्र राय,हरेंद्र कुमार सिंह, विन्दु सिंह,अभिनव सिंह, पप्पू चौहान, मो0 नियाजुद्दीन,राजकुमार सिंह, रामलोकी सिंह, अजय सिंह, राजू श्रीवास्तव,शम्भू बैठा, सुजीत कुमार मोर, चुन्नू सिंह, गोपाल सिंह के साथ सैकरों प्रबुद्ध जनों ने ने उपस्थित होकर प्रिया देवी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में ह्लप्रिया देवी-अमर रहें ह्व ह्ल जब तक सूरज चाँद रहेगा, प्रिया देवी का नाम रहेगा ह्ल के गुंजायमान नारों से कार्यक्रम का समापन किया गया।

राजद छात्र इकाई बैठक का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। राजद छात्र का एक दिवसीय बैठक रक्सौल में महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रामबाबू यादव के आवास पर हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजद छात्र जिला अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि छात्र ही आने वाले समय मे देश का भविष्य है, वे पढ़े लिखे और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और साथ में कहा कि 2025 में माननीय तेजस्वी यादव को विधानसभा में भा-री से भारी मतों से विजई बनाकर, उनको आने वाले चुनाव में हम लोग को मुख्यमंत्री बनाना है, ताकि बिहार में जो बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा रोजगार दिलाया जा सके। रक्सौल विधानसभा में छात्र मजबूती से अपनी भूमिका को निभाएं ताकि आने वाले समय में विधानसभा में राजद उम्मीदवार को भारी से भारी मतों से विजई बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश यादव, जिला अध्यक्ष छात्र राजद, सैफुल आजम विधानसभा प्रभारी, सुनील कुशवाहा, जिलाध्यक्ष व्यवसायिक प्रकोष्ठ, रवि मस्करा जिला प्रवक्ता, राजेश साह जिला महासचिव, ओम प्रकाश शर्मा प्रदेश सचिव, राजीव रंजन जिला सचिव, अरमान आलम प्रखंड अध्यक्ष युवा राजद, दिनेश राम प्र-खंड अध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रक-ोष्ठ, अवधेश यादव, प्रखंड अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, मुमताज खान एवं एजाजुल हक सहित सैकड़ों छात्र राजद नेता मौजूद थे।राजद छात्र इक-ई बैठक का हुआ आयोजन रक्सौल। राजद छात्र का एक दिवसीय बैठक रक्सौल में महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रामबाबू यादव के आवास पर हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजद छात्र जिला अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि छात्र ही आने वाले समय मे देश का भविष्य है, वे पढ़े लिखे और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और साथ में कहा कि 2025 में माननीय तेजस्वी यादव को विधानसभा में भारी से भारी मतों से विजई बनाकर, उनको आने वाले चुनाव में हम लोग को मुख्यमंत्री बनाना है, ताकि बिहार में जो बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा रोजगार दिलाया जा सके। रक्सौल विधानसभा में छात्र मजबूती से अपनी भूमिका को निभाएं ताकि आने वाले समय में विधानसभा में राजद उम्मीदवार को भारी से भारी मतों से विजई बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश यादव, जिला अध्यक्ष छात्र राजद, सैफुल आजम विधानसभा प्रभारी, सुनील कुशवाहा, जिलाध्यक्ष व्यवसायिक प्रकोष्ठ, रवि मस्करा जिला प्रवक्ता, राजेश साह जिला महासचिव, ओम प्रकाश शर्मा प्रदेश सचिव, राजीव रंजन जिला सचिव, अरमान आलम प्रखंड अध्यक्ष युवा राजद, दिनेश राम प्र-खंड अध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रक-ोष्ठ, अवधेश यादव, प्रखंड अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, मुमताज खान एवं एजाजुल हक सहित सैकड़ों छात्र राजद नेता मौजूद थे।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय के छात्र हुए गोल्ड मेडल से सम्मानित

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अंगीभूत महाविद्यालय श्रीचंद उदासीन महाविद्यालय,हिलसा ,नालंदा में भारतीय मनोवैज्ञानिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में वर्तमान शोध के अवसर एवं चुनौतियों विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार से पूरे प्रदेश से 200 से अधिक शोधकताओं, शिक्षक,मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविद के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। सेमिनार के दूसरे दिन तकनीक सत्र का आयोजन किया जिसमें जय प्रकाश विश्वविद्यालय के 35 छात्रों के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले छात्रों को भारतीय मनोवैज्ञानिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ तारणि जी के द्वारा रवि शेखर आजाद, मनोरंजन पाठक, अंजली कुमारी, विकास रंजन,रिंकी कुमारी, रंजित कुमार, रितु शिखा एवं पूजा कुमारी को 2024 से सम्मानित किया गया।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो, डॉ पूनम सिंह नालंदा में हुए समान्नित सभी शोधार्थीओ को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

वही इस अवसर पर वहां मौजूद आईपीए के राष्ट्रीय अध्यक्ष तारणी जी एवम महाविद्यालय के प्रिंसिपल गजेंद्र प्रसाद गडकर एवम राज्य भर से आये शोधार्थी और प्रोफेसर सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई दी।

बच्चों के कानूनी सेवा योजना 2024 के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कोर्ट।बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार सारण के द्वारा चाइल्ड फ्रेंडली लीगल सर्विस फॉर चिल्ड्रेन स्कीम 2024 का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन न्यायालय परिसर के न्याय सदन में हो गया। समापन समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पुनीत कुमार गर्ग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आठ पैनल अधिवक्ता एवं दस अधिकार मित्र को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। विधिक प्राधिकार के सचिव सह ए सी जे एम धर्मेंद्र कुमार पांडे सेवानिवृत्त न्यायाधीश ओम प्रकाश सिन्हा न्यायिक पदाधिकारी प्रशांत त्रिपाठी न्याय रक्षक पूर्णेन्दु रंजन प्रभारी नोडल पदाधिकारी सह यातायात डीएसपी सरिता टुडू, सी डब्लू सी की करकसा प्रवीण जिला विधिक प्राधिकार के कर्मचारी नजरे इमाम बिजेंद्र कुमार धर्मेंद्र कुमार भी उपस्थित थे। जिला विधिक प्राधिकार के सचिव ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कानून के साथ संघर्ष करने वाले बच्चे विशेष रूप से कमजोर होते हैं और उन्हें विशेष सुरक्षा की सहायता की आवश्यकता होती है और इसी उद्देश्य से नालसा ने बच्चों के अनुकूल कानूनी सेवा योजना 2024 लागू किया है। जो मुफ्त तथा सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने के संवैधानिक जनादेश को वास्तविक बनाती है ।इस योजना में बच्चों के लिए एक कानूनी सेवा इकाई एल यू सी सी गठित की गई है जिनके सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है।जिसका उदेश्य जीरो से अठारह वर्ष तक के बच्चों को कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

अति पिछड़ा समुदाय के लोगों को एक प्लेटफार्म पर आने की जरूरत: हिसामुद्दीन अंसारी

■ इस समुदाय के वंचितों और शोषितो के हक को ले महाजुटान का पटना में आज

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा (आजादी के 77 साल बाद भी अति पिछड़ा समाज को आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से निचले पायदान पर है, अति पिछड़ा समाज के सभी जातियों का एक जुट होकर एक मंच पर आने की जरूरत है ' आगामी 2 दिसंबर को गांधी मैदान स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल पटना के सभागार में अति पिछड़ा एकीकरण अभियान के तहत महाजुटान होगा ' उक्त बातें अति पिछड़ा एकीकरण अभियान समिति के सदस्य हिसामुद्दीन अंसारी ने छपरा भ्रमण के दौरान ये कही ' बता दें कि हिसामुद्दीन अंसारी ने श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित अति पिछड़ा एकीकरण अभियान कार्यक्रम में सारण से अधिक से अधिक भागीदारी को लेकर अति पिछड़ा समाज से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रण दिया ' उन्होंने कहा कि आजादी के लंबे समय के बाद भी इस समुदाय को शैक्षणिक, आर्थिक,सामाजिक और राजनीतिक रूप से हक नहीं मिल पाया है ' उन्होंने पांच सूत्री मांगों को लेकर कहा कि अति पिछड़ों की 36 प्रतिशत आबादी के के अनुपात में हर स्तर पर आरक्षण को सुनिश्चित किया जाए, अति पिछड़ा वर्ग उत्पीड़न निवारण कानून अनुसूचित जाति के तर्ज पर बनाया जाय, रोहिणी आयोग की रिपोर्ट को शामिल कर आपत्ती निवारण के बाद कपूर्री फामूर्ला लागू किया जाय, अति पिछड़ा समुदाय में गरीब भूमिहीन को चिन्हित कर 5 डिसमिल जमीन एवं आवास मुहैया कराया जाय तथा अतिपिछड़ों को रोजगार के लिए बिना किसी गारंटी के 25 लख रुपए उपलब्ध कराना सुनिश्चित की जाय आदि मांगों को लेकर 2 दिसंबर को श्री कृष्ण मेमोरियल हाल से अति पिछड़ा एकीकरण अभियान का शंखनाद होगा ' जिसमें सारण सहित बिहार के कई जिलों के अति पिछड़ा समाज का महाजुटान होगा ' अति पिछड़ा एकीकरण अभियान समिति के सदस्य हिसामुद्दीन अंसारी ने सारणवासियों से इस समुदाय के लोगों को सोमवार को आयोजित अति पिछड़ा एकीकरण अभियान में जुटने का अपील किया।

संगठन चुनाव की तैयारी शुरू,15 नवम्बर को भोजपुर जिला संगठन पर्व कार्यशाला का आयोजित

आरा । भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार मे संगठन के चुनाव की तैयारी शुरू हो गया। भारतीय जनता पार्टी भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता में जिले के सभी 32 मंडलो में बुथ कमिटी गठित करने के बाद मंडल अध्यक्ष चुनाव हेतु जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें कार्यशाला के माध्यम से जिला चुनाव अधिकारी रूप नारायण मेहता जी ने सभी मंडल संगठन पर्व सहयोगी,जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधीगण,नेतागणो के साथ संगठन पर्व के तहत संगठन की मजबूती और महत्व पर चर्चा की बैठक में विधायक श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पुर्व विधायक संजय टाईगर, जिला प्रभारी संजय कुशवाहा ने भी संगठन के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की नम्बर 1 पार्टी हो गयी है यह सब आप सभी कार्यकताओं की कठीन परिश्रम की देन है बैठक में जिला संगठन पर्व सहयोगी डा कन्हैया सिंह, संतोष चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद थे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष धिरेन्द्र सिंह ने किया।

प्रतियोगिता के विजेता प्रबल सिंह उपविजेता शिवांश बरनवाल और दूसरा उपविजेता स्वरित राज बन

पाचवी चंपारण शतरंज अकादमी अंडर 17 प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।अखिल बिहार शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त चंपारण शतरंज अकैडमी के द्वारा आयोजित पाँचवी चंपारण शतरंज अकादमी अंडर 17 ओपन शतरंज प्रतियोगिता अकादमी के प्रांगण कोतवाली चौक बेतिया में रविवार को संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता की शुरूवात मेरा स्वाभिमान ट्रस्ट के प्रचार प्रमुख के श्री प्रेम शंकर जी के द्वारा और शिवांश बरनवाल के द्वारा शतरंज का चाल चलकर शुरू किया ।यह प्रतियोगिता स्विस सिस्टम में चार चक्रों में खेला गया । अकादमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन के द्वारा परिणाम चार चक्र का समाप्ति के बाद परिणाम।

चौथे चक्र का परिणाम प्रबल सिंह ने मनीष कुमार को, शिवांश बरनवाल ने विष्णु प्रताप सिंह को, स्वरित राज ने कृष्व कुमार को, तौसिफ अलम ने शेख रेहान को हराया ।

अंतिम चक्र समाप्ति के बाद शीर्ष खिलाड़ी

01 - प्रबल सिंह - 3.5
02- - शिवांश बरनवाल - 03
03 - स्वरित राज - 03
04- मनीष कुमार - 1.5
05- -विष्णु प्रताप सिंह - 1.5
06- कृष्व कुमार - 1
07-तौसिफ अलम 1
08- शैख रेहान - 1

पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि चंपारण शतरंज अकादमी के निर्देशक नवीन जायसवाल और प्रेम शंकर जी, संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन के द्वारा सभी खिलाडियों को ट्रॉफी, मेडल और ई सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

ज्ञान होने से बैराग्य और परमात्मा को जानने से प्रेम हो जाएगा : श्री जियर स्वामी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा :आरा प्रखंड के खजुरिया ग्राम में प्रवचन करते हुए श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि संसार में जितनी भी दिखने वाली वस्तुएं हैं वे सब नास्वर है। ईश्वर प्राप्ति में यह सब बाधा है। क्योंकि जब तक संसार से बैराग्य नहीं होगा जब तक ईश्वर की प्राप्त नहीं हो सकती। जब मनुष्य संसार के बारे में हकीकत जान लेगा तो उसे बैराग्य ले लेगा लेकिन जब ईश्वर के बारे में जान लेगा तो उनसे प्रेम हो जाएगा। भगवान की तरफ खिंचाव होने का नाम भक्ति है। भक्ति कभी पूर्ण नहीं होती। प्रत्यूष उत्तरोत्तर बढ़ती ही रहती है। भेद मत में होता है प्रेम नहीं। प्रेम संपूर्ण मत वादों को खा जाता है। भागवत प्रेम में जो आनन्द है वह ज्ञान में नहीं है। ज्ञान में तो अखंड आनन्द है पर प्रेम में अनंत आनन्द है। तपस्या से प्रेम नहीं मिलता प्रत्यूष शक्ति मिलती है। प्रेम भगवान में अपनापन होने से मिलता है। जिसका मिलना अवश्यंभावी है उस परमात्मा से प्रेम करो और जिसका बिछुड़ना अवश्यंभावी है उस संसार की सेवा करो। प्रेम वही होता है जहां अपने सुख और स्वार्थ की गंदगी नहीं होती। जब तक साधक अपने मन की बात पूरी करना चाहेगा तब तक उसका न शगुण में प्रेम होगा न निर्गुण में जो चीज अपनी होती है वह सदा अपने को प्यारी लगती है। अतः एकमात्र भगवान को अपना मान लेने पर भगवान में प्रेम प्रकट हो जाता है। जब तक संसार से प्रेम है तब तक भगवान में असली प्रेम नहीं है। जब तक नाशवान की तरफ खिंचाव रहेगा तब तक साधन करते हुए भी भगवान की तरफ खिंचाव और उसका अनुभव नहीं होगा।

प्रेम मुक्ति से भी आगे की चीज है मुक्ति तक तो जीव रस का अनुभव करने वाला होता है। पर प्रेम में वह रस का दाता बन जाता है। ज्ञान मार्ग में दुख बंधन मिट जाता है और स्वरूप में स्थित हो जाताहै। पर मिलता कुछ नहीं। परंतु भक्ति मार्ग में प्रतिक्षण प्रेम मिलता है। खजुरिया यज्ञ स्थल पर स्वामी जी मी जी से दर्शन करने हेतु काफी दूर से लोग आ रहे हैं। समिति ने बताया कि आज भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा और पूणाहुति भी होगा।

छूटे हुए टोले को बारहमासी सड़क से मिलेगी संपर्कता प्रदानः मंत्री

ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन को 14 नवम्बर 2024 को बिहार मंत्रि परिषद् से लागू किया गया

प्रात किरण संवाददाता

औरंगाबाद। ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन निर्मित एवं पंचवर्षीय रुटीन अनुरक्षण, डिफेक्ट लाईबीलीटी अवधि से बाहर हुए एवं बाहर होने वाले सभी ग्रामीण पथों के नियमित एवं व्यवस्थित पुनर्निर्माण, उन्नयन, नवीनीकरण हेतु मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत एक नये अवयव के रुप में ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन को 14 नवम्बर 2024 को बिहार मंत्रि परिषद् से लागू किया गया है। जिसके तहत औरंगाबाद जिला में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2024 तक पंचवर्षीय रूटीन अनुरक्षण से बाहर 1893.486 किलोमीटर लम्बाई में कुल 952 पथों एवं अरवल जिला में 172.64 किलोमीटर में 138 पथों का चयन किया गया है। इनकी स्वीकृति हेतु पथ का सर्वे का कार्य किया जा रहा है। उक्त बातें ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अषोक चौधरी ने शरिवार की देर शाम परिसदन में आयोजित ग्रामीण कार्य विभाग औरंगाबाद एवं अरवल के अभियंताओं एवं पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक में कही। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद जिला में छूटे हुए टोले बसावट को बारहमासी सड़क से संपर्कता प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क (अवषेष) योजना के तहत 883.077 किलोमीटर लम्बाई में 653 पथों एवं अरवल जिला में 102.150 किलोमीटर में 118 पथों का विभागीय ऐप के माध्यम से पुनः सत्यापन का कार्य कराया जा रहा है। इसके उपरान्त सभी अनजुड़े बसावट को एकल संपर्कता प्रदान करने हेतु पथ का निर्माण कराया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध संपर्कता हेतु ग्रामीण पथों पर छूटे हुए पुल-पुलिया एवं पहूँच पथ के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत औरंगाबाद जिला

में जिला स्तरीय संचालन समिति के अनुमोदनोपरांत कुल 44 पुलों एवं अरवल जिला में 20 पुलों के निर्माण हेतु प्राथमिकता सूची तैयार की गई है, जिसकी स्वीकृति इस योजना के तहत दी जायेगी। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना अन्तर्गत औरंगाबाद जिला में 56.76 किलोमीटर लम्बाइ में 7 पथों एवं अरवल जिला में 14.02 किलोमीटर में 3 पथों की स्वीकृति दी गई है, जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। बिहार ग्रामीण पथ नई अनुरक्षण नीति-2018 के अन्तर्गत औरंगाबाद जिला में 1027.41 किलोमीटर में 308 पथों की स्वीकृति दी गई है, जिसमें 852.28 किलोमीटर में 261 पथों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं शेष पथों का कार्य विभिन्न स्तरों पर प्रगति पर है। वही अरवल जिला में 254.38 किलोमीटर में 135 पथों की स्वीकृति दी गई है, जिसमें 196.92 किलामीटर में 100 पथों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं शेष पथों का कार्य विभिन्न स्तरों पर प्रगति पर है। पंचवर्षीय अनुरक्षण के अधीन पथों की सत्त निगरानी हेतु विभाग द्वारा मोबाईल अधारित बीआरआरएमएस एप विकसित किया गया है। इस एप के माध्यम से क्षेत्रीय अभियंताओं के अलावे विभागीय उड़नदस्ता टीम एवं जिला प्रषासन के द्वारा निरीक्षण कराया जाता है। निरीक्षण के उपरान्त असंतोषजनक पाये जाने वाले पथों में मरम्मति का कार्य कराकर उच्च अधिकारी द्वारा पुनः एप के माध्यम से निरीक्षण किया जाता है। बैठक में विज्ञान एवं प्राधौगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह, विधान पाषर्द संजय सिंह, पूर्व सांसद एवं विधायक विरेन्द्र कुमार सिंह, पूर्व विधायक व जदयू जिलाध्यक्ष अषोक कुमार सिंह, मंत्री के निजी सलाहकार दीपक पाण्डेय मौजूद थे। ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य अभियंता ई. शत्रुधन प्रसाद, अधीक्षण अभियंता ई. मो. अरषद, कार्य प्रमण्डल औरंगाबाद के कार्यपालक अभियंता ई. अरूण कुमार दूबे, कार्य प्रमण्डल अरवल के कार्यपालक अभियंता ई. अषोक कुमार, सहायक अभियंता ई. सौरव श्रीवास्तव, ई. अमरदीप सुमन, ई. संजय कुमार, ई नीरज सिंह, ई. रोहित कुमार, कार्य अंचल औरंगाबाद के ई. सूरज कुमार पाण्डेय, ई. रणदीप मौर्य, ई. मनोज कुमार सुमन सहित अन्य अभियंता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

तिलौथू के सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच पैक्स चुनाव संपन्न, मतगणना आज

प्रात किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास) : तिलौथू प्रखंड क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। रविवार को चुनाव को लेकर सभी बूथों पर सुबह सात बजे से ही मतदान शुरू हुआ और 4:30 बजे तक चला। वहीं मतदान कर्मी देर शाम तक अपने-अपने मतदान केंद्र से मतपेटी लेकर प्रखंड के राधा शांता महाविद्यालय के वज्रगृह में जमा किया। चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था काफी चाक-चौबंद थी। शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर सेक्टर पदाधिकारी नियुक्त किए गए थे। वही सभी बूथों पर दंडाधिकारी नियुक्त थे। निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ अंकिता जैन एवं तिलौथू थाना प्रभारी रवि प्रियदर्शी अपनी टीम के साथ सभी बूथों पर निरीक्षण करते रहे ताकि किसी भी प्रकार की कोई भी विवाद नहीं हो। मतदाताओं ने भी शांतिपूर्ण मतदान किया। जिसमें सभी अध्यक्ष एवं सदस्य के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला मतपेटी में बंद हो गया। मतगणना सोमवार को सुबह 8 बजे से प्रखंड के राधा शांता महाविद्यालय में होगी। वही निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि सभी पंचायतों में रविवार को मतदान संपन्न हो गया है। सोमवार को 2 दिसंबर की सुबह 8 बजे से पंचायतवार मतगणना की जाएगी। जिसकी पूरी तैयारी कर ली गई है।

शेरघाटी प्रखंड क्षेत्र में 65 प्रतिशत हुआ पैक्स का मतदान

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।प्रखंड क्षेत्र के चार पंचायत में पैक्स चुनाव हुआ संपन्न जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी स्नेहिल आनंद ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के चार पंचायत में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया गया है,उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि मतदान का प्रतिशत 65% रहा है जिसमें मतदाताओं ने चढ़-बढ़ कर हिस्सा लिया है। और लोग अपने मताधिकार के प्रयोग करने के लिए सुबह से ही कतर वध मतदान केंद्र पर दिखे। बता दे कि उक्त चुनाव के मध्य नजर रखते हुए मतदान केंद्रों पर पुलिस पदाधिकारी के अलावे मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए थे।ताकि किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो सके वही चुनाव के मध्य नजर रखते हुए 144 धरा लगाते हुए 200 मीटर की परिधि पर रहने की अनुमति दी गई थी। इधर बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के चार पंचायत में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है।वहीं उक्त मतदान के बाद अभ्यर्थियों के किस्मत पिटारी में बंद हो गया है।

ईसीआरएमसी ने निकाला बाइक जुलूस, रेलकर्मियों से पक्ष में मतदान की अपील

जमुई/झाझा। रेलवे में होने वाले चुनाव को लेकर अलग अलग यूनियन के पदाधिकारियों, सदस्यों के द्वारा अंतिम चरण में होने वाले प्रचार प्रसार को लेकर अलग अलग तरीको से रेलकर्मियों के बीच चुनावी प्रचार करने में जुटे हुए हैं। बीते चुनाव में रेलवे में मान्यता प्राप्त यूनियन ने जो वादा रेलकर्मियों के बीच किया था वह पूरा नही हुआ इसलिए इस बार रेलकर्मी अपने आप को ठगने से बचे और रेलकर्मियों के हित मे लड़ाई लड़कर काम करने का भरोसा दिया।

आरा नगर निगम के स्थाई कर्मियों और सफाई मजदूरों की बैठक संपन्न तथा आंदोलन करने का ऐलानः क्यामुद्दीन अंसारी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा :आरा के रमना मैदान मे आरा नगर निगम के सफाई मजदूरों और स्थाई कर्मचारियों की एक संयुक्त बैठक सम्पन्न हुयी.बैठक की शुरूआत मजदूर आंदोलन के दिवंगत नेता का.गोपाल प्रसाद के श्रद्धांजलि से हुई. इस बैठक मे सभी निगम कर्मियों के वेतन विसंगती पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा एक बड़े आंदोलन की रुप - रेखा तैयार की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता सरुन राम ने की तथा संचालन अमर नाथ प्रसाद ने की.

आरा नगर निगम के सभी मजदूरों को संबोधित करते हूए भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि सफाई मजदूरों के साथ निगम प्रशासन मनमानी करता है त्योहार के दिनों मे छुट्टी की अवधि मे काम लेता है पर मजदूरों को उस अवधि की मजदूरी हड़प जाता है वही 31 दिनों के महिने मे 4 रविदास पड़ने पर एक अतिरिक्त दिन की मजदूरी नगर आयुक्त ड़कर जाते है.

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि अकुशल मजदूरों को सरकार 783 प्रति दिन मजदूरी तय की है पर आरा नगर आयुक्त 450 प्रति दिन मजदूरी दे रहे है इससे साफ पता चलता है कि मजदूरों की बड़े पैमाने पर हकमारी हो रही है.

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि स्थाई कर्मचारियों को आरा नगर निगम के आयुक्त 7 वां वेतन मान आयोग की सिफारिश का लाभ विभागिय पत्र के बाद भी नहीं दे रहे है वहीं अपना वेतन 7 वें वेतन मान के आयोग की सिफारिश के तहत उठा रहे है ,यह निन्दनिय है.

माले नेता ने जोर देकर कहा कि हर किमत पर मजदूरों की हक मारी के खिलाफ आवाज बुलंद होगा. तथा 8 दिसंबर 2024 को एक विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा.तथा छठ पुजा मे निगम प्रशासन के घोषित डेंजर जोन मे काम कर रहे मजदूर की मौत जिम्मेदार निगम प्रशासन उचित मुआवजा दे तथा उक्त इलाके मे काम करा रहे जमादार पर ऱ्ऋफ़ करते हुए उसे गिरफ्तार किया जाय.

आज की बैठक मे सामिल प्रमुख लोगों मे क्यामुद्दीन अंसारी, सरुन राम ,अमर नाथ प्रसाद, अशोक सिंह, कल्लू यादव, सहित सैकड़ों मजदूर थे।

विकास वैभव के सम्मान में रोहतास लेट्स इंस्पायर की ओर से सासाराम के फजलगंज न्यू स्टेडियम में आयोजित तृतीय वृहत जन-संवाद कार्यक्रम, भारी-भरकम भीड़ के साथ सम्पन्न हुआ

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) । बिहार के विद्वान एवं बहुचर्चित आईपीएस अधिकारी तथा लेट्स इंस्पायर बिहार के संस्थापक विकास वैभव के सम्मान में रोहतास लेट्स इंस्पायर की ओर से सासाराम के फजलगंज न्यू स्टेडियम में आयोजित तृतीय वृहत जन-संवाद कार्यक्रम भारी-भरकम भीड़ के साथ सम्पन्न हुआ।

आईपीएस आईजी सह रोहतास के पूर्व एसपी विकास वैभव के रोहतास पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम शुरू होने के पूर्व विकास वैभव द्वारा शहर के धर्मशाला चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

वहां से काफिला न्यू स्टेडियम में पहुँचा। जहाँ करतल-ध्वनि से स्वागत किया गया। फिर स्वस्तिवाचन तथा शंखनाद के साथ ही आईपीएस विकास वैभव, राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपालनारायण सिंह गोबीन्द नारायण सिंह सोनू सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में भारी संख्या में आये युवाओं को सम्बोधित करते हुए आईपीएस आईजी विकास वैभव ने कहा कि लेट्स इंस्पायर बिहार का उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत में एक ऐसे विकसित बिहार का निर्माण का है।

जिसमें किसी भी युवाओं को शिक्षा, रोजगार तथा स्वास्थ्य के लिए यहां से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़े। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा की लेट्स इंस्पायर से अबतक प्रत्यक्ष रूप से डेढ़ लाख तथा परोक्ष रूप से लाखों लोग जुड़कर इसे शिक्षा, संस्कृति, समता एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए कृतसंकल्प हैं। इस मौके पर विकास वैभव ने कहा कि इस अभियान के तहत बिहार में उद्यमिता की व्यापक क्रांति लाने का लक्ष्य है, जिससे बिहार में ही रोजगार का सर्वाधिक सृजन हो सके। साथ ही प्रत्येक बिहार-वासियों को शिक्षित तथा स्किल्ड बनाने हेतु समाज के हर वर्ग को जोड़कर एक व्यापक इकोसिस्टम निर्मित करने की आवश्यकता है, जिसमें जो युवा स्वरोजगार, स्टार्टअप, उद्यम एवं व्यवसाय की ओर बढ़ते हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग तथा मार्गदर्शन दिया जा सके।

आईपीएस विकास वैभव ने अपने सम्बोधन में कहा की उद्यमिता की क्रांति के बीजारोपण हेतु बिहार के हर जिले में 2028 तक अभियान के माध्यम से 100 से भी अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने की क्षमता वाले कम-से-कम पाँच सफल स्टार्टअप स्थापित करने का लक्ष्य है।

शिक्षा के क्षेत्र की चर्चा करते हुए विकास वैभव ने कहा की आज महिलाओं द्वारा स्थापित गार्गी अध्याय के माध्यम से बिहार के आठ जिलों में वंचित विद्यार्थियों के लिए 18 गार्गी पाठशाला केन्द्रौं पर निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है तथा वंचित महिलाओं के स्वरोजगार हेतु गार्गी कला-कौशल केन्द्रौं एवं गार्गी कृत्या के जरिये उत्कृष्ट प्रयास किया जा रहा है।

लेट्स इंस्पायर बिहार के संस्थापक ने अपने सम्बोधन में स्पष्ट किया कि यह संगठन कहीं से भी राजनीतिक नहीं है और न ही यह किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय या फिर लिंग-भेद से संबद्ध है। यह संगठन सिर्फ समता,शिक्षा, संस्कृति एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर है। इस मौके पर राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह, गोविंद नारायण सिंह,एसपी वर्मा, अखिलेश सिंह, समाजसेवी रामअवतार राय, जीएम अंसारी, आलोक रंजन उपमेयर सत्यंवती देवी समाजसेवी चंद्रशेखर सिंह दशमेश सिंह बरनाला तथा कार्यक्रम के संयोजक यश उपाध्याय सहित अनेक मंचासीन अतिथियों ने अपना विचार प्रकट करते हुए लेट्स इंस्पायर के पवित्र उद्देश्यों को आगे ले जाने तथा इस अभियान को आगे भी सफल बनाने का अनुरोध किया।

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड दिनारा और सूर्यपुरा में पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

दिनारा(रोहतास) : अनुमंडल के दिनारा व सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र में पैक्स चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण संपन्न हुआ । अनुमंडल के दोनों प्रखंडों के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से ही मतदाताओं की लंबी कतारें लग गई थी । काफी संख्या में महिला मतदाता भी मतदान केंद्रों पर कतार में खड़ी दिखी । मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ ।इसके साथ ही दोनों प्रखंडों के सभी पंचायतों के सभी प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में बंद हो गई । अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र के दोनों प्रखंडों में प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 60 प्रतिशत मतदान हुआ है ।खबर लिखे जाने तक मतदान करने की प्रक्रिया चल रही थी ।

उन्होंने कहा कि कहीं से किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है । मतदान शांतिपूर्ण रहा । शांतिपूर्ण निष्पक्ष व भयमुक्त माहौल में चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए सभी बूथों पर पुलिस बल तैनात थे । नोडल पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी दिन भर मतदान केंद्रों का जायजा लेते रहे ।

खजुरिया में हो रहे यज्ञ के पूणार्हुति संपन्न

भंडारे में हजारों- हजार की संख्या मे स्वामी जी के भक्त प्रसाद पाने के लिए पहुंचे

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । ग्राम खजुरिया में हो रहे यज्ञ के पूणार्हुति के दिन श्री जियर स्वामी जी महराज द्वारा अपने वाणी से अपने भक्तों को कहा कि आप अपना कर्तव्य करते रहे फल की इच्छा अपने मन मे व्यक्त न करे जो आप बोंईएगा वही मिलेगा ,आप किसी भी बेटी,बहन,को गलत निगाह से देखते है ये भी एक पाप है चाहे आप कितने भी पूजा पाठ क्यों न करे आप कभी सुख शांति प्राप्त नहीं कर सकते हैं ।

मानव अपने आप झंझट को पाल लिए है जिससे उन्हें कभी शांति नहीं मिल पाती है कल 2.12.24 को स्वामी जी के सुबह की आरती होने के बाद इस यज्ञ का समापन होगा विशेष भंडारे मे हजारो हजारो की संख्या मे स्वामी जी के भक्त पहुंच रहे है

और महा प्रसाद ग्रहण कर रहे है गाँव की महिलाये इस भंडारे मे अपना श्रम दान दे रही है इस यज्ञ को सफल बनाने में प्रमुख लोगों मे देव कुमार सिंह मीडिया प्रभारी ,शंकर भगवान सिंह,राजवीर सिंह,श्रीकांत पांडे,मिथिलेश सिंह,सचिन देव सिंह,मुकेश सिंह,शिल्पा कुमारी,सरस्वती कुमारी,अमरेंद्र सिंह,भंडारी सिंह,प्रिंस सिंह,गुडू ठाकुर,कमल सिंह,इत्यादि लोगों का बहुत बड़ा योगदान रहा । धन्यवाद देव कुमार सिंह मीडिया प्रभारी यज्ञ कमिटी ग्राम खजुरिया ने किया। इसके अलावा भी कई अन्य लोगों काभी सराहणाीय योगदान रहा।

उप विकास आयुक्त ने किया गया पंचायत स्तरीय अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । प्रखंड आरा सदर के ग्राम पंचायत हसनपुरा के ग्राम-अलीपुर में किसान सुगन लाल, के खेसरा सं0-756, रकबा 32 डि० में कृषि वर्ष 2024-25 के लिए पंचायत स्तरीय अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण डॉ० अनुपमा सिंह, उप विकास आयुक्त, भोजपुर द्वारा किया गया। अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग 105 वर्ग मीटर में किया गया। कटनी के बाद वजन 34.070 कि० ग्रा० पाया गया, जिससे उपज 68 क्विंटल 14 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर आंका गया। निरीक्षण के दौरान श्री मदन नारायण सिंह, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, भोजपुर, श्री शत्रुघ्न

साहु, जिला कृषि पदाधिकारी, भोजपुर, मो० जुल्फेकार आदिल, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, भोजपुर, श्री मनिन्द्र कुमार, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी, भोजपुर, श्री मनोज कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, आरा सदर, श्री प्रभा शंकर सिंह, कार्यपालक सहायक, प्रयोगकर्ता श्री सुशील कुमार राम, किसान सलाहकार, ग्राम पंचायत हसनपुरा तथा श्री सुगन लाल, किसान उपस्थित थें। इनके अतिरिक्त ग्राम पंचायत के सरपंच श्री विन्देश कुमार सिंह एवं लगभग 15-20 की संख्या में पंचायत के गणमान्य ग्रामीण उपस्थित थें। श्री मदन नारायण सिंह, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा बताया गया कि राज्य की निरंतर बढ़ती जनसंख्या को भोजन मुहैया कराने, कृषि आधारित औद्योगिकरण का सुदृढ़ आधार तैयार करने तथा आर्थिक व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कृषि उत्पाद का बढ़ावा जरुरी है। इसलिए प्रतिवर्ष के प्रत्येक मौसम में फसलों का उपज दर का आंकलन आवश्यक है जिससे हम पता कर पायेंगे कि उत्पाद में वृधि हो रही है या कमी। उत्पाद वृधि से हम अपनी जनसंख्या को अनाज मुहैया करा पाएंगे यदि उपज दर में कमी हो रही हो तो वह कौन-कौन से कारण हैं इसका पता कर पाएंगे। इसी क्रम में फसल सहायता योजनान्तर्गत मुख्य फसल अगहनी धान, रब्बी गेंहूँ इत्यादि का प्रत्येक पंचायत में पाँच प्रयोग अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा पंचायत स्तरीय फसल कटनी प्रयोग कराया जाता है।

विराट शिव गुरु महोत्सव की पूर्ण सफलता हेतु एक गोष्ठी का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : शिव शिष्य परिवार बिक्रमगंज अनुमंडल की अंतर्गत विराट शिव गुरु महोत्सव की पूर्ण सफलता हेतु एक गोष्ठी का आयोजन बिक्रमगंज के डुमरांव रोड कन्या प्रोजेक्ट विद्यालय के प्रांगण में की गई। इस गोष्ठी में शिव शिष्य परिवार के सभी अधिकारी पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने एक स्वर से अपने पूर्व के कार्यों की समीक्षा की। विराट शिव गुरु महोत्सव 29 दिसंबर दिन रविवार को स्थान काशी घाट बिक्रमगंज में होगा। इस महोत्सव में मनु भैया एवं निहारिका दीदी का शुभ आगमन होने जा रहा है आध्यात्मिक आयोजन में सभी भाई बहनों का निमंत्रण दिया जा रहा है। गुरु गोष्ठी में ही शिव गुरु के स्वरूप एवं शिव गुरु पर विस्तार से चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों ने शिव की महता को बताया । साथ ही साथ लोगों के बीच इस प्रचार प्रसार करने की अपील की गई। शिव गुरु के प्रति लोगों का श्रद्धा और विश्वास के साथ प्रेम बढ़ रहा है। आध्यात्मिक आयोजन से लोगों को जीवन जीने की कला सीखने की प्रेरणा प्राप्त होगी । इस बैठक में प्रेम कुमार उर्फ भोला ,अनिल ,श्रवण, बबन ,सहित गुरुभगिनी विमला देवी, मीरा देवी ,अनीता देवी ,कलावती देवी, देवंती देवी, सुनीता देवी, रीना देवी के साथ-साथ 20 सूत्री सदस्य बिहार सरकार रोहतास नवीन चंद्र शाह उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन आरती प्रार्थना के साथ संपन्न हुआ।

पत्रकार इलेवन एवं डॉक्टर इलेवन के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन

- डॉक्टर इलेवन की टीम विजेता तथा पत्रकार इलेवन की टीम उप विजेता बनी
- विजेता तथा उपविजेता टीम को प्रदान की गई ट्रॉफी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शहर के मझौंवा स्थित हवाई अड्डा मैदान में रविवार की सुबह पत्रकार इलेवन बनाम डाक्टर इलेवन के बीच एक दिवसीय फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। डाक्टर इलेवन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

निर्धारित 16 ओवर में डाक्टर इलेवन की टीम ने 175 रन बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार इलेवन की टीम निर्धारित ओवर में 165 रन ही बना सकी। इस प्रकार डॉक्टर 11 की टीम विजेता तथा पत्रकार 11 की टीम उपविजेता बनी। डाक्टर

इलेवन की ओर से डॉ. सुयश को मैन ऑफ मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। वही बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड पत्रकार इलेवन के मिन्टू कुमार को दिया गया।

फैंसी क्रिकेट मैच के अंत में मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी कन्हैया प्रसाद ने विजेता तथा विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान किया। वहीं मैन ऑफ द मैच तथा बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड दिया।

इस मौके पर कन्हैया प्रसाद ने कहा कि ऐसे आयोजन से लोगों में प्रेम व भाईचारा बढ़ता है। इस तरह की प्रतियोगिता से हमारे बीच छिपी प्रतिभा उभर कर सामने आती है।

ऐसे आयोजन को लेकर वे सहयोग करते रहेंगे। पत्रकार इलेवन की ओर राकेश राजपूत (कप्तान) मिथलेश कुमार (उप कप्तान), कृष्ण कुमार, गौरव सिंह, सैयद मेराज, मनीष सिंह, तारकेश्वर प्रसाद, दीपक सिंह, सोनू सिंह, चंदन सिंह, मिंटू कुमार, शशि, अनीश, विजय थे। वही डाक्टर इलेवन में डॉ. आनंद अभिषेक (कप्तान), राहुल (उप कप्तान), डॉ. अभिनित, डॉ. अमित जयसवाल, डॉ. लोकेश, डॉ. सुयश, डॉ. अमरजीत, डॉ. मनीष, डॉ. रोहित तिवारी, राहुल, रोहित, हर्षवर्धन, हैप्पी, मोहित आदि थे।

सहकारिता मंत्री द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ गया जिले में विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की

प्रातः किरण संवाददाता

गया। मंत्री सहकारिता विभाग सह वन विभाग डॉ प्रेम कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती, नगर आयुक्त कुमार अनुराग सहित अन्य संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ गया जिले में विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से फल्गु नदी को आस्था के तौर पर पूरी तरह स्वच्छ रखने के उद्देश्य से विशेष पहल करने को कहा है। मंत्री ने कहा कि फल्गु नदी की पवित्रता को देखते हुए फल्गु नदी को स्वच्छ रखने के लिए जिला प्रशासन नगर निगम एवं आम जनता अलग-अलग स्वच्छता अभियान चलाए एवं नदी को पूरी तरह स्वच्छ रखने का कार्य करें। फल्गु नदी की माता को देखते हुए और उसे आस्था को बनाए रखने के लिए पुरी शुद्धता एवं सस्ता को बरकरार रखना होगा नदी के किसी भी छोड़ पर या किसी भी किनारे पर कहीं भी कोई गंदा पानी प्रवाहित नहीं हो इसके लिए नगर निगम विशेष अभियान चलाएं साथ ही नदी के किसी भी छोर पर कोई कूड़ा कचरा ना फेके, नदी को पूरी तरह स्वच्छ रखें, इसे सुनिश्चित करवाये। आमजनों को इसके लिए जागरूक करवाये। मंत्री ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि फल्गु नदी में जिस स्थान पर भी सीवरेज एव एसटीपी का निर्माण करवाना है ।उसके लिये विभाग से समन्वयन कर तेजी से पूर्ण करवाये, ताकि नदी पूरी तरह निर्मल रहे हैं। नदी में कहीं भी कोई कूड़ा,मकान का मालवा नही फेके, इसके लिये जागरूकता टीम बनाये और लगातार फल्गु की महत्ता एव शुद्धता पवित्रता संबंधित लोगो को जागरूक करें। मंत्री ने भी आम जनो से अपील किया है कि फल्गु नदी काफी पवित्र नदी है यहां भगवान श्री राम स्वयं अपने पिता की पिंडदान करने आए थे इसके अलावा इस वर्ष पितृपक्ष मेला के दौरान 22 लाख के आसपास तीर्थयात्री आए थे तथा हर वर्ष लाखों लाख की संख्या में तीर्थयात्री पिंडदान करने आते हैं। उसकी महत्ता को देखते हुए नदी को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। यह नदी आपकी ही नदी है, इसे अपना नदी समझे। उसे बिल्कुल भी दूषित नहीं करें। इसके बाद उन्होंने विधि व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में बैठक करते हुए कहा कि हाल के दिनों में जिले में कुछ छिटपुट घटनाएं हुई हैं, उस पर पुलिस प्रशासन काफी मुस्तादी से कार्य किया है, आगे भी और पूरी तेजी लाकर अपराधियों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस विभाग द्वारा लगातार अपराधियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है। अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी भी की जा रही है। हाल के दिनों में जिले में बड़े-बड़े आयोजन हुए हैं जिसे बड़े चैलेंजिंग के रूप में पुलिस उसे सफलतापूर्वक निष्पादन किया है। विशेष कर पितृपक्ष मेला में बड़े पैमाने पर तीर्थयात्री गया जी आए थे और बिना किसी घटना घटे सभी पिंडदानी अपने घर को लौटे हैं। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना गया जिले के जिला पदाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक की अहम भूमिका रही है ।जो इतनी बड़ी चुनौतियों को काफी सफलतापूर्वक निष्पादन किया है ।इस बैठक में जिला वन पदाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस उपाधीक्षक यातायात सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के द्वारा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन पर गया जिलाधिकारी एवं एसएसपी को किया गया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

गया। ज्ञान भवन पटना में माननीय मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार के हाथों जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम एव वरीय पुलिस अधीक्षक गया आशीष भारती को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बिहार में पहली बार बड़े पैमाने पर अंतराष्ट्रीय खेल का आयोजन कर खेल की दुनिया के अंतराष्ट्रीय नक्शे पर अपनी अलग पहचान बनाने में सहयोग के लिए दिया गया है।

पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर बिहार के राजगीर स्थित स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स खेल मैदान में महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप 2024 का आयोजन हॉकी इंडिया फेडरेशन द्वारा किया गया था। इस चैंपियनशिप में भारत, थाईलैंड, चाइना, कोरिया, मलेशिया एव जापान की टीम शिरकत हुए थे। 11 नवंबर से 20 नवंबर तक प्रतियोगिता चलती रही है।

सभी 6 टीम गया स्थित बोधगया के होटलों में आवासन किए थे। बोधगया से ही टीम सीधे राजगीर स्पोर्ट्स कंपलेक्स खेलने जाते थे। खेलने के पश्चात वे सीधे बोधगया आया करते थे। इस बीच विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को संधारित करने के लिए जिला पदाधिकारी गया एवं वरीय पुलिस अधीक्षक गया द्वारा काफी अच्छा प्रबंधन किया गया है ।जिसका परिणाम रहा कि आम नागरिकों को परेशानी नहीं हुई है। सभी 6 टीम पूरी सुखद अनुभूति के साथ वह अपने देश को लौटे हैं। महिला हॉकी की थाईलैंड, भारत, चीन सहित अन्य देशों के खिलाड़ियों का गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उनके देश की परंपरागत के अनुसार स्वागत किया गया था। साथ ही भारतीय संस्कृति के अनुरूप भी उनके भव्य स्वागत की व्यवस्था की गई थी। सभी खिलाड़ियों ने इस व्यवस्था को लेकर काफी खुश एवं प्रसन्न दिखे हैं। अपने-अपने देश वापसी के दौरान खिलाड़ियों ने उनके आवासन एवं यातायात के लिए किए गए प्रबंधन एवं उनके स्वागत एवं वापसी के दौरान की बेहतर व्यवस्था को लेकर उन्होंने बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया है। इतनी अच्छी व्यवस्था उन्हें बिहार सरकार ने जिला प्रशासन ने दिया है वह काबिले तारीफ है। रविवार को पटना के ज्ञान भवन में जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती, नगर पुलिस अधीक्षक प्रेरणा कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व परितोष कुमार, जिला प्रशासन के छायाकार मनीष भंडारी को बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने को लेकर सम्मानित किया गया है ।इस सफल आयोजन से बिहार और गया को आगे भी अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलने रास्ता खुल गया है।

सात को युवा जदयू का सम्मेलन होगा आयोजित

बैठक में नवनिर्वाचित विधायक मनोरमा देवी भी हुई शामिल

■ बेलागंज विधायक मनोरमा देवी का युवा जदयू ने किया स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

गयाः बिसार तालाब स्थित जदयू कार्यालय में बेलागंज की नवनिर्वाचित विधायक मनोरमा देवी का युवा जदयू के जिलाध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया है। इस मौके पर अपने संबोधन में विधायक मनोरमा देवी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि युवा जदयू के जिलाध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा ने भी चुनाव में अपने युवा साथियों के साथ काफी सहयोग किया, इसके लिए युवा जदयू के सभी साथियों को धन्यवाद देती हूं। इसके अलावे आगामी सात दिसंबर को गया में होने वाले जिला सम्मेलन को युवा जदयू के जिलाध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि जिला सम्मेलन को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है।

इसके साथ ही एक हजार से अधिक युवा साथी इस सम्मेलन में भाग लेंगे। इस बैठक में गया जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष और सचिव भी इस बैठक में शामिल हुए हैं ।इस स्वागत समारोह सह बैठक में जिलाध्यक्ष द्वारिका दांगी, अवध बिहारी पटेल, शिवा पांडे, शंकर कुमार, अभिषेक कुमार, तरुण कुमार, दानिश राजा, बागी कुमार, विवेक पासवान, मोहित कुमार, मोनू त्रिपाठी, अजित सिन्हा, बीरेंद्र राय, वॉर्नर और सैकड़ों युवा साथी शामिल हुए हैं।

बेलागंज विधायक का भव्य स्वागत एवं जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने पर विचार किया गया विमर्श

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।जदयू कार्यालय गया में जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद के नेतृत्व में बेलागंज की विधायक मनोरमा देवी के आगमन पर पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया है। साथ ही 07 दिसंबर को भुसुंडा मैदान में होने वाला जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया है। इस अवसर पर मनोरमा देवी बोली की सभी कार्यकर्ता बेलागंज चुनाव में काफी मेहनत किए हैं इसीलिए सभी को आभार प्रकट करती हूं। साथ ही उन्होंने कहा की 07 दिसंबर को पार्टी का होने वाला सम्मेलन में बेलागंज विधानसभा एवं जिला के हरेक कोना से लगभग दस हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा की सम्मेलन की सारी तैयारी जोरों पर है पार्टी द्वारा सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में लगातार बैठक कर सभी कार्यकर्ता को आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। जिला के सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं और सम्मेलन ऐतिसाहिक होगा ।इस अवसर पर पूर्व विधायक कृष्णनंदन यादव,जदयू नेता अजय कुशवाहा, देवरानी देवी, सुमित्रा देवी, ज्योति सिंह,जहागीर खान, लालजी प्रसाद, निरज वर्मा,धनंजय शर्मा, शंकर चौधरी,वारिश खान, तबरेज आलम, अजीत शर्मा, रवि चौरसिया, नीरज वर्मा, कमलेश कुमार दिवाकर, पप्पू वर्मा, सोनम दास, उमेश वर्मा, कैलाश पासवान, मितांबरा लोहड़े, बिना देवी, दिनेश सिंह,जितेंद्र पंडित, एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दो वाहन के टक्कर के बाद ग्रामीणों ने वाहन सवार को बनाया बंधक

शेरघाटी ।चेरकी मुख्य मार्ग दरियापुर के निकट शनिवार के देर शाम दो वाहन के जोरदार टक्कर हुआ उक्त घटना में पलामू डीसी के रिश्तेदार की एक्स यू वी एवं ऑल्टो कार के बीच टक्कर के बाद एक्स यू वी में सवार लोगों को स्थानीय लोगों के द्वारा बंधक बना लिया गया था। घटना के जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुँचे गया जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन एसएम एवम शेरघाटी एएसपी शैलेंद्र कुमार ने पहुचकर धंधोपुर के ग्रामीणों के द्वारा बंधक बनाए गए ग्रामीणों से मुक्त करा लिया गया। जानकारी के मोताबिक ग्रामीणों ने मुआवजे को लेकर बंधक बनाया था, जिसे लगभग 45 मिनट के बाद पुलिस ने मुक्त करा ली। उक्त घटना में जे एच 03 ए जे 1001संख्या की एक्स यू वी कार एवं बी आर 02 एपी 1877 संख्या की ऑल्टो कार में भिड़ंत हुई थी। हालांकि इस मामले में दोनों पक्ष द्वारा समझौता की बात बताई गई है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सचिव ने चकरा घाट से निमचिकबाथनी रोड के लिए एसडीओ से की बात

प्रातः किरण संवाददाता

गया लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) के पूर्व प्रत्याशी राष्ट्रीय सचिव शह झारखण्ड प्रभारी अरविन्द कुमार सिंह अतरी विधानसभा के अतरी प्रखंड के चकरा पंचायत मे चकराघाट में मेला का भ्रमण करते हुए वहां का जनता का जनसमस्या के लिए अरविन्द कुमार सिंह ने एसडीओ साहब से बात की है। चकरा घाट से बाथनी के लिए रोड के लिए भी बात की है एवं मोहड़ा प्रखंड के जेठिन गांव में सुरेन्दर सिंह के मृत्यु उपरांत उम्र 80 उनके परिवार से मिलते हुए साथ मे रवि सिंह, निर्भय कुमार, इंदल पासवान अम्बिका सिंह, सोहन, कर्म राजवार, पप्पू यादव।

कला मे बच्चों ने लिया भाग, दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।गया स्थित बीएन झा रोड नियर गोल बगीचा मुरारपुर में सीनियर दिल्ली स्कूल, गया में बजाज फाइनेंस लिमिटेड की तरफ से एक कला प्रतियोगिता आयोजित किया गया है। जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया है। यह प्रतियोगिता दिनांक 30/11/24 को आयोजित किया गया है ।सीनियर दिल्ली स्कूल के डायरेक्टर श्री आलोक राज ने कहा कि इसका महत्व स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने और छात्रों को कक्षा से परे आवश्यक जीवन कौशल सिखाने में निहित है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से लचीलापन, अनुशासन और समय प्रबंधन का निर्माण होता है। यह छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने, कड़ी मेहनत करने और दृढ़ रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे व्यक्तिगत विकास में योगदान मिलता है। इसके साथ समुदाय और आपसी सम्मान की भावना पैदा करते हैं।

डॉ. विजय कुमार कर्ण एचआरयूएफ पेलेटेनियम सर्किल में शामिल

गया ।वैश्विक स्तर की संस्था ह्युमन राइट्स अम्ब्रेला फाउंडेशन-एचआरयूएफ ने गया के मशहूर चिकित्सक एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डा विजय कुमार करण को एचआरयूएफ पेलेटेनियम सर्किल में शामिल किया है ।यह एचआरयूएफ का टाप थ्री का विशेष सर्किल है। एचआरयूएफ चेयरमैन एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता विशाल रंजन दफ्तुआर ने बताया कि ह्युमन राइट्स अम्ब्रेला के मानवाधिकार संरक्षण, चिकित्सा संबंधी और सामाजिक कार्यों के संधान में डा कर्ण के अनुभवों का विशेष लाभ मिलेगा।

विश्व गुरु बनाने में शिक्षकों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।शिक्षा शास्त्र विभाग गया कॉलेज गया में आज पूर्ववर्ती छात्र मिलन का आयोजन किया गया है इस मौके पर पूर्ववर्ती विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हैं । मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य गया कॉलेज गया प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि शिक्षा शास्त्र विभाग के इस सराहनीय पहल की मैं भूरी भूरी प्रशंसा करता हूं कि आज शिक्षा शास्त्र विभाग में वैसे विद्यार्थी जमा हुए हैं शिक्षा शास्त्र विभाग से शिक्षा अर्जित कर आज रोजगार प्राप्त कर अपना जीवन यापन के साथ-साथ शिक्षा शास्त्र विभाग और गया कॉलेज गया का नाम भी रौशन कर रहे हैं ऐसे आयोजनों के लिए प्राचार्य ने विभागाध्यक्ष डॉक्टर धीरज को बधाई व अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हैं अध्यक्ष डॉक्टर धनंजय धीरज ने कहा कि यह शिक्षाशास्त्र विभाग परिवार के लिए ऐतिहासिक अवसर है जहां नवोदित विद्यार्थियों के साथ साथ विभाग से शिक्षा अर्जित कर विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं देने वाले विद्यार्थी आज विभाग में इस अवसर पर उपस्थित हुए हैं डॉ धीरज ने कहा कि 2017 में स्थापित इस विभाग के विद्यार्थियों ने संपूर्ण भारत वर्ष में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थी केंद्रीय विद्यालय नवोदय विद्यालय के साथ-साथ बिहार सरकार में बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा में भारी मात्रा में सफलता प्राप्त की है डॉ धीरज ने कहा कि शिक्षा शास्त्र विभाग का एकमात्र उद्देश्य समाज के लिए योग्य शिक्षकों का निर्माण करना है ।जिनको भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी का भी ज्ञान हो एवं दोनों का समन्वय प्रतिस्थापित करें 21वीं सदी के लिए आदर्श नागरिकों का निर्माण कर सकें डॉ धीरज ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनने एवं विकासशील राष्ट्र बनाने में आप तमाम शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते हैं इस कारण यह जिम्मेवारी शिक्षकों के कंधों पर ही है कि आने वाली पीढ़ी को संस्कारों के साथ-साथ विज्ञान का समागम कर आधुनिक नवाचारों से अवगत कराते हुए विश्व नागरिकता के सपने को साकार कर वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति है तो दर्ज करें ।इस मौके पर शिक्षा शास्त्र विभाग के डॉक्टर सदरे आलम डॉक्टर आर एन प्रियदर्शनी अजय शर्मा मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन शिक्षा शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापिका निखत परवीन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉक्टर अभिषेक कुमार ने किया है इस मौके पर कर्मचारी मुजाहिद इमाम अहमद अश्वनी कुमार ताजवर आदि थे।

विधिक सेवा प्राधिकार के तहत निःशुल्क शिक्षा नियमावली को लेकर दी गई जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी ।बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार एवं प्रधानजिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष मदन किशोर कौशिक के आदेशानुसार एवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष दीपक कुमार के देखरेख में अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, शेरघाटी के बैनर तले रविवार को आमस प्रखंड के अकौना पंचायत भवन में शिक्षा के अधिकार अधिनियम विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता सुनील अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (फ्ळए), 4 अगस्त 2009 को पारित भारतीय संसद का एक अधिनियम है,

जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत भारत में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के महत्व के तौर-तरीकों का वर्णन करता है।

इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लोक अदालत कर्मचारी मनीष प्रकाश ने बताया कि 2009 का आरटीई अधिनियम भारत में हर बच्चे के लिए समान शैक्षिक अवसर सुनिश्चित करने का प्रयास करता है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या वित्तीय स्थिति कुछ भी हो। इसके लिए निजी स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए 25% सीटें आरक्षित करने की आवश्यकता होती है, जिससे समावेशिता को बढ़ावा मिलता है।

साथ ही आगामी 14 दिसंबर को होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर मुखिया, सरपंच प्रतिनिधि, पारा विधिक स्वयंसेवक दानिश अहमद, शिक्षा विभाग के अधिकारी के अलावे ग्रामीण जनता एवम अभिभावक मौजूद थें।

सामाजिक कुरीतियों संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

गया। महिला एवं बाल विकास निगम गया, 25 नवंबर 2024 से 10 दिसंबर 2024 तक चलाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन जागरूकता अभियान के तहत मानपुर एवं अन्य प्रखंडों में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, जीविका दीदी, महिला पर्यवेक्षका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं ग्रामीण के साथ सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, घरेलू हिंसा तथा लैंगिक भेदभाव इत्यादि विषयों पर कार्यक्रम का आयोजन 30 नवम्बर को किया गया है।

मानपुर के कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक देव,,जेंडर स्पेशलिस्ट एवं प्रयास जेएसी संस्था द्वारा शामिल ग्रामीण के बीच सामाजिक कुरीतियों के बारे में बताया गया और किशोरियों तथा महिलाओं के साथ समाज में बाल विवाह तथा लैंगिक भेदभाव , महिला उत्पीड़न ,बालिकाओं की शिक्षा ,स्वास्थ्य ,पोषण देव, एवं उनके कानूनी अधिकारों को बताया गया है इसके साथ हीं महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,पुलिस हेल्पलाइन 112,प्रयास संस्था हेल्पलाइन नंबर 9289692023 को लेकर चर्चा हुई है। इसके साथ ही महिलाओं तथा किशोरियों पर सामाजिक कुरीतियों के नकारात्मक प्रभाव को भी बताया गया। बाल विवाह बंद करो ,घरेलू हिंसा बंद करो, महिलाओं अत्याचार नारे लगे।

बाथे के शहीदों को जदयू, भाजपा की सरकार में नहीं मिला न्याय:महानंद सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिले के बाथे गाँव में भाकपा माले ने नरसंहार में मारे गए 58 महादलितो को श्रद्धांजलि दी गई इस श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर भाकपा माले विधायक कामरेड महानंद सिंह ने शहीद स्मारक पर 1 मिनट की मौन रखकर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी गई ।संबोधित किया विधायक कॉमरेड महानंद सिंह ने कहा कि 1 दिसंबर 1997 को मध्य रात्रि में रणवीर सेना के द्वारा 58 गरीबों को हत्या कर दी गई थी एक माह से लेकर 70 वर्ष की उम्र के लोगों को हत्या रात के अंधेरे में की गई थी उन्होंने बताया कि गरीबों की आवाज को दबाना के लिए यह जनसंहार किया गया था ।हमारी पार्टी लगातार जनसंहारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहा है ।पटना निचली अदालत से सजा भी मिला,लेकिन जनसंहारियों को बचाने के लिए भाजपा के मंत्री संत्री एक कर दिया और हाइकोर्ट से बरी कराने में सफल रहा।अभी हमलोग सुप्रीम कोर्ट में केस को ले गए है ।एक दिन न्याय की जीत जरूर होगी।आज भी नफरत और उन्माद में गरीबों को आगे कर कर भाजपा अपने खास वर्गों को फायदा पहुंचाने में लगा हुआ है। जमीन सर्वे के करा कर गरीबों जमीन से बेदखल करना चाह रहा है ।संविधान को समाप्त करने की कोशिश में लगा है। बाथे में नहर में पुलिया निर्माण का अनुशंसा करने के बाद भी स्वीकृति नहीं दी गई फिर विधान सभा में सवाल उठाए तब जाके पुल पास हुआ । दरअसल भाजपा दलित,गरीब विरोधी सरकार है ।ये नहीं चाहती है कि दलितों को कोई हक मिले। इस मौके पर भाकपा माले जिला सचिव जितेंद्र यादव,राज्य कमिटी सदस्य रविन्द्र यादव,कलेर प्रखंड सचिव कॉमरेड उमेश पासवान,जिला कमिटी सदस्य उमेश कुमार,शोएब अलम,सूर्यनाथ वर्मा, ,ऐपवा नेत्री लीला वर्मा,चंद्रप्रभा देवी,पार्टी के वरिष्ठ नेता आदि थे।

केन्द्र एवं राज्य सरकार के कार्य से विकास की और बढ़ रहा गया शहर

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया,जी के पावन धरती पर भगवान विष्णु की मोक्ष भूमि एवं बुद्ध की ज्ञानस्थली पर भारत सरकार के द्वारा टेक्नोलॉजी सेंटर की स्वीकृत होने के साथ साथ भारत सरकार के द्वारा लगातार गया जी के धार्मिक एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय स्तर का गया रेल जंक्शन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का बस स्टैंड सहित अमृतसर कोलकाता एक्सप्रेस बक्सर वैशाली एक्सप्रेस बाराचट्टी इंडस्ट्रियल हब सहित सड़कों का निर्माण जो किसी भी गयाजी से 3 घंटा में बिहार के किसी भी कोना मे आ जा सकते है। बिहार की पवित्र और ऐतिहासिक भूमि को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भारत सरकार के द्वारा विष्णु कॉरिडोर बोधगया में बुद्ध कॉरिडोर सहित गया के ऐतिहासिक गांधी मैदान को सोंदिकरण करने के लिए स्वीकृति मिलने पर बिहार सरकार द्वारा लिए गए कदम अत्यंत सराहनीय हैं। यह क्षेत्र न केवल बौद्ध धर्म का महत्वपूर्ण केंद्र है, बल्कि हिंदू धर्म और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भी विशेष स्थान रखता है। इन परियोजनाओं को मंजूरी मिलने पर भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता खुशी का इजहार करते हुए कहा आजादी के 77 वर्षों के बाद गया के इस ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए, इसे वैश्विक स्तर पर धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

इसके लिए भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के मंत्री गया लोकसभा के सांसद जीतन राम मांझी सहित बिहार भाजपा गठबंधन की सरकार नीतीश कुमार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा गया जी की पहचान ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का है इन परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से गया विश्व स्तर का पहचान होगा देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी एवं केंद्रीय मंत्री गया के सांसद जीतन राम मांझी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया जी को चोमूखी विकास कार्यों को स्वीकृति दिया गया है देश नहीं विदेश के लोग भी लगातार आते रहते हैं।

गया के समग्र विकास के लिए इन परियोजनाओं के अंतर्गत बेहतर आधारभूत संरचना, आधुनिक सुविधाएं, पर्यावरण संरक्षण, और पर्यटन के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जा रहा है। यह कदम न केवल गया के विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन और आर्थिक उन्नति का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।

17वीं जूनियर राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में बिहार का चौथा स्थान, बिहार की झोली में 38 पदक में 18 स्वर्ण पदक

गया। 17वीं जूनियर राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप 2024 का आयोजन जम्मू कश्मीर विश्वविद्यालय में किया गया ।28 नवंबर को आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार के खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बिहार के 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया और नो-गी ग्रैपलिंग एवं गी ग्रैपलिंग के दोनों इवेंट्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से 18 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक, और 13 कांस्य पदक जीतकर पूरे भारत में चौथा स्थान प्राप्त किया । ग्रेपलिंग संघ के हरि ओम उत्तम ने बताया कि इन खिलाड़ियों का चयन बिहार के विभिन्न जिलों से किया गया था। उनकी सफलता ने न केवल राज्य का गौरव बढ़ाया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की प्रतिभा और क्षमता को भी उजागर किया ।इस प्रतियोगिता के दौरान जम्मू-कश्मीर के खेल मंत्री, श्री सतीश शर्मा जी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, यूनिवर्सिटी खेल समिति ने आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया ।विधान पार्षद महेश्वर सिंह ने अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि बिहार से दो कोचों ने खिलाड़ियों का सही तरह से मार्गदर्शन किया, उनके समर्पण और प्रेरणा के कारण खिलाड़ियों ने यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की। बिहार की टीम को शुभकामना देनेवालों में अनुराग सिंह, वरुण विजय , अभिजीत ,अभय मनोज, अजय कुमार अंकोला, रिजवान खान , मनीष कुमार ,पिंटू यादव आदि रहे ।

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना का स्वीकृति होने पर केन्द्रीय मंत्री को दी बधाई:डॉ मनीष

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।भारत सरकार द्वारा गया जी की पावन धरती पर 125 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना की स्वीकृति निश्चित रूप से क्षेत्र के विकास और युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस उपलब्धि के लिए गया भारत सरकार के मंत्रीसह लोकसभा के सांसद जीतन राम मांझी का विशेष धन्यवाद और बधाई दिया है। उनकी दूरदर्शिता और अथक प्रयासों से यह परियोजना साकार हो रही है, जो क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, सांसद जीतन राम मांझी, को बधाई देते हुए कहा कि यह टेक्नोलॉजी सेंटर न केवल गया जिले के बल्कि पूरे बिहार के लिए वरदान साबित होगा। यह केंद्र युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, यह क्षेत्र में औद्योगिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगा ।डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना इसी दिशा में एक और मजबूत कदम है। इससे न केवल युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खुलेंगे, बल्कि गया क्षेत्र को एक औद्योगिक और तकनीकी केंद्र के रूप में पहचान भी मिलेगी। डॉ. मिश्रा ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं और देश के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने यह विश्वास जताया कि यह परियोजना बिहार को तकनीकी और औद्योगिक विकास के नए आयाम तक पहुंचाने में सहायक होगी। गया जी के पावन धरती से देश को ओजस्वी प्रधानमंत्री से नरेंद्र भाई मोदी केंद्रीय मंत्री सह गया के सांसद जीतन राम मांझी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

6 बिहार बटालियन के एनसीसी कैडेट ने किया रक्तदान

प्रातः किरण संवाददाता

गया । 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पंकज कुमार (कीर्ति चक्र)के निर्देशन पर एनसीसी कंपनी, गया कालेज गया,अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज,एम एस वाई कॉलेज,जीबीएम कॉलेज द्वारा विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।कैडेटो ने रक्तदान किया ।एएनओ संजय तिवारी द्वारा कैडेटों को रक्तदान के महत्व के बारे में बताया गया।

रक्तदान करने वालों में कैडेट राहुल कुमार ,शिवम कुमार , सुन्दरम सहित विभिन्न कंपनियों के एनसीसी कैडेट शामिल थे ।कैडेटो का मनोबल बढाने व रक्तदान संबंधी भ्रांतियों को दूर करने के लिये एएनओ संजय तिवारी ने स्वयं रक्तदान किया व सभी से इस मानवीय कार्य में बढ चढकर आगे का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

चार लाख मछली बीज गंगा नदी में छोड़ा गया

बरियारपुर (मुंगेर)। जिला अन्तर्गत सदर प्रखंड के महेशपुर गंगा नदी के तट पर चार लाख कातल ,रैहु ,मिर्क प्रजाति के मछली बीज गंगा नदी मे छोड़ा गया। स्थानिय मछुआरों को शिकार वाही के क्रम मे गंगा नदी से तीन किस्म के मछलियां बिलुप्त होती देख बिहार सरकार के साथ केन्द्रीय मत्स्य पालन विभाग द्वारा स्वकृति प्रदान के पश्चात सम्पूर्ण बिहार के गंगा नदी में मछलियों को छोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ किया जा रहा है। यह सिलसिला नियंत्रण जारी रहेगी। इस सम्बंध मे संयुक्त निर्देशक मत्स्य पालन विभाग भाग बिहार के दिलिप कुमार के कर कमलों द्वारा प्रारम्भ किया गया है।इस अवसर पर मत्स्य निर्देशक शेलेंद्र कुमार, जिला मत्स्य पालन पदाधिकारी मणीश कुमार रस्तोगी व रौशन कुमार मत्स्य बिकास पदाधिकारी पुजा कुमारी, मोना कुमारी मत्स्य जिवि सहयोग समिति मंत्री बरियारपुर दिनेश सहनी अध्यक्ष उमेश सहनी मुंगेर मत्स्य जिवि सहयोग समिति मंत्री छोटेलाल सहनी अध्यक्ष राजेंद्र मंडल मत्स्य जिवी सहयोग समिति जमालपुर प्रताप नारायण चौधरी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के सफल निर्देशन में लक्ष्मीपुर और खैरा प्रखंड में पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्वच्छ, निष्पक्ष चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पैक्स) सह जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निर्देशन में पैक्स चुनाव का चतुर्थ चरण का मतदान रविवार 01 दिसम्बर को प्रखंड खैरा एवं लक्ष्मीपुर में भयमुक्त, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुआ। मतदाता काफी उत्साह एवं उमंग के साथ शांतिपूर्ण और निर्भीक वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर उम्मीदवारों के भाग्य को बक्से में बन्द कर दिया। प्रातः 06:00 बजे से हीं सभी प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होकर यह सुनिश्चित कर रहे थे कि मतदान,मतगणना सुचारू रूप से संपन्न हो। सेक्टर,जोनल,सुपर जोनल दंडाधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहे ।मतदान,मतगणना में संभावित बाधाओं का निराकरण करने हेतु मास्टर ट्रेनर को सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ सम्बद्ध किया गया है। वरीय पदाधिकारी भी निरंतर बूथों का निरीक्षण कर रहे हैं। अपराह्न 3:00 बजे मतदान समाप्ति के उपरांत मतगणना की प्रक्रिया जारी प्रखंड मुख्यालय में अपराह्न 4:00 से प्रारंभ कर दिया गया। स्वच्छ शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न करने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध रहे किसी प्रकार की विधिझव्यवस्था समस्या उत्पन्न ना हो यह भी सुनिश्चित किया गया।

जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने भी स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भय मुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए हैं एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से जिला पदाधिकारी महोदया कि भी लगातार स्थिति पर नजर बनाई हुई रही।

लक्ष्मीपुर प्रखंड मुख्यालय में 10 पैक्सों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न करने में प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम प्रकाश और अंचलाधिकारी रविकांत के साथ ही साथ सेक्टर मजिस्ट्रेट , जोनल मजिस्ट्रेट भ्रमणशील दिखे। मतगणना स्थल पर एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में चुस्त दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रखंड मुख्यालय में 10 पैक्सों में हुए चुनावों की मतगणना हेतु 10 टेबल बनाकर हरेक पैक्सों में पारदर्शिता के साथ स्वच्छ, निष्पक्ष वातावरण में शांतिपूर्ण तरीके मतगणना कराई जा रही है।

शहीद स्मारक से बाह चौकी के बीच मैराथन दौड़ प्रस्तावित किया गया है : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । आगामी 05 दिसंबर को सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक एन एच 80 पर हेरू दियारा शहीद स्मारक से बाह चौकी के बीच मैराथन दौड़ प्रस्तावित है, जिसके कारण छोटे वाहनों के लिए रूट प्रस्तावित किया गया है। जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि इस क्रम में लखीसराय से आने वाले वाले छोटे वाहन जो मुंगेर की तरफ जाएंगे, मेदिनी चौकी थाना क्षेत्र के मिल्की ढाला से दाहिने उतरकर अभय पुर, बसौनी , बंगलवा टोला या धरहरा होते हुए भलार चौक जमालपुर डीएवी स्कूल के पास दाहिने मुड़कर ईस्ट कॉलोनी रेलवे ओवर ब्रिज पार कर जुबली वेल जमालपुर होते हुए पुनः सफिया सराय में एन एच 80 पर आएंगे।वहीं भागलपुर खगड़िया की तरफ से आने वाले छोटे वाहन, जो लखीसराय की ओर जाएंगे, साफिया सराय से बायें मुड़कर जुबली वेल, जमालपुर रेलवे स्टेशन होते हुए भलार चौक बंगलवा टोला या धरहरा होते हुए बसौनी, अभयपुर से होकर मिल्की ढाला (मेदिनी चौकी) के पास एन एच 80 पर आकर जाएंगे। संबंधित थानाध्यक्षों को जिम्मेवारी दी गई है कि वे उपरोक्त रूट पर जगह-जगह बल की प्रतिनियुक्ति कर आने-जाने वाले वाहनों को दिशा निर्देशित करते रहेंगे ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

शिक्षक अपने लॉगिन व पासवर्ड के माध्यम से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन करेंगे

एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक ई-शिक्षा कोष के माध्यम से ऑनलाइन करेंगे आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। जिले में सरकारी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षक जो तबादले की इच्छुक है। उनके लिए अच्छी खबर है। शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक ई-शिक्षा कोष के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिया जाएगा। इससे वैसे शिक्षकों को लाभ होगा जो गंभीर रूप से बीमार है तथा लंबी दूरी तय कर रोज स्कूल जाने को विवश है।स्थानांतरण के इच्छुक शिक्षक व शिक्षिकाओं को 10 विकल्पों का चयन करने का मौका दिया गया है।जिसमें तीन विकल्प अनिवार्य है।स्थानांतरण के इच्छुक शिक्षक व शिक्षिकाओं की ओर से विकल्प चयन करते समय जिला,प्रखंड दशार्ते हुए पंचायत या नगर निकाय का चयन करना होगा।विकल्पों का चयन करने के बाद स्थानांतरण के इच्छुक शिक्षक व शिक्षिकाओं को लिखित आवेदन देने होंगे।जिसमें स्थानांतरण का कारण लिखना होगा।आवेदन को स्कैन करने के बाद आवेदन को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर निर्धारित स्थान पर अपलोड करना होगा।शिक्षक अपने लॉगिन व पासवर्ड के माध्यम से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन करेंगे।विशेष समस्या के कारण शिक्षक व शिक्षिकाओं तबादला के लिए आवेदन दे सकते हैं।शिक्षा विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जो शिक्षक विशेष रूप से समस्या से ग्रसित है।वे आवेदन कर सकते है।समस्या को लेकर सात श्रेणियां तय की गई है।इस श्रेणी में आने वाले ही शिक्षक आवेदन कर सकते है।वैसे शिक्षकों को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन करना होगा।शिक्षकों को अपने लॉगिन पासवर्ड के माध्यम से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर लॉगिन करना होगा।

मुंगेर जिले में पैक्स चुनाव का साइड इफेक्ट देखने को मिला

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। मुंगेर जिले पैक्स चुनाव का साइड इफेक्ट देखने को मिला रहा है जहां विजय प्रत्याशी के समर्थकों के द्वारा पहले पड़ाका फोड़ने का कुछ लोगों के विवाद हुआ। उसके बाद कुछ लोगों के द्वारा एक युवक की पिटाई कर दी गई उस युवक को बचाने आए वृद्ध की भी लोगों ने पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसके इलाज के लिय मुंगेर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया । पूरा मामला। हवेली खड़गपुर अनुमंडल स्थित गंगटा थाना क्षेत्र के बनौली गांव का है जहां विगत रात एक 65 वर्षीय वृद्ध रामदेव यादव को पीट कर घायल कर दिया । दरअसल पैक्स चुनाव में विजय प्रत्याशी के समर्थकों के द्वारा जब जीत की खुशी में आतिशबाजी की जा रही थी तो रामदेव यादव के भतीजे के साथ उन लोगों का झगड़ा इस विषय लेकर हो गया कि उसने दूसरे पक्ष के लिए चुनाव में काम किया । मारपीट की सूचना के बाद चाचा रामदेव और अन्य लोग मामला शांत करवा कर चले आए । उसके बाद कुछ लोगों के द्वारा हथियारों के साथ रामदेव यादव के घर पे हमला बोल दिया गया। जिसमें रामदेव यादव बुरी तरह घायल हो गए । जिसके बाद परिजनों के द्वारा 112 कॉल कर पुलिस बुलाया गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया ।

हरिमोहन सिंह अलीगढ़ में जूनियर नेशनल खो- खो चैंपियनशिप में सम्मानित हुए

जिले के महिला एवं दिव्यांग खेल एवं खिलाड़ी को बढ़ावा देने में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका

- बिहार के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, खेलमंत्री , विधि कानून मंत्री , समाज कल्याण मंत्री, खेल मंत्री आदि के हाथों सम्मानित हो चुके हैं : हरिमोहन सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। खो- खो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अहिल्याबाई होलकर स्टेडियम अलीगढ़ उत्तरप्रदेश में आयोजित 43 वीं जूनियर नेशनल खो- खो चैंपियनशिप -2024 के आयोजन के दौरान भारतीय पारंपरिक खो- खो खेल व खिलाड़ी को मुंगेर जिले व बिहार स्टेट में बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए आयोजन कमिटी द्वारा जनकल्याण शिव शक्ति हरिमोहन फाउंडेशन के फाउंडर एवं मुंगेर जिला खो-खो एसोसिएशन के सेक्रेट्री अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हरिमोहन सिंह को महिला व दिव्यांग खेल व खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में समाजसेवा , लड़कियों को स्पोर्ट्स के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विभिन्न राज्यों के कोच, मैनेजर एवं हजारों की संख्या में बालक एवं बालिका खो- खो खिलाड़ी मौजूद थे। ज्ञात हो कि हरिमोहन सिंह पिछले आठ वर्षों से लगातार निस्वार्थ भाव से महिला व दिव्यांग खेल व खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे हैं । ये वर्तमान में बिहार स्टेट बैटल स्पोर्ट्स डांस एसोसिएशन, पैरा लॉन बाउल्स एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव एवं मुंगेर जिला एसोसियेशन ऑफ पीडब्ल्यूडी के प्रेसिडेंट हैं एवं कई संस्थाओं से जुड़कर समाज के उत्थान एवं विकास के लिए निस्वार्थ सेवा भाव से लगातार कार्य कर रहे हैं । विशेष रूप से महिला खेल व दिव्यांग खेल को बढ़ावा देकर इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बनाई है , साथ ही बेबस, लाचार , दिव्यांग जनों को सभी सरकारी योजनाओं जैसे दिव्यांग सर्टिफिकेट , यूडी आईडी कार्ड , रेलवे कोंसियेशन , राशन कार्ड , ट्राई साइकिल , वैशाखी , कृत्रिम अंग , दिव्यांग पेंशन आदि दिलवाने में मदद करते हैं । समाजसेवा के लिए पूर्व में भी वो बिहार के मुख्यमंत्री , उप मुख्यमंत्री,खेलमंत्री , समाज कल्याण मंत्री, स्वस्थ मंत्री, विधि कानून मंत्री , पर्यटन मंत्री , ग्रामीण कार्य मंत्री द्वारा एवं देश के विभिन्न राज्यों में आठ राष्ट्रीय अवॉर्ड (युवा भारत गौरव सम्मान , पतंजलि अवॉर्ड, बेस्ट यूथ ऑफ द ईयर 2022, आजाद शत्रु अवॉर्ड, अखिल भारतीय गौरव सम्मान, भीम अवॉर्ड आदि) से सम्मानित किए जा चुके हैं। युवाओं में इनकी लोकप्रियता को देखते हुए इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा इन्हें बिहार विधानसभा चुनाव 2020 का मुंगेर जिला पीडब्ल्यूडी ब्रांड एंबेसडर भी नियुक्त किया गया था । वर्तमान में हरिमोहन सिंह मुंगेर जिला एसोसिएशन ऑफ पीडब्ल्यूडी के प्रेसिडेंट , जंप रोप एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव , एवं स्पेशल ओलंपिक भारत , एवं सेरेब्रल पल्सी के राष्ट्रीय ऑफिशियल एवं टेकनिकल हैं । ये दिव्यांग जनों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ दिलाने में भी हमेशा मदद करते हैं। सम्मानित होने पर हरिमोहन सिंह को पेफी बिहार मुंगेर चैप्टर के पदाधिकारी, मुंगेर जिला के खिलाड़ी एवं खेल प्रशिक्षक, बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

युवा जैसे होंगे, वैसा ही राष्ट्र और समाज बनेगा : जिला पार्षद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड अंतर्गत बैजला पंचायत के बाल संस्कार शाला केंद्र मध्य विद्यालय बैजला प्रांगण में आदर्श युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार द्वारा विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ जिला पार्षद धर्मदेव यादव, आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार, विद्यालय प्रभारी सुरेश यादव ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया वही कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार ने किया । जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष सह जिला पार्षद धर्मदेव यादव ने कहा कि गायत्री परिवार बाल संस्कार शाला के माध्यम से समाज में परिवर्तन का काम कर रही है यह बहुत ही अनूठा प्रयोग है। शिक्षा के साथ संस्कार का समावेश कर उत्कृष्ट नागरिक बनाने की दिशा में यहां कार्य हो रही है। योग,ध्यान व गायत्री मंत्र के माध्यम से हमारे मस्तिष्क में ग्रहण करने की क्षमता बढ़ जाती है, इससे चेतना का विकास होता है। आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार ने कहा कि युवा जैसे होंगे, वैसा ही राष्ट्र और समाज बनेगा। बाल संस्कार शाला बच्चों को इंसान बनाने के सेनेटोरियम के रूप में कार्य कर रही है। आज लोग इतने फूहड़ गानों पर नाचते है जिससे समाज की चेतना गिरी हुई मालूम पड़ती है। लोगों में सामाजिक चेतना जगाने की आवश्यकता है। इस सेमिनार के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति ललक जगाने का प्रयास किया जाता रहा है वहीं विद्यालय प्रभारी सुरेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया। मौके पर बाल संस्कार शाला व्यवस्थापक नीतीश कुमार प्रिंस, रूपेश कुमार यादव, आशीष कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी मौरा पहुंचकर बागवानी का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र के मौरा पंचायत के मौरा गांव में किसान महादेव रावत के नर्सरी में सागवान, महुगनी,अमरूद, कटहल एवं चार प्रकार के दशहरी, बारहमसी आम,दूधिया मालदा,आम्रपाली व हेमसागर किस्म नर्सरी के अलावे बैगन, ब्रकुली, टमाटर, फूलगोभी, बंदगोभी एवं मिर्चा आदि के बागवानी नर्सरी का निरीक्षण करने प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामाधार चौधरी मौरा गांव पहुंचे। इस दौरान रामाधार चौधरी बारीकी से नर्सरी का अवलोकन कर मुआयना किया। मौके पर किसान महादेव रावत ने अपने बागवानी में लगे सभी फसलों के बारे में विस्तार पूर्वक से प्रखंड कृषि पदाधिकारी को जानकारी दिया। साथ ही अपने बागवानी में लगे सागवान ,कटहल, अमरूद, आम, बैंगन, टमाटर, फूलगोभी, ब्रकुली, मिर्चा आदि के बारे में बताया। कृषि पदाधिकारी रामाधार चौधरी बागवानी देखकर काफी प्रसन्न हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि इनका बागवानी देखकर बेहद खुशी हुई। उन्होंने प्रखंड के अन्य किसानों से अनुरोध किया कि इस बागवानी को देखकर व इससे प्रेरित होकर अन्य किसानों को भी ऐसी खेती करें और इसके लिए विभाग द्वारा किसानों को हर संभव लाभ एवं बीच-बीच में प्रशिक्षण आदि दिया जाएगा।

पैक्स अध्यक्षों की मतगणना संपन्न

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर में शुक्रवार को मतदान संपन्न हुआ 12 पक्षों में चुनाव के बाद शनिवार को राजेंद्र श्री कृष्णा उच्च विद्यालय स्थित मतगणना केंद्र पर निर्धारित समय पर मतगणना प्रारंभ हुई पहला परिणाम अग्रहण पैक्स का सामने आया जिसमें संतोष कुमार सिंह ने जीत हासिल किया संतोष कुमार सिंह ने अपने निकटतम प्रतिबंध पूनम देवी को दूसरा 39 मतों से पराजित किया बड़ा टैक्सी कुंज बिहारी सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संजीव कुमार को 574 मतों से पराजित किया बढ़ौना पैक्स से सौरव कुमार सिंह लगातार दूसरी बार जीत हासिल किया सौरभ कुमार सिंह ने जावेद अख्तर को 621 मतों से पराजित किया कौड़ियां से कुणाल प्रियदर्शी निर्वाचित हुए उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अभय निषाद को 342 मतों से पराजित किया वढौना पैक्स से रूपेश कुमार ने जीत हासिल की रूपेश ने लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पर निर्वाचित हुए।

बाबा साहेब की पुण्यतिथि मनाने को लेकर हुई बैठक

जमुई [झाझा] आगामी 6 दिसम्बर को संविधान निमार्ता डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनाने को लेकर झाझा अम्बेडकर चौक पर अम्बेडकर विचार मंच के सदस्यो द्वारा एक बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य धर्मदेव यादव ने किया। बैठक में मंच के संयोजक फागु दास ने बाबा साहेब की पुण्यतिथि कार्यक्रम की रूप रेखा तैयारी को लेकर कई बिंदुओ पर चर्चा किया। बैठक में रणधीर पासवान ने भी होने वाले कार्यक्रम के संदर्भ में अपने विचारों को बैठक के दौरान रखा और कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में बाबा साहेब की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। इसके लिए अम्बेडकर विचार मंच के सभी सदस्यों को लेकर जिम्मेवारी भी सौंपी गई हैं। बैठक में अन्य उपस्थित लोगों ने भी कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने को लेकर अपने अपने विचारों को बैठक के दौरान रखने का काम किया

जिप सदस्य ने लिया जायजा; कहा युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार कर रहा अभिनव प्रयोग

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड अंतर्गत बैजला पंचायत के महादलित टोला पचरुखी में हाल ही दिनों में आदर्श युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार बाल संस्कार शाला प्रारंभ किया गया. जो जगह शराब के अड्डा के रूप में मशहूर है वहां गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ प्रतिदिन निःशुल्क बच्चों को पढ़ाकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शनिवार देर शाम जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष सह जिला पार्षद धर्मदेव यादव ने भगत सिंह बाल संस्कार शाला पचरुखी का निरक्षण कर कहा यहां आदर्श युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार अभिनव प्रयोग कर रही हैं। गायत्री परिवार इस क्षेत्र के बच्चों को नैतिक मूल्यों के साथ शिक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं यह बीड़ा वास्तव में जमीनी स्तर का कार्य है और इससे समाज में वांछित परिवर्तन देखने को मिलेगा। आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि यह क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा है यहां के बच्चें आज भी शिक्षा से दूर हैं, कई अभिभावक चाहते हुए भी अपने बच्चों को नहीं पढ़ा पा रहे थे ऐसे में युवा प्रकोष्ठ के युवक खुद भी अध्ययनरत है और 1 घंटे का समय निकालकर इन बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क पढ़ाने का काम कर रहे है। बच्चों को पढ़ाई के अलावा पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती हैं। मौके पर आदर्श युवा प्रकोष्ठ के मनीष कुमार, विशाल कुमार, पूर्व उपमुखिया कैलु खैरा, आशीष कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रेम विवाह प्राची और उज्जवल विश्वकर्मा की हत्या या आत्महत्या

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। प्रेम का परवाना चढ़ा तो कभी-कभी प्रेम विवाह प्रेमी प्रेमिका के लिए वह अभिशाप बन जाता है जबकि आज प्रेम के दीवाने प्रेमी और प्रेमिका को यह सोचना चाहिए कि लड़का घर परिवार माता-पिता को छोड़ सकता है तो उसे भी कभी भी छोड़ सकता है प्रेम एक संबंध होता है जिसमें प्रेमी प्रेमिका को बहुत बड़ा बड़ा सपना दिखाकर और प्रेम जाल में फसल लेता है और दोनों माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध तथा सामाजिक मयार्दा के खिलाफ घर से भाग कर विवाह कर लिया करते हैं जीवन निर्वाह करने के लिए मेहनत मजदूरी कड़ा कर करना पड़ता है कष्ट और मजबूरी में आत्महत्या तक कर लेते हैं इसी क्रम में हवेली खड़गपुर के प्राची और उज्जवल विश्वकर्मा ने बड़ी-बड़ी से अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया है अब मामला यह उत्पन्न हुआ है कि मंगलवार को पति उज्जवल की फांसी लगाकर आत्महत्या करने की दो दिन बाद पत्नी प्राची कुमारी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली दोनों ने पिछले पांच माह पहले ही प्रेम विवाह किया था परिवार की नाराजगी की वजह से दोनों नगर क्षेत्र के राजगंज में एक किराए के मकान में रह रहा था हालांकि उज्जवल की मौत के बाद उसकी पत्नी प्राची अपने माता-पिता के घर रह रही थी उज्जवल की मौत मामले में उसके पिता शंभू विश्वकर्मा ने अपने बेटे की मौत को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताते हुए उज्जवल की पत्नी प्राची उसके पिता टुनटुन विश्वकर्मा मां सुनीता देवी समेत अज्ञात पर प्राथमिक की दर्ज कराया है वहीं प्राची की आत्महत्या को हत्या बताते हुए उसकी बहन कात्यानी कुमारी ने खड़गपुर थाना में आवेदन देकर शंभू विश्वकर्मा उसकी पत्नी समेत रवि विश्वकर्मा और राजा विश्वकर्मा पर प्रार्थना की दर्ज कराते हुए बताया कि इन चारों ने मिलकर मेरी बहन की हत्या की है इधर उज्जवल और प्राची के परिवार एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगाते हुए खड़गपुर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराया है पुलिस अब उधर बूंद में फंसी है उधर बूंद में फंसी है आत्महत्या और हत्या दोनों परिवार की ओर से हत्या का मामला दर्ज कर एक दूसरे परिवार पर आप प्रति आरोप लगाकर प्रार्थना की भी दर्ज कर दी गई है पुलिस के लिए अब यह अनुसंधान का विषय बन गया है कि वास्तव में यह आत्महत्या है या हत्या है यह पुलिस के अनुसंधान से पूरी तरह साफ हो सकता है या मामला कुछ इस प्रकार से ग्रामीण बताते हैं की लड़की के परिवार के लोगों ने कुछ लोगों कुछ लोगों को पैसा देकर हत्या करवाया है जबकि प्राची अपने माता-पिता के घर में थी तो फिर उसके माता-पिता के घर में उसकी मृत्यु फांसी लगने लगने से हुई है तो फिर हत्या का मामला दर्ज कैसे कराई गई जो जांच का विषय बनता है।

विश्व एड्स दिवस पर नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन, निकाली जागरूकता रैली

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] विश्व एड्स दिवस पर रविवार को स्वामी विवेकानंद नर्सिंग स्कूल सिमुलतला के छात्र-छात्राओं ने झाझा रेफरल होस्पिटल सहित विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया।उन्होंने लोगों को एड्स से बचाव के तरीके बताए। साथ ही लक्षण और उपचार के बारे में भी जानकारी दी। स्कूल से आए शिक्षिका अंजली आजाद ने कहा की इस प्रकार की गतिविधियों से लोगों में जागरूकता आने के साथ ही छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ता है।एड्स खतरनाक बीमारी है। जिसमें जागरूक रहकर लोग अपना बचाव कर सकते है।इस प्रकार के जागरूकता अभियान के आयोजनों से छात्र-छात्राओं की शिक्षा एवं दीक्षा में वृद्धि होती है। अस्पताल में नाटक देखने के लिए अस्पताल के मरीज हुआ स्थानीय लोगों की भीड़ जुटा हुआ था। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य गोस्टन किशोर, उपप्राचार्य रजनी, केएसेस के प्राचार्य कुमारी ज्योति मौजूद थे।

42 साल बाद भी एक अदद सा नसीब नहीं हुआ हरपुर थाना को अपना निजी भवन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) । तारापुर पुलिस अनुमंडल के अंतर्गत पड़ने वाले 40 साल पुराना हरपुर थाना को डेढ़ दशक से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी आज तक इसे एक अदद सा अपना निजी भवन तक नसीब नहीं हो सका है। क्षेत्रवासियों द्वारा बताया जा रहा है कि वर्ष 1980 में तारापुर से विधानसभा का चुनाव जीतकर विधायक बने हरपुर गांव निवासी शिक्षाविद स्वर्गीय श्रीनारायण यादव के अथक प्रयास के बाद इस क्षेत्र में अत्यधिक अपराधिक घटनाओं को लेकर हरपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय के समीप पुलिस फांड़ी का निर्माण कराया गया । पूर्व विधायक स्वर्गीय श्री यादव के कार्यकाल के दौरान ही तत्कालीन एसपी आर आर प्रसाद मुंगेर ने इसे पूर्ण थाना का दर्जा प्राप्त कराया। इधर हरपुर गांव निवासी पूर्व विधायक पुत्र कर्मवीर भारती ने बताया कि भौगोलिक दृष्टिकोण से हरपुर का इलाका आज भी काफी अतिपिछड़ा क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहां पुलिस फांडी निर्माण के पहले बेलबिहमा गांव में भीषण डकैती जैसी घटना को बदमाशों ने अंजाम दिया था । लोगों के बीच हमेशा असुरक्षा का भाव रहता था । सुरक्षा की दृष्टिकोण से क्षेत्रवासियों ने लगातार पुलिस फांड़ी स्थापित करने की मांग कर रहे थे । जहां काफी जांच पड़ताल के बाद पहले पुलिस फांड़ी बनाया गया। यह क्षेत्र हमेशा से अपराध के क्षेत्र में उस वक्त काफी चर्चा में रहा करता था। उस वक्त चोरी, डकैती, लूट, मारपीट, एवं हत्या इत्यादि जैसी घटनाएं हर दो-चार दिनों के बाद आस पड़ोस के गांव में होता रहता था। गौरतलब है कि पिछले कई वर्षों से तारापुर संग्रामपुर एस एच -22 मुख्य सड़क के किनारे माधोडीह गांव के समीप पीएचसी गनैली भवन में थाना संचालित है। आगे यह भी बताया गया कि नए थाना भवन निर्माण के लिए मुख्य सड़क से हटकर चंदूकी गांव कझिया बासा के समीप जमीन भी लिया जा चुका है । और आज तक हरपुर थाना को अपना भवन नसीब तक नहीं हुआ है ।

चुनाव में मतदान केंद्र पर आवागमन को लेकर वाहनों को किया गया जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] 3 दिसम्बर को झाझा प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायतों में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर वाहनों की धड़ पकड़कर का कार्य रविवार को किया गया। निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ रविजी के दिशा निर्देश पर सुबह से चार पहिया वाहनों को सोहजाना मोड़ पर एसआई मुकेश सिंह के द्वारा पकड़ा जा रहा था। बीडीओ ने बताया कि 11 पंचायतों में बनाये गए बूथ पर मतदानकर्मियों मतदान पेटी लेकर जाएंगे और मतदान करवाकर वापस प्रखंड कार्यालय पहुंचेंगे, बूथ पर मतदानकर्मियों को मतदान पेटी के साथ आवागमन की सुविधा हेतु वाहनों को पकड़ने का काम किया जा रहा। रविवार की देर दोपहर तक 12 चारपहिया वाहनों को पकड़ा गया। वही चुनाव में वाहन पकड़ने की खबर दूसरे वाहन चालकों को मिलने पर अन्य वाहन चालकों के बीच हड़कंप मचा हुआ था।

जन सुराज 243 सीटों पर मजबूती के साथ लड़ेंगे चुनाव : मो साहब मलिक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। रविवार को कृष्णापुरी वार्ड न0 21 की जन सुराज पार्टी के राज्य कार्यवाहक सदस्य मो० सहाब मलिक के नेतृत्व में जनसंवाद कार्यक्रम एवं सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम का अध्यक्षता जन सुराज पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने किया। संचालन का काम मौलाना रहमतुल्लाह रहमानी ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में दूसरे दलों की सदस्यता छोड़ जन सुराज की सदस्यता को ग्रहण किया और प्रशांत किशोर के बताए हुए सिद्धान्त पर चलने का संकल्प लिया, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जन सुराज के प्रखंड अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने किया एवं संचालन मौलाना रहमतुल्लाह रहमानी ने किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य भानू प्रियदर्शी एवं नाथ नारायण साह थे। मो सहाब मलिक ने अपने संबोधन में कहा कीह्न जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के द्वारा बिहार की दशा एवं दिशा बदलने की जो कसमें खाए हैं वह बहुत सराहनीय हैं और उनकी कोशिश अब कामयाब दिख रही है इसी का परिणाम है कि अभी चार विधानसभा में बिहार की जनता मालिक 10% वोट देकर सभी बड़ी पार्टी को सोचने पर मजबूर कर दिया। प्रशांत किशोर सभी जातियों का वोट अपने पक्ष में करने में कामयाब दिखे चाहे पिछड़ा , अतिपिछड़ा , रउ-रळ , अल्पसंख्यक सभी को साथ लेकर 2025 के चुनाव में 243 सीटों पर बड़ी मजबूती के साथ लड़ेंगे और 2025 में जनता का सुन्दर सरकार बनेगी। पुरुष एवं महिलाएं ने इस बड़ी संख्या में भाग लिया। इस बैठक में मुख्य रूप से राजेश कुमार राम, मनोज कुमार चंडी, धर्मवीर कुमार आदि उपस्थित थे।

बेथेल की डेब्यू मैच में फिफ्टी और कार्से के 6 विकेट

● इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। जैकब बेथेल के डेब्यू मैच में नाबाद अर्धशतक और उसके बाद ब्रायडन कार्से (6-42) की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन 8 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत ने उन्हें तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उनके स्टैंडिंग पॉइंट प्रतिशत को 43.75 के साथ सुधारा है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने अपने पॉइंट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक गिरा दिया और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भारी झटका लगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन हैगले ओवल में 155/6 से आगे खेलने के बाद न्यूजीलैंड ने अपने ओवरनाइट स्कोर में 99 रन जोड़े, क्योंकि कार्से ने सुबह के सत्र में मेजबान की सकारात्मक शुरुआत को बाधित करते हुए रविवार को अपनी दूसरी पारी में 254 रन पर समेट दिया। कार्से ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/42 के आंकड़े की मदद से शेष चार विकेटों में से तीन को चटकाया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए केवल 104 रनों का पीछा करना पड़ा।

यह कार्य 8.21 की प्रभावशाली स्कोरिंग दर से आसानी से पूरा हुआ, क्योंकि जैकब बेथेल ने अपने डेब्यू पर शानदार नाबाद अर्धशतक लगाया जिसे केवल 37 गेंदों में हासिल किया गया, जिससे इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जबकि कार्से अपने 10/106 के गेंदबाजी आंकड़े के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जो 16 वर्षों में विदेश में 10 विकेट लेने वाले पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैं।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर न्यूजीलैंड ने वापसी कर रहे केन विलियमसन के शानदार 93 रनों की बदौलत पहली पारी में 348 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 71/4 पर संघर्ष कर रहा था इससे पहले हैरी ब्रूक के 171 रनों की मदद से मेहमान टीम ने 151 रनों की शानदार बढ़त हासिल की जो उनकी जीत की वजह बना।

मार्को यानसेन के 11 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 233 रन से हराया

डरबन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मार्को यानसन के 11 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को पांचवें दिन किंग्समीड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 233 रनों से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। श्रीलंका ने जीत के लिए 516 रनों के लगभग असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 282 रन बनाए। टीम के लिए दिनेश चांदीमल ने सबसे ज्यादा 83 रन बनाए।

श्रीलंका की टीम ने दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 103 रन से आगे से की और चांदीमल ने 174 गेंद की पारी में 12 चौके लगाने के साथ छठे विकेट के लिए कप्तान धनंजय डिसिल्वा (59) के साथ 95 और सातवें विकेट के लिए कुसल मेंडिस (48) के साथ 75 रन की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका के जीत के इंतजार को लंबा किया। वह गेराल्ड गोएत्जी की गेंद पर उन्हीं को कैच देकर आउट हुए जिससे श्रीलंका ने आखिरी 4 विकेट 11 रन के अंदर गंवा दिए।

भारत-आस्ट्रेलिया

दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में होंगे 3 बदलाव

सुनील गावस्कर ने बताया पडिक्कल और जुरेल की हो सकती है छुट्टी

● 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा दूसरा टेस्ट मैच ● भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मैच एडिलेड ओवल में होगा। परिवारिक कारणों से रोहित शर्मा ने पहला टेस्ट नहीं खेला था। ऐसे में दूसरे टेस्ट में वापसी के लिए तैयार हैं। रोहित पर्थ टेस्ट के दौरान ही भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। रोहित की वापसी के बाद दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव तय है। इतना ही नहीं शुभमन गिल भी चोट से उबर रहे हैं और वापी कर सकते हैं। इस बीच दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने बताया कि तीसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 क्या होगी।

भारत की प्लेइंग 11 में हो सकते 3 बदलाव

गावस्कर ने कहा है कि पिंक बॉल टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में 3 बदलाव हो सकते हैं। 7क्रिकेट पर बातचीत के दौरान गावस्कर ने कहा

कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल निश्चित रूप से देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह प्लेइंग इलेवन में वापस आएंगे।

उन्होंने सुझाव दिया कि मैनेजमेंट बैटिंग ऑर्डर में बदलाव कर सकता है। रोहित की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने ओपनिंग की थी। दूसरे टेस्ट में राहुल मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही रोहित शर्मा यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से दो बदलाव होंगे, रोहित शर्मा और शुभमन गिल दोनों की प्लेइंग 11 में वापसी हो रही है। मुझे लगता है कि बल्लेबाजी क्रम बदल जाएगा। जहां रोहित शर्मा राहुल की जगह लेंगे, वहीं शुभमन गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की प्लेइंग 11 से छुट्टी होगी। वहीं राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

जडेजा को मिल सकता मौका

गावस्कर ने सुझाव दिया कि भारतीय मैनेजमेंट वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दे सकता है। उन्होंने कहा, और एक और बदलाव जो हो सकता है वह यह है कि वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका मिल सकता है।

गावस्कर के अनुसार भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रूट ने चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ा

कार्से ने झटके कुल 10 विकेट

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। रूट ने टेस्ट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। अपना 150वां टेस्ट खेलने वाले रूट ने अपनी टीम की जीत में योगदान दिया और वह 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

सबसे आगे निकले रूट – रूट भले ही बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन वह चौथी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सभी से आगे निकल गए हैं। रूट के अब टेस्ट की चौथी पारी में 1630 रन हो गए हैं, जबकि सचिन ने अपने करियर में इस दौरान 1625 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टियर कुक हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ हैं। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने चौथी पारी में कुल एक समान 1611 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल ने 1580 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीता मैच – मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इस तरह इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्से की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी 254 रन पर ऑलआउट की। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 104 रनों का लक्ष्य रखा जिसे इंग्लैंड ने 12.4 ओवर में दो खोकर हासिल कर लिया।

डे-नाइट टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड

75 प्रतिशत मैच जीते, एडिलेड में ही मिली है एकमात्र हार

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से खेला जाएगा। यह गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट होगा। पर्थ में 295 रन से जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से लबरेज है। वहीं, दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में हार से परेशान है। हालांकि, डे-नाइट टेस्ट अलग बात होगी। ऐसे मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम कड़ी टक्कर देती है और उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है।

रोहित और शुभमन गिल फिट हुए

भारत के लिए अच्छी बात यह है कि नियमित कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हो चुकी है। इसके अलावा शुभमन गिल भी फिट होने की कगार पर हैं। इन दोनों की वापसी से भारतीय बल्लेबाजी मजबूत हो जाएगी। हालांकि, टीम मैनेजमेंट के सामने प्लेइंग-11 को लेकर परेशान होगा। रोहित और गिल को विनिंग कॉम्बिनेशन में फिट करना चिंता का विषय है। देवदत्त पडिक्कल का बेंच पर बैठना तय माना जा रहा है। इसके अलावा ध्रुव जुरेल भी बेंच पर बैठे दिख सकते हैं। सबसे बड़ी परेशानी यह होगी कि केएल राहुल को ओपनिंग भेजा जाएगा या उन्हें फिर से नंबर पांच पर भेजा जाएगा। आइए उससे पहले हम डे-नाइट टेस्ट या पिंक बॉल टेस्ट में भारत के आंकड़े देखते हैं...

भारत ने अब तक चार डे नाइट टेस्ट खेले

भारत ने अब तक चार डे-नाइट टेस्ट खेले हैं। इसमें से तीन में उन्हें जीत मिली है,

जबकि एक में हार का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया ने डे-नाइट टेस्ट में 75 फीसद मैच जीते हैं। जिस एकमात्र टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली थी, वह चार साल पहले एडिलेड में ही खेला गया था। यह 2020/21 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का पहला टेस्ट था। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को इसमें आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

2020 में एडिलेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में क्या हुआ था

एडिलेड में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 244 रन बनाए थे। चेतेश्वर पुजारा ने 43 रन और अजिंक्य रहाणे ने 42 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 191 रन पर ही सिमट गई थी। मार्नस लाबुशेन 47 रन और कप्तान टिम पेन ने 73 रन बनाए थे। भारतीय टीम दूसरी पारी में तहस नहस हो गई थी और सिर्फ 36 रन पर सिमट गई थी। यह भारत का टेस्ट में सबसे कम स्कोर भी है। पृथ्वी शॉ चार रन, मयंक अग्रवाल नौ रन, जसप्रीत बुमराह दो रन, विराट कोहली चार रन, हनुमा विहारी आठ रन और ऋद्धिमान साहा चार रन बनाकर आउट हुए थे। वहीं, पुजारा, रहाणे और अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे।

विराट डे नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय

भारत के लिए डे-नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन विराट ने ही बनाए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 46.16 की औसत से 277 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित शर्मा तीन मैचों में 43.25 की औसत से 173 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। लिस्ट में तीसरे स्थान पर श्रेयस अय्यर हैं। उन्होंने एक डे नाइट टेस्ट में 79.50 की औसत से 155 रन बनाए हैं। वहीं, गेंदबाजों की बात करें तो डे नाइट टेस्ट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट रविचंद्रन अश्विन ने लिए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 18 विकेट झटके हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने दो पिंक बॉल टेस्ट में 14 विकेट झटके हैं। उमेश यादव ने ऐसे दो मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	कुल रन	औसत
विराट कोहली	4	277	46.16
रोहित शर्मा	3	173	43.25
श्रेयस अय्यर	1	155	79.50

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

खिलाड़ी	मैच	कुल विकेट	औसत
रविचंद्रन अश्विन	4	18	13.83
अक्षर पटेल	2	14	9.14
उमेश यादव	2	11	15.54

● डे नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के आंकड़े – ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता की बात यह है कि 2020 में कहर बरपाने वाले हेजलवुड दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वह चोटिल हैं। ऑस्ट्रेलिया का डे नाइट टेस्ट में असाधारण रिकॉर्ड है। उन्होंने अब तक 12 डे-नाइट टेस्ट खेले हैं, जिनमें से 11 में जीत हासिल की है, जबकि सिर्फ एक में हार का सामना करना पड़ा है।

भारत ने पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में खेला था

भारत ने अपना पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था और 46 रन से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेला गया था। इसके बाद 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के बाद टीम इंडिया ने फरवरी 2021 में इंग्लैंड को अहमदाबाद में डे-नाइट टेस्ट में 10 विकेट से और फिर बेंगलुरु में मार्च 2022 में श्रीलंका को 238 रन से शिकस्त दी थी। डे-नाइट टेस्ट में भारत का उच्चतम स्कोर 347/9 का है। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने इतने रन बनाए थे। वहीं, न्यूनतम स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 36 रन का है। टीम इंडिया 2020 में मिली हार को भुलाकर एक नई शुरुआत करना चाहेगी और पर्थ की तरह एडिलेड भी फतह करना चाहेगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

हैदराबाद(एजेंसी)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन दिसंबर को आंध्र के खिलाफ मुंबई के अगले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के शेष मैचों और उसके बाद 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 3-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और अगले मैच में भी खेलने की उम्मीद है। ग्रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। मौजूदा एसएमएटी में दक्षिण अफ्रीका के टी-20 दौरे के बाद हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी खेल रहे है।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी)। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला

काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार रैलियों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई।

आईपीएल 2025

153 करोड़ में बिके 'स्टार' प्लेयर्स प्रदर्शन से चूके, 'सस्ते' खिलाड़ियों ने किया कमाल

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ की बोली के साथ ऋषभ पंत इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं जबकि श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर को क्रमशः 26.75 करोड़ और 23.75 करोड़ में बिके। लेकिन आगामी सीजन में ये खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं इस पर नजरें रहेंगे। इसका बड़ा कारण पिछले 3 सीजन में टॉप 3 सबसे महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले इन 9 प्लेयर्स की तुलना में पिछले तीन सीजन के 9 सबसे सस्ते सफल खिलाड़ियों की कुल कीमत महज 3.35 करोड़ रुपए रही। आइए आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

● **मिचेल स्टार्क** – 24.75 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट
● **पैट कमिंस** –20.5 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद - 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया।
● **डैरिल मिचेल** – 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट
● **शशांक सिंह** – 20 लाख, पंजाब किंग्स - 44.25 के औसत के साथ 354 रन।
● **स्ट्ब्स** – 50 लाख, दिल्ली कैपिटल्स - 13 पारी में 191 के रेट से 378 रन ठोके
● **रमनदीप** – 20 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - ने फिनिशर की भूमिका निभाई।

(2023)

● **सैम करेन** – 18.5 करोड़, पंजाब किंग्स - 14 पारी में 49 के औसत से रन लुटाकर मात्र 10 विकेट
● **कैमरून ग्रीन** –17.5 करोड़, मुंबई इंडियंस - मात्र 6 ही विकेट लिए।
● **बेन स्टोक्स** – 16.25 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते अधिकतर सीजन नहीं खेले और 15 रन ही बनाए।
● **मोहित – 50** लाख, गुजरात - 8.17 के इकोनॉमी रेट से 27 विकेट लिए। दूसरे श्रेष्ठ गेंदबाज।
● **स्पिनर पीयूष**–50 लाख, मुंबई - 22 विकेट, चौथे सफल गेंदबाज।
● **अजिंक्य रहाणे** – 50 लाख, चेन्नई - 11 इनिंग्स में 326 रन बनाए।

(2022)

● **इशान किशन** – 15.25 करोड़, मुंबई इंडियंस - 14 पारी में 32 के औसत से 418 रन।
● ● 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते एक भी मैच नहीं खेले।
● **श्रेयस अय्यर** – 12.25 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स, 14 मैच में 134 के स्ट्राइक रेट से 401 रन। 3 अर्धशतक भी।
● **मोहसिन खान** – 20 लाख, लखनऊ सुपर जाइंट्स - 9 पारियों में 14 विकेट, मात्र 14 का औसत।
● **मुकेश चौधरी** – 20 लाख, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 पारी में 16 विकेट।
● **रिंकू सिंह** – 55 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - 7 मैच में 174 रन, 35 का औसत।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत बनाम हिमंता: सोरेन के एलान के बाद, असम सीएम बोले- हम भी दो-तीन चीजों के अध्ययन के लिए टीमें झारखंड भेजेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है। झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि वह भी असम की दो टीमें झारखंड में दो-तीन चीजों का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है।

विधायक संजय रतन सुक्खू कैबिनेट में जल्द शामिल होंगे

ज्वालामुखी, एजेंसी। स्थानीय विधायक संजय रतन अगले माह प्रदेश मंत्रिमंडल के होने वाले विस्तार में हिमाचल प्रदेश की सुखविन्दर सिंह सरकार में केबिनेट मंत्री बनाए जा सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक यह विस्तार 11 दिसंबर के बाद होगा। असके लिए पार्टी हाईकमान की ओर से मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू को फ्री हैंड दे दिया गया है। सुक्खू इन दिनों दिल्ली दौरे पर है। कांग्रेस कार्यसमिती की बैठक से पहले पार्टी नेताओं के साथ सुक्खू की मंत्रणा हुई है। जिसमें मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता साफ हुआ है। कांगड़ा जिला को चार संगठनात्मक जिलों में बांट कर देखा जाए, तो अभी तक देहरा जिला का सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं है। तीन विधानसभा क्षेत्रों वाले इस जिला में दो विधायक कांग्रेस, तो एक भाजपा के हैं। इनमें ज्वालामुखी के विधायक संजय रतन वरिष्ठता के हिसाब से सबसे प्रवल दावेदारों में हैं। पिछले दिनों भी संजय रतन का नाम मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए चला था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को पानीपत आएंगे, बीमा सखी योजना शुरू करेंगे: नायब सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पानीपत की ऐतिहासिक भूमि से भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रायोजित बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को करनाल के कर्ण कमल में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यक्रम में न केवल बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित जायेगा बल्कि प्रधानमंत्री का भी जोरदार स्वागत किया जायेगा। सरकार लोगों की अपेक्षाओं को तीव्र गति से पूरा करेगी। आज बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार निकाय चुनावों के लिये पूरी तरह से तैयार है। जल्दी ही स्थानीय निकाय के चुनाव कराये जायेंगे। इस समय पार्टी की सदस्यता अभियान जारी है।

3 जगहों पर चलेगा बुलडोजर, खाली होगी सरकारी जमीन

नोएडा, एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे से सटे क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्हें तीन स्थानों पर सरकारी जमीन पर निर्माण होते हुए मिला। इस पर उन्होंने अधिकारियों को बुलडोजर कार्रवाई के निर्देश दिए। सीईओ ने वर्क सर्किल-10, जनस्वास्थ्य और उद्यान विभाग से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह ओर परियोजना अभियंता आर के शर्मा साथ थे। सीईओ सबसे पहले सेक्टर-124 पहुंचे। यहां एक भूखंड में पहले से ही पार्किंग बननी प्रस्तावित है। उन्होंने यहां सामान्य की जगह पजल पार्किंग बनाने और व्यावसायिक गतिविधियों को शामिल करते हुए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एमिटी विश्वविद्यालय और एक्सप्रेसवे के बीच ग्रीन बेल्ट में पौधे लगाने, सड़क किनारे टाइल्स ठीक करने और गोलचक्कर का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। सेक्टर-94 चरखा तिराहे पर लगे गिरे हुए स्टोन पिलर नए सिरे से लगाने को कहा। एक्सप्रेसवे पर बने अंडरपास के पास स्लोप वाली जमीन की सफाई कर इन जगह अलग-अलग रंग के बोगल बेलिया के पौधे लगाने के निर्देश दिए। एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर लगे पेड़ों की कटिंग करने के लिए कहा। सेक्टर-157 स्थित टीसीएस कंपनी के पास औद्योगिक सेक्टरों में प्रवेश करने वाले रास्ते और फुटपाथ की सफाई करने को कहा। वर्क सर्किल-10 के मुख्य मार्गों पर पेड़ों की कटिंग की आवश्यकता बताते हुए 10 दिन में काम करने के निर्देश दिए।

बैक्वेंट हॉल का रिकॉर्ड मांगा सीईओ कोंडली गांव के मुख्य रास्ते पर पहुंचे। यहां गणेश्वरम बैंकेट हॉल एवं रेस्टोरेंट का निर्माण होता हुआ मिला। इस मामले में इस जमीन का उपयोग और निर्माण की अनुमति के संबंध में रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। खास बात यह है कि यह बैक्वेंट हॉल एक यूनियन के किसान नेता का है। इसको तोड़ने के लिए प्राधिकरण ने पहले भी प्रयास किए , लेकिन सफल नहीं हो सका।

इसी गांव के पास मुख्य रास्ते पर और खाली पड़ी जमीन पर अवैध रूप से मार्केट लगाकर अतिक्रमण किया हुआ पाया गया। इस जमीन से अतिक्रमण हटाने और प्राधिकरण का बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इसी तरह बादौली गांव के पास मुख्य सड़क के पास खाली पड़े भूखंड पर अवैध अतिक्रमण कर चारदीवारी का काम चलते हुए मिला। इस चारदीवारी को तोड़ने और प्राधिकरण का बोर्ड लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

पवित्र बोधि वृक्ष की वैज्ञानिकों ने की जांच, कहा- पूरी तरह से है सुरक्षित

गया , एजेंसी। बिहार के बोधगया स्थित अंतर्राष्ट्रीय धरोहर महाबोधि मंदिर में स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच एफआरआई के वैज्ञानिकों ने की. एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों ने जांच के बाद पाया कि बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है और पूरी तरह से सुरक्षित है. वहीं, बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को एफआरआई के वैज्ञानिकों को द्वारा हटा दिया गया.

बोधि वृक्ष की जांच करने देहरादून से आए वैज्ञानिक : वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने महाबोधि मंदिर स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच की. भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति वाले इस बोधि वृक्ष की हर साल नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य की जांच की जाती है. एक साल में तीन-तीन महीने के अंतराल में चार बार बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच होती है. इस क्रम में एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों की टीम शनिवार को बोधगया पहुंची और बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच हुई.

पूरी तरह से सुरक्षित है बोधि वृक्ष : एफआरआई देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ संतन बर्थवाल, डॉक्टर शैलेश पांडे की टीम के द्वारा बोधि वृक्ष की जांच के बाद पाया गया कि यह उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. बोधि वृक्ष पूरी तरह से सुरक्षित है. एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों ने बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य का आंकलन और रखरखाव के लिए कुछ आवश्यक प्रक्रिया को अपनाया. इस क्रम में बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को हटा दिया गया. पवित्र बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. नियमित रखरखाव के हिस्से के रूप में कुछ छोटी मृत शाखाओं को हटा दिया गया. पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं है. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई है, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संकेत देता है. पत्तियों में संक्रमण के कोई संकेत नहीं : वहीं, वैज्ञानिकों को बोधि वृक्ष की पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं मिला. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई. यह भी देखा गया कि पेड़ पर बड़ी संख्या में फल लग रहे हैं, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संदेश देता है. इस मौके पर बीटीएमसी सचिव डॉक्टर महाश्वेता महारथी, सदस्य अरविंद कुमार सिंह, मुख्य भिक्षु वेन के अलावे भिक्षु चालिंदा, भिक्षु दीनानंद आदि मौजूद थे.

कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है - प्रेम शुक्ला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता भाई जगताप द्वारा की गई विवादित टिप्पणी पर भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के लोग लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देने के काम करते रहे हैं। अब कांग्रेस का स्तर इतना गिर गया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। प्रेम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस बार-बार चुनाव हार रही है, इसलिए भाई जगताप इस तरह के बयान दे रहे हैं। वह आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं जो चुनाव आयोग को कुत्ता जैसे शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। कांग्रेस इस पर चुप्पी साधती हुई दिख रही है और यह इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है। भाई जपताप ने कहा है कि उन्होंने जो कहा उस पर वह अडिग हैं। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से आप अच्छी भाषा की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। यह्य लोग भाईगीरी के लिए जाने जाते हैं।

भारत की टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। भाई जगताप ने कहा है कि खेल को खेल भावना से देखना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि यही कांग्रेसी कहते हैं पाकिस्तान के साथ रिश्ता नहीं रखना चाहिए। भारत में जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करेगा, हम राजनीति का संबंध नहीं रख रहे हैं। बीसीसीआई के फैसले का स्वागत होना चाहिए। भाई जगताप के कहने से कुछ नहीं होता है।

शरद पवार ने कहा है कि महाराष्ट्र में सत्ता और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि कांग्रेस तो उन्हें बैग और धन के लिए जानते हैं। वह इस तरह की बात कर रहे हैं, इससे ज्यादा हास्यपद बात नहीं हो सकती है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि शिवसेना को महाविकास अघाड़ी से अलग होना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि उन्हें जो बुद्धि इस वक्त आई है। शायद यह बुद्धि उद्धव ठाकरे को भी आए तो वह औरंगजेब की आराधना बंद कर छत्रपति शिवाजी महाराज के आराधक बन जाए।

ओडिशा सरकार ने मध्याह्न भोजन के लिए आवंटित की जाने वाली राशि बढ़ाई

भुवनेश्वर, एजेंसी। 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। ओडिशा सरकार ने स्कूली छात्रों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराने के लिए आवंटित की जाने वाली राशि को बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। 'पीएम-पोषण' के लिए राज्य के नोडल अधिकारी रघुराम आर अय्यर ने शनिवार को जिलाधिकारियों को सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (पहली से पांचवीं कक्षा) के लिए सामग्री की लागत 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। अय्यर ने कहा कि संशोधित लागत एक दिसंबर से लागू होगी। इससे पहले भोजन लागत में संशोधन अक्टूबर 2022 में किया गया था।

टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ , एजेंसी। हरियाणा सरकार ने टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी और कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति, फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सरकार की ओर से यह कदम राज्य में कर चोरी पर नियंत्रण पाने और राज्य के राजस्व में वृद्धि करने के लिए उठाया गया है। इसके लिए सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने पोर्टल बनाने के निर्देश दिए हैं। टैक्स चोरी की सूचना देने वाले की जानकारी गुप्त रखी जाएगी। हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि इस पहल से लोग टैक्स चोरी की गतिविधियों के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी दें, ताकि राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके और राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हो। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक पोर्टल बनाने के आदेश दिए हैं, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सकता है। इस पहल का उद्देश्य हरियाणा राज्य में नशे की समस्या को नियंत्रित करना और इसे समाप्त करने के लिए एक ठोस कदम उठाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस पोर्टल को जल्द से जल्द स्थापित करें और इसके संचालन के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार करें। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें। जिससे नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों और धार्मिक स्थलों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं।

फरीदाबाद में कॉलोनियों से लेकर खेती की जमीन तक सब महंगी, सर्किल रेट में इजाफा

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने सर्किल रेट की पुरानी प्रस्तावित सूची को लागू किया तो फरीदाबाद जिले में एक दिसंबर से जमीन के दाम बढ़ जाएंगे। कम से कम 10 फीसदी अधिक सर्किल रेट पर रजिस्ट्री करवानी होगी। इससे ऊपर 20 फीसदी तक सर्किल रेट बढ़ाए जा सकते हैं। तहसीलों में सोमवार से नए सर्किल रेट पर रजिस्ट्री की तैयारी है, लेकिन शनिवार शाम तक जिला प्रशासन की वेबसाइट पर नए रेट की सूची अपलोड नहीं की गई। गांव एत्मादपुर में 15 फीसदी सर्किल रेट बढ़ाया गया है। यहां 15000 से बढ़ाकर 17250 प्रति वर्ग गज सर्किल रेट कर दिया। इसी प्रकार किडवाली में 20 लाख से बढ़ाकर 24 लाख प्रति एकड़ सर्किल रेट किया है, यह 20 फीसदी बढ़ोतरी है। खेड़ी में एक एकड़ का सर्किल रेट एक करोड़ 70 लाख से बढ़कर दो करोड़ से ज्यादा कर दिया है। टिकावली में 20 फीसदी बढ़ोतरी हुई है, यहां एकड़ का सर्किल रेट एक करोड़ 90 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ 28 लाख कर दिया है। ओल्ड फरीदाबाद में कमर्शियल सर्किल रेट 20 फीसदी बढ़ा है। यहां 60000 से बढ़ाकर सर्किल रेट 72000 कर दिया। हाउसिंग बोर्ड में 20 फीसदी रेट बढ़े हैं, यहां 4000 से बढ़ाकर 4800 वर्ग फुट सर्किल रेट कर दिया है।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों

सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। द्रोहियों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉरपोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है

वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्साइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगा। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी: रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आतंकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है। भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं। 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, निरार बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129